PRGI Reg. No. : CTHIN/25/A1911

हिन्दी दैनिक

लोकतंत्र प्रहरी

● वर्ष-01 ● अंक- 292 ● भिलाई, मंगलवार 02 जून 2026 ● हिन्दी दैनिक ● पृष्ठ संख्या-8 ● मूल्य - 2 रुपया ● संपादक- संजय तिवारी, मो. 9200000214

संक्षिप्त समाचार

तेज रफ्तार भारी वाहन ने 7 बैलों को कुचला, 5 ने मौके पर तोड़ा दम

रायगढ़। धरमजयगढ़ क्षेत्र में रैरुमा से कुछ दूरी पर भारतमाला सड़क पर एक बेहद दर्दनाक और झकझोर देने वाली घटना सामने आई है। काजूबाड़ी के पास एक तेज रफ्तार भारी वाहन ने 7 बैलों को कुचल दिया। हादसा इतना भयावह था कि 5 बैलों ने मौके पर ही दम तोड़ दिया, जबकि 2 अन्य बैल गंभीर रूप से घायल हो गए हैं। बताया जा रहा है कि दुर्घटना के दौरान एक एर्टिगा कार भी टक्कर की चपेट में आ गई, जिससे वाहन क्षतिग्रस्त हो गया। गनीमत रही कि कोई बड़ी जनहानि की खबर सामने नहीं आई है। ग्रामीणों ने घटना पर नाराजगी जताते हुए दोषी वाहन चालक के खिलाफ सख्त कार्रवाई और भारतमाला सड़क पर तेज रफ्तार वाहनों पर नियंत्रण की मांग की है।

शख्स ने कुल्हाड़ी से काट दिया अपना ही प्राइवेट पार्ट

छतरपुर। मध्य प्रदेश के छतरपुर जिले से एक बेहद हैरान और विचलित कर देने वाला सनसनीखेज मामला सामने आया है। यहां महाराजपुर थाना क्षेत्र में एक शख्स ने अंधविश्वास और सनक के चक्कर में कुल्हाड़ी से अपना ही प्राइवेट पार्ट काट डाला। इस खौफनाक कदम को उठाने के बाद शख्स की हालत बेहद बिगड़ गई, जिसके बाद उसे लहूलुहान अवस्था में छतरपुर जिला अस्पताल में गंभीर हालत में भर्ती कराया गया है। अस्पताल में इलाज के दौरान जब खुद पीड़ित शख्स ने इस आत्मघाती कदम के पीछे की हैरान करने वाली वजह का खुलासा किया, तो वहां मौजूद डॉक्टरों से लेकर पुलिसकर्मियों तक के होश उड़ गए। यह दिल दहला देने वाली घटना महाराजपुर थाना क्षेत्र के वार्ड नंबर 6 भटीपुरा की है। अस्पताल में भर्ती कराए गए 42 वर्षीय पीड़ित शख्स की पहचान भटीपुरा निवासी राममिलन यादव के रूप में हुई है। स्ट्रेचर पर तड़पते हुए राममिलन ने डॉक्टरों और परिजनों को बताया कि उसने केवल भगवान का भजन करने, अपनी काम वासना को हमेशा के लिए मिटाने और गृहस्थ जीवन के बंधनों से पूरी तरह मुक्त होने के लिए यह कदम उठाया है। उसका मानना था कि ऐसा करने से वह सांसारिक बंधनों से आजाद हो जाएगा और आगे चलकर जीवन में उससे कभी कोई पाप नहीं होगा।

शालीमार बाग में करीब 150 मकान हटाए जा रहे

नई दिल्ली। राजधानी के नॉर्थ-वेस्ट जिले के शालीमार बाग इलाके में सुबह बड़े पैमाने पर ध्वस्तीकरण अभियान शुरू किया गया। सड़क चौड़ीकरण परियोजना के तहत प्रशासन करीब 150 मकानों को हटाने की कार्रवाई कर रहा है। अभियान के दौरान किसी भी अप्रिय स्थिति से निपटने के लिए इलाके में सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए हैं। प्रशासन के अनुसार यह कार्रवाई उस सड़क को चौड़ा करने के लिए की जा रही है, जो आउटर रिंग रोड को आजादपुर मंडी से जोड़ती है। अधिकारियों का कहना है कि सड़क चौड़ी होने से संजय गांधी ट्रांसपोर्ट नगर और आजादपुर मंडी के बीच संपर्क बेहतर होगा, जिससे यातायात व्यवस्था सुगम बनेगी और जाम की समस्या में कमी आएगी। स्थानीय प्रशासन ने प्रभावित मकान मालिकों को पहले ही नोटिस जारी।

आत्मरक्षा में की गई कार्रवाई

अमेरिका ने ईरान के रडार और ड्रोन ठिकानों पर किया हमला..

नई दिल्ली/ एजेंसी

अमेरिका और ईरान के बीच जारी राजनयिक तनातनी के बीच एक बड़ी खबर सामने आ रही है। अमेरिकी सेना ने ईरान के रडार और ड्रोन ठिकानों पर हवाई हमले किए हैं। अमेरिकी सेंट्रल कमांड ने सोशल मीडिया पर एक बयान जारी कर इस सैन्य कार्रवाई की पुष्टि की है। अमेरिका के मुताबिक, वीकेंड (सप्ताहांत) पर ईरान के गोरुक और केश्म द्वीप पर स्थित रडार इंस्टॉलेशन और ड्रोन कमांड-एंड-कंट्रोल सेंटर्स को निशाना बनाया गया। अमेरिकी सेना ने इसे ईरान के आक्रामक रवैये के खिलाफ 'आत्मरक्षा' में उठाया गया एक नपा-तुला और सोचा-समझा कदम बताया है। सेंटकॉम के अनुसार, यह ऑपरेशन तब शुरू किया गया जब ईरान ने कथित तौर पर अंतरराष्ट्रीय जलक्षेत्र के ऊपर उड़ान भर रहे एक अमेरिकी एमक्यू-1 ड्रोन को मार गिराया था। अमेरिकी सैन्य अधिकारियों ने दावा किया है कि उनके लड़ाकू विमानों ने ईरान के हवाई रक्षा तंत्र (एयर डिफेंस सिस्टम), एक ड्रोन कंट्रोल स्टेशन और दो 'वन-वे अटैक ड्रोन' को पूरी तरह नष्ट कर दिया। अमेरिकी सेना का कहना है कि ये ईरानी सैन्य संपत्तियां क्षेत्र के समुद्री मार्ग में वाणिज्यिक (कमर्शियल) और सैन्य जहाजों के लिए सीधा खतरा पैदा कर रही थीं, जिसके बाद यह त्वरित कार्रवाई की गई। इस पूरे ऑपरेशन में किसी भी अमेरिकी सैनिक के घायल होने या हताहत होने की खबर नहीं है। यह सैन्य हमला ठीक ऐसे समय में हुआ है, जब दोनों देशों के बीच महीनों से जारी तनाव को कम करने के लिए राजनयिक प्रयास चल रहे हैं। इस हमले से ठीक एक दिन पहले ईरान ने अमेरिका के साथ किसी भी नए समझौते पर हस्ताक्षर करने को लेकर अपना रुख कड़ा कर लिया था। ईरान की संसद के स्पीकर मोहम्मद बागेर गालिबफ ने टेलीविजन पर दिए अपने संबोधन में कहा था कि ईरानी वार्ताकार अमेरिकी प्रतिबद्धताओं को लेकर बेहद सतर्क हैं। उन्होंने साफ किया कि तेहरान केवल वाशिंगटन के आश्वासनों पर भरोसा नहीं करेगा और कोई भी समझौता तभी मंजूर होगा जब ईरानी जनता के अधिकारों और राष्ट्रीय हितों की पूरी रक्षा की जाएगी। ईरान की सबसे प्राथमिक मांग है कि अमेरिका और उसके सहयोगी देशों द्वारा लगाए गए आर्थिक प्रतिबंधों को पूरी तरह हटाया जाए। इसके साथ ही तेहरान विदेशी बैंकों में फ्रीज (जब्त) पड़ी अपनी अरबों डॉलर की संपत्ति तक दोबारा पहुंच बनाने की मांग कर रहा है। ईरानी अधिकारियों का तर्क है कि किसी भी स्थायी समझौते के लिए प्रतिबंधों से वास्तविक राहत मिलना अनिवार्य है। इसके अलावा, ईरान 'स्ट्रेट ऑफहार्मुज' को लेकर भी सुरक्षा गारंटी चाहता है, जो दुनिया के सबसे महत्वपूर्ण ऊर्जा मार्गों में से एक है और जहां से वैश्विक कच्चे तेल का एक बड़ा हिस्सा गुजरता है। राजनयिक वार्ताओं में कई मुद्दों पर प्रगति होने की रिपोर्टों के बावजूद, ईरान का परमाणु कार्यक्रम अभी भी दोनों देशों के बीच सबसे बड़ा और जटिल विवादित बिंदु बना हुआ है। अमेरिका जहां तेहरान की परमाणु गतिविधियों को सीमित करना चाहता है, वहीं ईरान का दावा है कि उसका यह कार्यक्रम पूरी तरह शांतिपूर्ण उद्देश्यों के लिए है

कुवैत बना ईरान का नया निशाना

यह संघर्ष केवल द्वीपों तक सीमित नहीं रहा है। रिपोर्टों के अनुसार, ईरान ने जवाबी कार्रवाई करते हुए कुवैत में स्थित अमेरिकी सैन्य अड्डे को अपनी मिसाइलों का निशाना बनाया है। इस भीषण हमले में कम से कम पांच अमेरिकी सैनिक घायल हुए हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि ईरान ने जानबूझकर इस बार कुवैत को चुना है ताकि वह अमेरिका को यह संदेश दे सके कि क्षेत्र में उसके सहयोगी देश भी सुरक्षित नहीं हैं। यह हमला ऐसे समय हुआ है जब दोनों देश 'स्ट्रेट ऑफहोर्मुज' को दोबारा खोलने के लिए एक नाजुक युद्धविराम की कोशिश कर रहे थे। दुनिया की तेल आपूर्ति का एक बड़ा हिस्सा इसी रास्ते से गुजरता है। यदि यह सैन्य गतिरोध बढ़ता है, तो वैश्विक बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में भारी उछाल आ सकता है, जिससे दुनिया भर की अर्थव्यवस्था प्रभावित होगी। अमेरिकी हमलों के थमने के तुरंत बाद, सैटेलाइट तस्वीरों और खुफिया सूचनाओं से पता चला है कि ईरान ने अपनी भूमिगत मिसाइल साइट्स को फिर से सक्रिय कर दिया है। विशेषज्ञों का कहना है कि ईरान के पास ड्रोन और मिसाइलों का एक बड़ा जखीरा है।

ड्रोन गिराने पर भड़का अमेरिका, ईरान के दो द्वीपों पर फाइटर जेट से भीषण बमबारी खाड़ी में युद्ध का अलर्ट....

मीडिल ईस्ट में अमेरिका और ईरान के बीच जारी संघर्ष साल 2026 में एक और खतरनाक मोड़ पर पहुंच गया है। अमेरिकी सेना ने अंतरराष्ट्रीय जलक्षेत्र में अपने एक जासूसी ड्रोन को मार गिराए जाने के जवाब में ईरान के खिलाफ बड़ी सैन्य कार्रवाई को अंजाम दिया है। सोमवार को अमेरिकी फाइटर जेट्स ने ईरान के दो द्वीपों पर भीषण बमबारी की, जिससे क्षेत्र में पूर्ण युद्ध छिड़ने की आशंका गहरा गई है। तनाव की शुरुआत तब हुई जब ईरान ने अंतरराष्ट्रीय समुद्री सीमा में उड़ रहे अमेरिकी रूक-1 ड्रोन को मार गिराया। अमेरिका ने इसे 'उकसावे वाली कार्रवाई' करार देते हुए आत्मरक्षा में कदम उठाने का फैसला किया। अमेरिकी सेंट्रल कमांड के अनुसार, शनिवार और रविवार को अमेरिकी वायुसेना के लड़ाकू विमानों ने तेजी से पलटवार किया और ईरान के सैन्य ठिकानों को निशाना बनाया। अमेरिकी रक्षा विभाग ने बताया है कि ये हमले ईरान के गोरुक और केश्म द्वीप पर किए गए। इस सटीक बमबारी में ईरानी सेना का रडार सिस्टम, ड्रोन कंट्रोल स्टेशन और मुख्य कमांड सेंटर पूरी तरह नष्ट कर दिए गए हैं। इसके अलावा, अमेरिकी फाइटर जेट्स ने ईरान के उन दो घातक ड्रोनों को भी हवा में तबाह कर दिया, जो भविष्य में किसी हमले की तैयारी में थे। हालांकि, ईरान ने इस दावे को खारिज करते हुए कहा है कि अमेरिकी ड्रोन उनके हवाई क्षेत्र में घुस आया था और वे अपनी संप्रभुता की रक्षा के लिए प्रतिबद्ध हैं।

3 जून को सभी विधायकों की बैठक

क्या उमर अब्दुल्ला की सरकार गिरने की कगार पर है

नई दिल्ली। जम्मू-कश्मीर की राजनीति में बड़ी बहस छिड़ गई है। क्या उमर अब्दुल्ला की सरकार गिरने की कगार पर है? क्या पार्टी के विधायक उमर अब्दुल्ला से नाराज हैं? उमर अब्दुल्ला ने 3 जून को सभी विधायकों की बैठक क्यों बुलाई? इन सवालों को लेकर एक बड़ी बहस जारी है। बीजेपी जम्मू-कश्मीर में उमर अब्दुल्ला की सरकार के जल्द गिरने को लेकर बड़े-बड़े दावे कर रही है। मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला द्वारा 3 जून को अपने विधायकों के साथ बुलाई गई आपात बैठक पर तंज कसते हुए, विपक्ष के नेता सुनील शर्मा और पार्टी के वरिष्ठ नेता अल्ताफ ठाकुर ने कहा कि उमर अब्दुल्ला अपने डूबते जहाज को बचाने की आखिरी, बेताब कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने ज़ोर देकर कहा कि बहुत जल्द ही सबको यह खबर सुनने को मिलेगी कि उमर अब्दुल्ला की सरकार का अस्तित्व खत्म हो गया है। इंडिया टीवी से बात करते हुए, अल्ताफ ठाकुर ने बताया कि पार्टी के भीतर कई विधायक उमर अब्दुल्ला से नाराज हैं। हालांकि, उन्हें मनाने की पिछली कोशिशें की गई थीं, लेकिन ये

नाकाम रहीं। उन्होंने आगे कहा कि 3 जून को होने वाली बैठक इन विधायकों को अपने पक्ष में करने और सरकार बचाने की आखिरी कोशिश है। एक ऐसा प्रयास जिसमें उमर अब्दुल्ला का नाकाम होना तय है। अल्ताफ ठाकुर ने कहा, 3 जून तक इंतज़ार करें और देखें कि इस बैठक के बाद क्या होता है। बीजेपी के इन दावों का जवाब देते हुए, अपनी पार्टी के वरिष्ठ नेता मुंतजिर मेहदी ने इंडिया टीवी से बात की और माना कि इसमें कोई शक नहीं है कि नेशनल कॉन्फ्रेंस के कई विधायक पार्टी से नाखुश हैं और उसे छोड़ना चाहते हैं। उन्होंने इसकी वजह यह बताई कि उमर अब्दुल्ला उस जनादेश को पूरा करने में नाकाम रहे हैं जो उन्हें मिला था।

नेशनल कॉन्फ्रेंस नहीं टूटेगी-एमपी रमजान चौधरी

इस बीच, नेशनल कॉन्फ्रेंस के वरिष्ठ नेता और सांसद रमजान चौधरी ने कहा कि बीजेपी तो बस मुगेरीलाल के हसीन सपने देख रही है। उन्होंने कहा कि पिछले कई सालों में नेशनल कॉन्फ्रेंस को अस्थिर करने की कई कोशिशें की गई हैं, लेकिन हम ऐसी पार्टी नहीं हैं जिसे तोड़ा जा सके। उन्होंने ज़ोर देकर कहा कि नेशनल कॉन्फ्रेंस की सरकार पूरी तरह से मज़बूत और सुरक्षित है, और बीजेपीके लिए बेहतर यही होगा कि वह अपना ध्यान दूसरे मुद्दों पर लगाए। खासकर उन मुद्दों पर जिनकी वजह से इस समय पूरे देश में उसकी आलोचना हो रही है और उस पर सवाल उठ रहे हैं। इसी तरह, नेशनल कॉन्फ्रेंस के एक और नेता और विधायक सलमान सागर ने कहा कि मुख्यमंत्री द्वारा बुलाई गई यह मीटिंग एक अच्छा कदम है, और ऐसी मीटिंग्स होनी भी चाहिए। सरकार गिराने की विपक्ष की बातों को उन्होंने कोरी कल्पना बताकर खारिज कर दिया। उन्होंने बताया कि नेशनल कॉन्फ्रेंस पिछले एक सदी से भी ज्यादा समय से सफलतापूर्वक अपना सफर तय कर रही है।

पीएम को आमों के बारे में बोलने का समय है

18.5 लाख बच्चों के बारे में बोलने का समय ही नहीं है...

नई दिल्ली/ एजेंसी

कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने केंद्र सरकार को आड़े लेते हुए सीबीएसई पर भी जमकर बरसे हैं. राहुल गांधी ने आरोप लगाते हुए कहा कि सीबीएसई आधुनिक मशीनों की जगह पर उत्तर पुस्तिकाओं को स्कैन करने के लिए मोबाईल का इस्तेमाल किया, जिससे विद्यार्थियों का परिणाम प्रभावित हुआ है. सोशल मीडिया के माध्यम से उन्होंने सार्वजनिक रूप से जांच की मांग की है. सांसद ने आगे कहा कि सीबीएसई के टेन्डर 2025 के अंतर्गत उत्तर पुस्तिकाओं को स्वचालित रोबोटिक स्कैनर से स्कैन करने की शर्त थी. सांसद राहुल गांधी

ने आगे कहा कि टेंडर की शर्तों में बदलाव कर एक विशेष कंपनी को फायदा पहुंचाया गया और इसका खामियाजा छात्रों को भुगतना पड़ा. कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने कहा कि पीएम मोदी के पास तरह-तरह के आमों के बारे में बोलने का भरपूर समय था. लेकिन हमारे प्रधानमंत्री के पास उन 18.5 लाख बच्चों के बारे में बोलने का समय नहीं है, जिनकी उत्तर पुस्तिकाओं को फोन से स्कैन किया गया ना कि स्वचालित रोबोटिक स्कैनर से जिसके कारण बच्चों का भविष्य अधर में लटका हुआ है लोकसभा में विपक्ष के नेता सांसद राहुल गांधी ने आगे कहा कि सीबीएसई बोर्ड के ओएसएम मामले में पीएम मोदी की चुप्पी उनकी उदासीनता नहीं बल्कि मिलीभगत को दर्शाती है. सीबीएसई के टेंडर में कॉपियों की बाईंडिंग सुरक्षित रखने और कम से कम 300 डीपीआई गुणवत्ता में स्कैनिंग करने का प्रावधान भी रखा गया था. टीएमसी के दो विधायकों पर गिरी गाज, ममता बनर्जी के 80 में से 2 एमएलए हुए कम बाद में अगस्त में टेंडर में से महत्वपूर्ण शर्तों को हटा दिया गया।

स्वदेशी हथियारों और तीनों सेनाओं के इंटीग्रेशन पर करेंगे काम

नई दिल्ली। पाकिस्तान और चीन मामलों के विशेषज्ञ माने जाने वाले जनरल एन.एस. राजा सुब्रमणि ने आज भारत के नए चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ (सीडीएस) के रूप में कार्यभार संभाल लिया। उन्हें महत्वाकांक्षी मिलिट्री थिएटराइजेशन योजना को लागू करने तथा तीनों सेनाओं के बीच समन्वय और एकीकरण को मजबूत करने की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपी गई है। जनरल सुब्रमणि ने जनरल अनिल चौहान का स्थान लिया है, जिन्होंने शनिवार को देश के सर्वोच्च सैन्य अधिकारी के रूप में अपना कार्यकाल पूरा करने के बाद पद छोड़ दिया। गौरतलब है कि जनरल सुब्रमणि राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद सचिवालय में सैन्य सलाहकार के रूप में कार्यरत थे।

सुरों की दुनिया हुई खामोश!

दिग्गज गायिका सुमन कल्याणपुर का 89 की उम्र में निधन हो गया

नई दिल्ली/ एजेंसी

सुरीली आवाज़ से लाखों दिलों को छूने वाली मशहूर गायिका सुमन कल्याणपुर का 89 वर्ष की उम्र में निधन हो गया। उनके जाने से संगीत प्रेमियों और फिल्म इंडस्ट्री में शोक का माहौल है। सुमन कल्याणपुर ने अपने करियर में कई ऐसे गीत गाए, जो आज भी लोगों की जुबान पर हैं। 'ना ना करते प्यार तुम ही से' और 'आजकल तेरे मेरे प्यार के चर्चे' जैसे गानों ने उन्हें घर-घर में पहचान दिलाई। उनकी आवाज की मिठास और गायकी का अंदाज उन्हे अपने दौर की मशहूर गायिकाओं में शामिल करता हैं। कई दशकों तक अपने गीतों से लोगों का मनोरंजन

करने वाली सुमन कल्याणपुर ने हिंदी के साथ-साथ कई अन्य भाषाओं में भी गाने गाए। उनके योगदान को भारतीय संगीत जगत हमेशा याद रखेगा। सुमन कल्याणपुर का जन्म 28 जनवरी 1937 को अविभाजित भारत के भवानीपुर (बांग्लादेश) में हुआ था। उन्होंने अपने लंबे संगीत करियर में हिंदी, मराठी समेत कई भाषाओं में सैकड़ों लोकप्रिय गीत गाए। अपनी मधुर आवाज़ और शानदार गायकी के दम पर उन्होंने भारतीय संगीत जगत में एक अलग पहचान बनाई, जिसे हमेशा याद रखा जाएगा। उनके गाए कई गीत आज भी सदाबहार माने जाते हैं। और नई पीढ़ी के बीच भी उतने ही लोकप्रिय हैं। भारतीय संगीत में उनका योगदान हमेशा याद रखा जाएगा और उनकी आवाज़ आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणा बनी रहेगी। भारतीय जगत में सुमन कल्याणपुर का बहुत ही अहम योगदान रहा हैं। अपने करियर में उन्होंने हिंदी, मराठी, बंगाली, गुजराती और कई अन्य भाषाओं में यादगार गीत गाए।

सूर्या हत्याकांड पर गरजे सीएम योगी

दोस्ती की आड़ मे छुरेबाजी बर्दाश्त नहीं-सीएम योगी...

नई दिल्ली। बिजनौर के अफजलगढ़ में एक जनसभा को संबोधित करते हुए उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ बड़ा बयान दिया है। उन्होंने गाजियाबाद के सूर्या चौहान हत्याकांड पर बोलते हुए कहा कि धर्म की स्थापना के लिए सुदर्शन चक्र चलाना जरूरी है। तभी यह देश सुरक्षित रहेगा। सीएम योगी ने कहा कि सूर्या को दोस्ती के नाम पर धोखा दिया गया और बकरीद पर उसके साथ गलत हरकत की गई। उन्होंने कहा कि इसके बाद पुलिस ने अपना काम किया। सीएम योगी ने साफ कहा कि दोस्ती की आड़ मे छुरेबाजी स्वीकार्य नहीं है। कोई अपनी नालायक औलाद को समझा नही पा रहा तो समझो वह गलती कर रहा है। उन्होंने कहा कि

यह उसकी सबसे बड़ी चूक है और उसे सजा मिलेगी। मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि राज्य सरकार की संवेदनाएं हमेशा सामान्य और कानून का पालन करने वाले नागरिकों के साथ हैं। और कोई कानून व्यवस्था के साथ खिलवाड़ करने की कोशिश करेगा तो उसको किसी भी सूरत में बख्शा नहीं जाएगा।

शराब सिंडिकेट पर ईडी का शिकंजा

अनवर ढेबर और अनिल टुटेजा से जुड़ी एक हजार करोड़ से अधिक की संपत्तियां अटैच..

रायपुर। संवाददाता

छत्तीसगढ़ के बहुचर्चित शराब घोटाला मामले में प्रवर्तन निदेशालय ने बड़ी कार्रवाई की है। ईडी ने आरोपी अनवर ढेबर और पूर्व आईएएस अनिल टुटेजा से जुड़ी 1 हजार करोड़ से अधिक बाजार मूल्य की संपत्तियां अटैच की है। ईडी का दावा है कि 2019 से 2023 के बीच आरोपियों ने शराब घोटाला कर 2883 करोड़ रुपए से अधिक की अवैध कमाई की है। इस मामले में कार्रवाई करते हुए विकास अग्रवाल और अनवर ढेबर से जुड़ी कई संपत्तियां अटैच की गई है। रायपुर के ढेबर सिटी समेत कई जमीने ईडी ने कुर्क किए हैं। गोवा के अंजुना स्थित लग्जरी होटल वेस्टिन गोवा को भी अटैच किया गया है। ईडी ने विज्ञप्ति जारी कर बताया है कि धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएम एलए), 2002 के तहत तीन अनंतिम कुर्की आदेश (पीएओ) जारी किए हैं, जिसमें 200 करोड़ रुपये के विलेख मूल्य और 1000 रुपये से अधिक के संयुक्त बाजार मूल्य के साथ संपत्तियों को अस्थायी रूप से संलग्न किया गया है। ईओडब्ल्यू/एसीबी, रायपुर द्वारा दर्ज एफआईआर के आधार पर ईडी की जांच से पता चला है कि अनवर ढेबर और अनिल टुटेजा

(सेवानिवृत्त आईएएस) के नेतृत्व वाले एक शराब सिंडिकेट ने वरिष्ठ राज्य अधिकारियों, शराब बनाने वाली भट्टियों के मालिकों और निजी संस्थाओं के साथ मिलीभगत करके 2019 से 2023 के बीच छत्तीसगढ़ उत्पाद शुल्क तंत्र में व्यवस्थित रूप से हेरफेर किया और 1000 करोड़ रुपये से अधिक की अपराध की आय अर्जित की। शराब की खरीद दरों में कृत्रिम वृद्धि, अवैध रूप से बिना हिसाब वाली शराब का निर्माण और पसंदीदा संस्थाओं को दिए गए एफएल-10ए लाइसेंसों के माध्यम से कमीशन की वसूली के जरिए 2,883 करोड़ रुपए की अवैध कमाई की गई। पहले पीएओ ने विकास अग्रवाल और अनवर ढेबर के संबंध में अचल संपत्तियों को कुर्क किया। विकास अग्रवाल सिंडिकेट के जमीनी स्तर के वित्तीय प्रबंधक के रूप में काम करते थे। डिस्टिलरी और एफएल -10 ए लाइसेंसधारियों से कमीशन इकट्ठा करते थे और सीधे अनवर ढेबर को फंड भेजते थे। विकास अग्रवाल के परिवार के सदस्यों के नाम पर मौजूद संपत्तियों को उनके अपराध की आय के बराबर मूल्य के रूप में संलग्न किया गया है।

मुख्यमंत्री समग्र ग्रामीण विकास योजना में भारी अनियमितता

अखरा में घटिया नाली निर्माण, नियम-कायदों को दरकिनार कर उड़ाई जा रही गुणवत्ता की धज्जियां

पंडरिया। मुख्यमंत्री समग्र ग्रामीण विकास योजना के तहत जनपद पंचायत पंडरिया अंतर्गत ग्राम पंचायत खम्हरिया के आश्रित ग्राम अखरा में निर्माणाधीन नाली कार्य गंभीर अनियमितताओं और गुणवत्ता संबंधी सवालों के घेरे में आ गया है। ग्रामीणों ने आरोप लगाया है कि लाखों रुपये की लागत से बनाए जा रहे इस नाली निर्माण कार्य में खुलेआम निर्माण मानकों की अनदेखी की जा रही है, जिससे सरकारी राशि के दुरुपयोग और भ्रष्टाचार की आशंका गहरा गई है। जानकारी के अनुसार उप स्वास्थ्य केंद्र से आगे की ओर निर्मित की जा रही नाली में निर्माण एजेंसी ग्राम पंचायत द्वारा स्थानीय हाफनदी से निकाली गई मिट्टीयुक्त और निम्न गुणवत्ता की रेत का उपयोग किया जा रहा है। निर्माण कार्य में प्रयुक्त रेत में मिट्टी की मात्रा अधिक होने से सीमेंट-कंक्रीट की मजबूती प्रभावित होने की संभावना जताई जा रही है। ग्रामीणों का कहना है कि निर्माण सामग्री की गुणवत्ता पहली नजर में ही संदेहास्पद दिखाई दे रही है, इसके बावजूद कार्य को लगातार आगे बढ़ाया जा रहा है। ग्रामीणों ने यह भी आरोप लगाया है कि नाली निर्माण में डाले जा रहे सरियों के बीच निर्धारित मानकों के विपरीत लगभग डेढ़ फीट से अधिक का गैप रखा जा रहा है। तकनीकी मानकों के अनुसार सरिया जाल की दूरी और घनत्व संरचना की मजबूती तय करते हैं, लेकिन यहां मानकों की अनदेखी कर निर्माण कार्य को जैसे-तैसे पूरा करने का प्रयास किया जा रहा है। इससे भविष्य में नाली के क्षतिग्रस्त होने और सरकारी धन के व्यर्थ होने की आशंका बढ़ गई है। मामले का सबसे गंभीर पहलू यह है कि ग्रामीणों के अनुसार मनरेगा के तकनीकी सहायक से नियमों के विपरीत अन्य कार्य भी कराए जा रहे हैं। बताया जा रहा है कि संबंधित तकनीकी सहायक की जानकारी और निगरानी में ही यह निर्माण कार्य संचालित हो रहा है, बावजूद इसके गुणवत्ता सुधारने की दिशा में कोई प्रभावी कदम नहीं उठाया गया है। इससे तकनीकी अमले की कार्यप्रणाली भी सवालों के घेरे में आ गई है। अखरा में निर्माणाधीन नाली कार्य को लेकर एक और गंभीर अनियमितता सामने आई है। ग्रामीणों का आरोप है कि निर्माण एजेंसी द्वारा कार्य स्थल पर नागरिक सूचना पटल (डिस्प्ले बोर्ड) नहीं लगाया गया है। नियमानुसार किसी भी शासकीय निर्माण कार्य के प्रारंभ होने से पूर्व कार्य का नाम, स्वीकृत राशि, निर्माण एजेंसी, तकनीकी स्वीकृति, कार्य अवधि एवं अन्य आवश्यक जानकारी प्रदर्शित करने हेतु सूचना पटल लगाना अनिवार्य होता है, ताकि आम नागरिक कार्य की जानकारी प्राप्त कर सकें और पारदर्शिता बनी रहे। लेकिन यहां इस महत्वपूर्ण नियम की खुलेआम अनदेखी की जा रही है। सूचना पटल नहीं होने से ग्रामीणों को यह तक जानकारी नहीं है कि कार्य की स्वीकृत लागत कितनी है और निर्माण किन तकनीकी मानकों के आधार पर किया जा रहा है। इससे निर्माण कार्य की पारदर्शिता पर भी गंभीर प्रश्नचिह्न खड़े हो गए हैं। ग्रामीणों का आरोप है कि उन्होंने कई बार संबंधित तकनीकी सहायक को निर्माण कार्य में गुणवत्ता सुनिश्चित करने और घटिया सामग्री के उपयोग पर रोक लगाने का निवेदन किया, लेकिन उनकी शिकायतों को गंभीरता से नहीं लिया गया। बार-बार शिकायतों के बावजूद कार्य की गुणवत्ता में कोई सुधार नहीं हुआ, जिससे ग्रामीणों में भारी नाराजगी व्याप्त है। ग्रामीणों ने जिला प्रशासन, जनपद पंचायत पंडरिया, ग्रामीण यांत्रिकी सेवा विभाग एवं संबंधित अधिकारियों से निर्माण कार्य की उच्चस्तरीय तकनीकी जांच कराने की मांग की है। उनका कहना है कि यदि समय रहते जांच नहीं हुई तो घटिया निर्माण के कारण योजना का उद्देश्य विफल हो जाएगा और सरकारी राशि का बड़ा हिस्सा लापरवाही एवं संभावित अनियमितताओं की भेंट चढ़ जाएगा। अब देखना यह होगा कि मुख्यमंत्री समग्र ग्रामीण विकास योजना के तहत हो रहे इस निर्माण कार्य में सामने आए गंभीर आरोपों पर प्रशासन क्या कार्रवाई करता है।

बालोद नगर पालिका में वित्तीय वर्ष 2023-24 के रेट पर साल 2026 में भी हो रही फ्लैक्स-बैनर की छपाई

भंडार क्रय नियमों की उड़ीं धज्जियां

बालोद। नगर पालिका परिषद् बालोद में चहेती ठेका कंपनियों और फर्मों को पिछले दरवाजे से लाभ पहुंचाने का एक और बड़ा और चौंकाने वाला मामला सामने आया है। मैनपावर सप्लाई में 'मेसर्स शिवशक्ति कंस्ट्रक्शन रायपुर' को 14 महीने से बिना टेंडर 22व अधिक दर पर पालने वाले अधिकारियों का एक और कारनामा उजागर हुआ है। इस बार मामला नगर पालिका के फ्लैक्स, बैनर और मुद्रण (छपाई) कार्य का है, जिसमें वित्तीय वर्ष 2023-24 की स्वीकृत दरों पर आज साल 2026 में भी बिना किसी नई निविदा प्रक्रिया के एक ही फर्म से लगातार काम कराया जा रहा है।

'शिवशक्ति फॉर्मूला' पार्ट-2: तीन साल पुराने रेट पर मेहरबानी क्यों..?

सरकारी नियमों और छत्तीसगढ़ भंडार क्रय संहिता के अनुसार, प्रत्येक वित्तीय वर्ष में मुद्रण और प्रचार-प्रसार सामग्रियों के लिए नए सिरे से प्रतिस्पर्धी निविदाएं आमंत्रित की जानी अनिवार्य हैं, ताकि बाजार की सही और कम दरों का लाभ शासकीय खजाने को मिल सके। लेकिन बालोद नगर पालिका के अधिकारियों ने इस नियम को पूरी तरह रद्दी की टोकरी में डाल दिया है। वर्ष 2023-24 में जो रेट स्वीकृत हुए थे, उसी दर पर आज वर्ष 2026 में भी आर्डर जारी कर फ्लैक्स और बैनर छपवाए जा रहे हैं। आखिर बिना नया टेंडर किए अधिकारियों ने यह कैसे मान लिया कि तीन साल पुराना रेट आज भी निकाय के लिए वित्तीय रूप से फायदेमंद है..?

राजकोषीय अनुशासनहीनता और एकाधिकार का खेल

जानकारों का कहना है कि जानबूझकर नया टेंडर न निकालना सीधे तौर पर बाजार की स्वस्थ प्रतिस्पर्धा को खत्म करना है। ऐसा करके नगर पालिका बालोद ने अन्य स्थानीय प्रिंटिंग फर्मों और बेरोजगार युवाओं को इस प्रक्रिया में भाग लेने के विधिक अधिकार से वंचित कर दिया है।

प्रभारी सचिव आर. संगीता ने विकास कार्यों का किया निरीक्षण

गरियाबंद। जिले की प्रभारी सचिव एवं नगरीय प्रशासन तथा विकास विभाग की सचिव आर. संगीता ने नगरीय निकाय गरियाबंद के विभिन्न विकास कार्यों का औचक निरीक्षण किया। उन्होंने वार्ड क्रमांक 07 स्थित एमआरएफ सेंटर पहुंचकर स्वच्छता दीदीयों से ठोस एवं तरल अपशिष्ट प्रबंधन, कचरा कलेक्शन और कचरे के अलग-अलग वर्गीकरण के बारे में विस्तृत जानकारी ली। स्वच्छता दीदीयों द्वारा 110 प्रकार के कचरे को अलग-अलग वर्गीकृत किए जाने की जानकारी पर उन्होंने उनकी सराहना की और कार्य के दौरान स्वास्थ्य सुरक्षा का विशेष ध्यान रखने के निर्देश दिए। उन्होंने मास्क, दस्ताने, जैकेट, जूते और आवश्यक सुरक्षा सामग्री का अनिवार्य रूप से उपयोग करने को कहा। उन्होंने स्व सहायता समूह की महिलाओं को पीएम स्वनिधि योजना के माध्यम से लोन लेकर अपने स्वरोजगार को बढ़ाने के लिए प्रेरित किया। साथ ही नागरिकों को डोर-टू-डोर कचरा संग्रहण के साथ स्वच्छता के प्रति जागरूक करने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि स्वच्छता को आदत में लाने पर ही नगरीय निकाय स्वच्छ और सुंदर बन सकेगा। इस दौरान उन्होंने बताया कि हाल ही में दिल्ली में आयोजित राष्ट्रीय सम्मेलन में छत्तीसगढ़ की 10 हजार से अधिक महिलाओं के द्वारा वर्षभर कचरा संग्रहण और पृथककरण किए जाने की सराहना राष्ट्रीय स्तर पर की गई। इसके बाद उन्होंने वार्ड क्रमांक 08 में केशरी नागेश के प्रधानमंत्री आवास का निरीक्षण कर समय सीमा में निर्माण कार्य पूर्ण करने के निर्देश दिए, ताकि बरसात से पहले आवास का लाभ मिल सके। वार्ड क्रमांक 04 में स्थित नए तालाब सौंदर्यीकरण कार्य का अवलोकन करते हुए उन्होंने साफ-सफाई, पिचिंग और गहरीकरण कार्य को गुणवत्तापूर्ण ढंग से पूरा करने के निर्देश दिए, जिससे नागरिकों को पर्याप्त निस्तारीकरण जल उपलब्ध हो सके और जल संवर्धन भी सुनिश्चित हो। उन्होंने ईको पार्क का निरीक्षण कर पौधों की सुरक्षा, सिंचाई व्यवस्था, 300 लगाए गए पौधों तथा विकसित किए जा रहे 'वुमन्स फार ट्री' जैसे आकर्षणों की जानकारी ली। उन्होंने पार्क को बेहतर पर्यावरणीय एवं मनोरंजक स्थल के रूप में विकसित करने के निर्देश दिए। इस दौरान जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी प्रखर चंद्राकर, अपर संचालक पुलक भट्टाचार्य, अतिरिक्त मुख्य कार्यपालन अधिकारी शशांक पाण्डेय, संयुक्त संचालक एस. के. सुंदरानी तथा सीएमओ संध्या वर्मा उपस्थित थे।

राज्यपाल डेका ने गरियाबंद जिले में जल संरक्षण, प्राकृतिक खेती और जनकल्याणकारी योजनाओं पर दिया विशेष जोर

गरियाबंद। राज्यपाल रमेन डेका ने लोकभवन में वीडियो क्रॉफेसिंग के माध्यम से गरियाबंद जिले के अधिकारियों की बैठक लेकर स्वास्थ्य, शिक्षा, स्वच्छता, जल संरक्षण, पौधा रोपण एवं पर्यावरण संवर्धन, जैविक खेती, टी.बी उन्मूलन, सड़क सुरक्षा, नशा मुक्ति, विशेष पिछड़ी जनजातियों के विकास सहित विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तार से चर्चा की। राज्यपाल ने कहा कि विकास कार्यों के बेहतर परिणाम के लिए अधिकारियों को नियमित रूप से क्षेत्र भ्रमण करना चाहिए और योजनाओं की जमीनी स्थिति की जानकारी रखनी चाहिए। उन्होंने जनप्रतिनिधियों के सहयोग से विकास कार्यों को प्रभावी ढंग से संपादित करने पर बल दिया। इस अवसर पर बैठक में कलेक्टर बी. एस उइके, पुलिस अधिक्षक वेदव्रत सिरमौर, उदंती-सीतानदी के उपनिदेशक वरूण जैन, जिला पंचायत के सीईओ प्रखर चंद्राकर सहित अन्य विभागों के अधिकारी उपस्थित थे। राज्यपाल ने गोद ग्राम बिजली में जल संरक्षण को प्राथमिकता देने पर जोर देते हुए कहा कि जनभागीदारी के माध्यम से सभी शासकीय भवनों तथा प्रधानमंत्री आवासों में वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम विकसित किया जाए। इसके लिए विस्तृत रोडमैप तैयार करने के निर्देश दिए गए। उन्होंने जिले में पुराने डबरियों, चेक डैमों एवं अन्य जल स्रोतों के संरक्षण और मरम्मत को प्राथमिकता देने को कहा। साथ ही बड़े किसानों को खेतों में डबरी निर्माण के लिए प्रोत्साहित करने तथा छोटे एवं मध्यम किसानों को भी जल संरक्षण गतिविधियों से जोड़ने के निर्देश दिए। राज्यपाल ने रेत के अवैध उत्खनन पर प्रभावी रोक लगाने तथा वैज्ञानिक एवं व्यवस्थित खनन व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि इससे नदियों की प्राकृतिक स्थिति में सुधार होगा और भूजल स्तर बढ़ाने में सहायता मिलेगी। राज्यपाल ने 5 जून को विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर जिले के सभी शासकीय कार्यालयों, अस्पतालों, संस्थानों एवं रिहायशी क्षेत्रों में एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत वृहद वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित करने के निर्देश दिए। बैठक में जैविक एवं प्राकृतिक खेती की चर्चा करते हुए राज्यपाल ने किसानों को प्राकृतिक खेती और हाइड्रोपोनिक्स खेती अपनाने के लिए प्रोत्साहित करने को कहा। उन्होंने प्राकृतिक खेती से उत्पादित वस्तुओं में वैल्यू एडिशन को बढ़ावा देने पर जोर देते हुए कहा कि इससे किसानों की आय में वृद्धि होगी और लोगों को रसायनमुक्त खाद्य पदार्थ उपलब्ध होंगे। उन्होंने धान के साथ-साथ उद्यानिकी एवं रबी फसलों को भी प्रोत्साहन देने पर बल दिया। राज्यपाल ने जिले में शिक्षा, स्वास्थ्य और स्वच्छता के क्षेत्र में पायलट प्रोजेक्ट संचालित करने के निर्देश दिए। उन्होंने बोर्ड परीक्षाओं के परिणामों की जानकारी लेते हुए शिक्षा की गुणवत्ता में निरंतर सुधार पर बल दिया। उन्होंने मुक्तिधामों को सभी आवश्यक सुविधाओं से युक्त करने तथा स्वच्छ भारत मिशन के अंतर्गत नवाचारों को बढ़ावा देने के निर्देश दिए।

नगरी प्रवास में कलेक्टर ने परखी आंगनबाड़ी और लइका घर की व्यवस्थाएं

धमतरी। कलेक्टर अबिनाश मिश्रा ने नगरी प्रवास के दौरान ग्राम फारसिया के कमारपारा स्थित जनमन आंगनबाड़ी केंद्र का निरीक्षण कर बच्चों को उपलब्ध कराई जा रही सुविधाओं, पोषण व्यवस्था एवं केंद्र की साफ-सफाई का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं को बच्चों के सर्वांगीण विकास, पौष्टिक आहार एवं स्वच्छ वातावरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। कलेक्टर मिश्रा ने आंगनबाड़ी पहुंचे बच्चों से आत्मीय संवाद करते हुए उन्हें चॉकलेट वितरित किए तथा बच्चों का उत्साहवर्धन किया। उन्होंने तनिष्का, कुमकुम और सम्राट से फलों के नाम, रंगों की पहचान एवं गिनती पूछा, जिस पर बच्चों ने उत्साहपूर्वक जवाब देकर अपनी प्रतिभा और सीखने की क्षमता का परिचय दिया। बच्चों की सक्रियता और आत्मविश्वास देखकर कलेक्टर ने प्रसन्नता व्यक्त की तथा कार्यकर्ताओं की सराहना की। उन्होंने कहा कि आंगनबाड़ी केंद्र केवल पोषण उपलब्ध कराने का माध्यम नहीं, बल्कि बच्चों के प्रारंभिक बौद्धिक, मानसिक एवं सामाजिक विकास का महत्वपूर्ण केंद्र हैं। बच्चों को बेहतर वातावरण, पोषाहार और संस्कारयुक्त शिक्षा उपलब्ध कराना शासन की प्राथमिकता है। इसके पश्चात कलेक्टर मिश्रा ने कशपुर में संचालित लइका घर का निरीक्षण किया। उन्होंने वहां बच्चों को दिए जाने वाले भोजन, स्वास्थ्य सुविधाओं, नियमित स्वास्थ्य परीक्षण एवं शारीरिक विकास से जुड़ी गतिविधियों की जानकारी ली। निरीक्षण के दौरान मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत गजेंद्र सिंह ठाकुर, एसडीएम नगरी सु प्रीति दुर्गम, सहायक आयुक्त आदिवासी विकास विमल साहू, कार्यपालन अभियंता ग्रामीण यांत्रिकी सेवा राठौर, उप संचालक पंचायत नकुल वर्मा सहित जिला एवं विकासखंड स्तर के अधिकारी उपस्थित थे।

छत से पैर फिसलने से युवक की मौत

धमतरी। आमापारा वार्ड में उस समय सनसनी फैल गई जब एक व्यक्ति अपने ही घर के छत से 20 फीट नीचे गिर गया जिससे उसकी मौत हो गई। मृतक की पहचान अनिल पटेल के रूप में हुई है। बताया गया कि उक्त युवक शराब पीने का आदी था। घटना के वक्त भी वह शराब के नशे में था। घटना के बाद इलाके में हड़कंप मच गया। मिली जानकारी के अनुसार घटना कोतवाली थाना क्षेत्र स्थित आमापारा, बनिया तालाब के पास की है जहां उक्त घटना घटित हुई। घटना के समय वह नशे की हालत में अपने घर की छत पर चढ़ गए थे। इसी दौरान युवक का बैलेंस बिगड़ गया। वह करीब 20 फीट नीचे गिर पड़ा, जिससे शरीर पर कई गंभीर चोटें आईं। परिजनों द्वारा आनन-फानन में उसे अस्पताल लेकर पहुंचे जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। सूचना मिलते ही कोतवाली पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू की। पुलिस ने मर्ग कायम कर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पोस्टमार्टम की प्रक्रिया पूरी होने के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

कसपुर विद्युत उपकेंद्र से ग्रामीण अंचल को मिली नई ऊर्जा, कलेक्टर ने किया निरीक्षण

धमतरी। जिले के नगरी विकासखंड अंतर्गत बेलारगांव क्षेत्र के ग्राम कसपुर में नव निर्मित 33/11 केवी विद्युत उपकेंद्र ग्रामीण क्षेत्र की विद्युत व्यवस्था को नई मजबूती प्रदान कर रहा है। कलेक्टर अबिनाश मिश्रा ने अपने नगरी प्रवास के दौरान विद्युत उपकेंद्र का निरीक्षण कर वहां उपलब्ध सुविधाओं, विद्युत आपूर्ति व्यवस्था तथा ग्रामीणों को मिलने वाले लाभों की जानकारी अधिकारियों से ली। निरीक्षण के दौरान कलेक्टर मिश्रा ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि जिन गांवों में पूर्व में लो.वोल्टेज अथवा विद्युत आपूर्ति संबंधी समस्याएं रही हैं, उनकी विस्तृत सूची तैयार कर शीघ्र प्रस्तुत की जाए। उन्होंने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में निर्बाध, गुणवत्तापूर्ण एवं स्थायी विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित करना शासन की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल है। इसके लिए आवश्यकतानुसार तकनीकी सुधार एवं विस्तार कार्य समयबद्ध रूप से किए जाएं। अधिकारियों ने जानकारी दी कि कसपुर में स्थापित इस नए 33/11 केवी विद्युत उपकेंद्र के प्रारंभ होने से आसपास के सात गांवों तथा कसपुर के विभिन्न मोहल्लों में लंबे समय से बनी लो-वोल्टेज और बार.बार बिजली बाधित होने की समस्या में उल्लेखनीय सुधार आया है। अब क्षेत्र में स्थिर वोल्टेज के साथ नियमित विद्युत आपूर्ति हो रही है, जिससे ग्रामीणों को बड़ी राहत मिली है। विद्युत व्यवस्था में सुधार से घरेलू उपभोक्ताओं के साथ.साथ किसानों, विद्यार्थियों एवं छोटे व्यवसायों को भी लाभ मिल रहा है। कलेक्टर मिश्रा ने कहा कि बेहतर विद्युत व्यवस्था ग्रामीण विकास की आधारशिला है। इससे शिक्षा, सिंचाई, आजीविका और लघु उद्योगों को गति मिलती है तथा ग्रामीण जीवन की गुणवत्ता में सकारात्मक परिवर्तन आता है। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को विद्युत आपूर्ति की नियमित मॉनिटरिंग करने तथा शिकायतों के त्वरित निराकरण के निर्देश भी दिए। निरीक्षण के दौरान मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत गजेंद्र सिंह ठाकुर, एसडीएम नगरी प्रीति दुर्गम, सहायक आयुक्त आदिवासी विकास विमल साहू, कार्यपालन अभियंता ग्रामीण यांत्रिकी सेवा राठौर, उप संचालक पंचायत नकुल वर्मा सहित जिला एवं विकासखंड स्तरीय अधिकारी, ग्रामीणजन उपस्थित रहे।

117.14 लाख से पुराने आवासिय मकान के स्थान पर बनेगा नया आवासिय मकान

बलौदाबाजार। नगर पालिका परिषद क्षेत्र अंतर्गत विगत 70 वर्षों से भी अधिक पुराने स्वच्छता कर्मियों की जर्जर आवास की स्थिति को ध्यान में रखते हुए सर्व सुविधा युक्त बेहतर आवास की व्यवस्था उपलब्ध कराए जाने शासन को कार्य योजना तैयार कर भेजी गई थी। अत्यंत जर्जर आवास की स्थिति को दृष्टिगत रखते हुए नए निर्माण की मांग भी की गई थी, कैबिनेट मंत्री व विधायक टंकराम वर्मा एवं नगर पालिका अध्यक्ष अशोक जैन के द्वारा दोनों स्वीपर कॉलोनी का निरीक्षण कर जर्जर एवम पुराने आवास को देखा गया था, नगर पालिका अध्यक्ष अशोक जैन के द्वारा वर्षों से निवास कर रहे हैं सफाई कामगारों के अत्यंत जीर्णशीर्ण हो चुके मकान के नव निर्माण की मांग की गई थी, कैबिनेट मंत्री टंकराम वर्मा के द्वारा उक्त आवास के निर्माण कार्य हेतु तत्काल स्वीकृति दिलाई गई, व छत्तीसगढ़ शासन राजस्व एवम आपदा प्रबंधन विभाग रायपुर से प्राप्त स्वीकृति अनुरूप वार्ड क्रमांक 11 एवं 12 के मध्य 10 नग आवास लागत 60.25 लाख , एवं वार्ड क्रमांक 16 नयापारा में 12 नए आवास लागत 56.89 लाख से निर्माण किए जाने की स्वीकृति प्रदान की गई है, कुल 117.4 लाख की लागत से उक्त निर्माण कार्य अति शीघ्र पूर्ण होंगे। नगर पालिका अध्यक्ष अशोक जैन एवं सभापति व पार्षद गणों ने उक्त कार्य की स्वीकृति व राशि प्रदाय किये जाने पर कैबिनेट मंत्री टंकराम वर्मा के सहयोग व प्रयासों से नवनिर्माण के लिए आभार व्यक्त कर धन्यवाद ज्ञापित किया गया है। नगर पालिका अध्यक्ष अशोक जैन ने बताया कि नगर पालिका के सफाई विभाग में कार्यरत वर्षों से निवासरत कर्मचारियों के लिए उक्त आवास निर्माण किया जाना नितांत आवश्यक था, विगत कई वर्षों से पुराना निर्माण व जर्जर मकान में सफाई कर्मचारी निवास करने मजबूर थे, नया आवास की मांग की समय समय पर की जाती रही है, परन्तु सामान्य सुधार कर आवास में निवासरत रहने मजबूर थे, वर्तमान में उक्त आवास के लिए निर्माण की प्रारंभिक तैयारी पूर्ण कर विधिवत निविदा की कार्यवाही की जा चुकी है, अतिशीघ्र आवास निर्माण का कार्य प्रारंभ किया जायेगा। आवास के निर्माण कार्य के लिए केबिनेट मंत्री टंकराम वर्मा के सहयोग व नगरपालिका अध्यक्ष अशोक जैन के प्रयासों के लिए नगर पालिका के उपाध्यक्ष जितेंद्र माहले व सभापति हरजीत सिंह सलूजा,जितेंद्र डड़सेना, कन्हैया सेन, प्रिया शशिभूषण शुक्ला, मनोज कान्त पुरैना, आदित्य गुप्ता, पार्षद अंजनी गोविंद पात्रे, अमितेष नेताम, रेखा पोषण पटेल, श्रद्धा मनीष वर्मा, रोहित साहू, लोकेश चेलक, सतीश पटेल, सुरेश घृतलहरे, गौतम सिंह चौहान, चन्द्र शेखर गुप्ता, डिगेश्वरी रविंद्र नामदेव, मंजू फेकर ,सलमान शेख, ममता सुभाष राव ने धन्यवाद ज्ञापित कर कार्य की सराहना किये है, वही स्वीपर कालोनी के निवासियों ने हर्ष व्यक्त कर आभार व्यक्त किया है।

रिसदा क्षेत्र में अवैध रूप से संचालित क्लीनिकों पर दबिश, ऋषभ क्लिनिक सील

बलौदाबाजार। अवैध रूप से संचालित संचालित क्लिनिको की जिला प्रसाशन द्वारा सखूती से जांच व निरीक्षण किया जा रहा है। इसी कड़ी में कलेक्टर कुलदीप शर्मा के निर्देश पर स्वास्थ्य विभाग एवं राजस्व की संयुक्त टीम के द्वारा शनिवार को बलौदाबाजार के रिसदा क्षेत्र में संचालित क्लिनिको की जांच की गई। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ राजेश अवस्थी के मार्गदर्शन में रिसदा क्षेत्र में संचालित अवैध क्लीनिकों पर खण्ड चिकित्सा अधिकारी डॉ नवदीप बांधे तथा तहसीलदार निवेश कोरेटी की संयुक्त टीम ने छापा मारा।क्षेत्र में सूरज भोंसले द्वारा संचालित ऋषभ क्लीनिक को वैध लाइसेंस न होने पर भी संचालित किया जाना पाया गया जिसे पंचनामा बना कर सील कर दिया गया । इस क्लीनिक की शिकायत भी प्रशासन को प्राप्त हुई थी। इसीतरह सूरज प्रकाश साहू द्वारा संचालित कबीर क्लीनिक की जांच की गई जिसमें संचालक के पास दस्तावेज अपूर्ण पाए गए और कोई डॉक्टर भी उपस्थित नहीं थे जिस पर उसका पंचनामा तैयार कर क्लीनिक बन्द करने की नोटिस देते हुए समझाईश दी गई कि नियमानुसार नर्सिंग होम एक्ट के तहत आवेदन देकर क्लीनिक का पंजीकरण उपरांत ही वह क्लीनिक संचलित किया जाय। कार्यवाही के दौरान सरपंच गंगाराम साहू एवं रिसदा के फील्ड स्टाफ उपस्थित रहे।

ओमप्रकाश एवं भारती शर्मा ने तपती गर्मी में राहगीरों को पिलाया शीतल मठा

धमतरी। सार्थक ग्रीन धमतरी के तत्वावधान में ओमप्रकाश शर्मा एवं भारती शर्मा द्वारा पुरुषोत्तम मास के पावन अवसर पर भीषण गर्मी और तेज धूप से राहत प्रदान करने के उद्देश्य से शीतल एवं स्वास्थ्यवर्धक मठा सेवा का आयोजन किया गया। इस सेवा का लाभ बड़ी संख्या में राहगीरों, रिक्शा चालकों, ऑटो चालकों, ई.रिक्शा चालकों, मोटरसाइकिल सवारों, साइकिल चालकों, कार एवं अन्य वाहन चालकों, श्रमिकों तथा आम नागरिकों ने प्राप्त किया। सेवा स्थल पर दिनभर शीतल एवं स्वास्थ्यवर्धक मठा का वितरण किया गया। गर्मी से राहत मिलने पर अधिकांश राहगीरों ने आत्मीय भाव से थैंक यू कहकर अपनी प्रसन्नता व्यक्त की तथा इस सेवा कार्य की सराहना की। कई लोगों ने कहा कि भीषण गर्मी के समय इस प्रकार की सेवाएं लोगों को राहत और ऊर्जा प्रदान करती हैं। सेवा कार्य को सफल बनाने में सहयोगी गोपाल शर्मा की विशेष भूमिका रही। शर्मा दम्पति के साथ ही दिलीप लोढ़ा, महेंद्र सोनी एवं सुशील शर्मा ने स्वयं आगे बढ़कर रिक्शा चालकों, ऑटो चालकों, ई-रिक्शा चालकों, मोटर साइकिल सवारों, साइकिल चालकों, कार चालकों तथा अन्य राहगीरों तक पहुंचकर मठा वितरित किया और उन्हें गर्मी से राहत प्रदान करने का प्रयास किया। इस अवसर पर अनिता सोनी, अंजू लोढ़ा, वर्षा खंडेलवाल, परिधि खंडेलवाल, स्नेहा राठौड़, ज्योति शांडिल्य, सुभाष मलिक एवं सरिता दोशी सहित सभी सहयोगियों ने सेवा कार्य में सक्रिय सहभागिता निभाई। सभी ने सेवा, सदभाव एवं आत्मीयता के साथ राहगीरों का स्वागत कर उन्हें शीतल मठा प्रदान किया। उल्लेखनीय है कि यह सेवा आयोजन ओमप्रकाश शर्मा द्वारा अपनी जीवनसंगिनी भारती शर्मा के जन्मदिन के अवसर पर किया गया।

संक्षिप्त समाचार

पान-गुटखा ठेले की आड़ में गांजे का कारोबार, महिला तस्कर रंगे हाथ गिरफ्तार

रायपुर। गांव के एक साधारण पान-गुटखा ठेले के पीछे चल रहा नशे का खेल तब बेनकाब हो गया जब पलारी पुलिस ने दबिश देकर एक महिला को गांजा बेचते हुए रंगे हाथ पकड़ लिया। आरोप है कि महिला बेहद शातिर तरीके से गांजे की छोटी-छोटी पुड़िया बनाकर ग्राहकों को बेच रही थी। पुलिस ने मौके से गांजा और बिक्री की नकदी बरामद कर एनडीपीएस एक्ट के तहत कार्रवाई की है। पुलिस अधीक्षक ओ.पी. शर्मा के निर्देशन में जिले में अवैध शराब, जुआ-सट्टा और मादक पदार्थों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत 28 मई को थाना पलारी पुलिस को ग्राम ओडान में गांजा बिक्री की सूचना मिली। सूचना मिलते ही पुलिस टीम ने घेराबंदी कर गांव में स्थित एक पान-गुटखा ठेले पर दबिश दी। जांच के दौरान ठेले और महिला की तलाशी ली गई, जहां से छोटे-छोटे पैकेटों में रखा गया 106 ग्राम गांजा बरामद हुआ। पुलिस ने गांजे की अनुमानित कीमत 1300 रुपये तथा बिक्री से प्राप्त 300 रुपये नकद जब्त किए। पूछताछ में आरोपिया की पहचान कुसुम बाई सेन, उम्र 45 वर्ष, निवासी ग्राम ओडान, थाना पलारी के रूप में हुई। पुलिस के अनुसार आरोपिया लंबे समय से ठेले की आड़ में गांजे की पुड़िया बनाकर बिक्री कर रही थी।

चलती स्कॉर्पियो की छत पर बर्थडे स्टंट, वायरल वीडियो ने पहुंचाया सीधे थाने

रायपुर। रात के अंधेरे में चलती स्कॉर्पियो की छत पर केक काटकर पटाखों की आतिशबाजी करना युवकों को भारी पड़ गया। सोशल मीडिया पर वायरल हुए वीडियो ने ऐसा बवाल मचाया कि पुलिस ने तत्काल कार्रवाई करते हुए वाहन को जब्त कर लिया और चालक समेत संबंधित लोगों के खिलाफ कार्रवाई शुरू कर दी। मामला बिलासपुर के कोनी थाना क्षेत्र का है, जहां 24 मई 2026 की रात रतनपुर से रायपुर जाने वाली सर्विस रोड पर काले रंग की स्कॉर्पियो क्रमांक छत्त 10 ऋक्र3926 में खतरनाक तरीके से जन्मदिन मनाने का वीडियो इंस्टाग्राम पर तेजी से वायरल हुआ। वीडियो में चलती गाड़ी के ऊपर केक रखकर काटा जा रहा था और पटाखे जलाकर आतिशबाजी की जा रही थी, जिससे न केवल यातायात नियमों की खुलेआम धज्जियां उड़ाई गईं बल्कि सड़क पर चल रहे अन्य लोगों की सुरक्षा भी खतरे में पड़ गई। वीडियो सामने आते ही कोनी पुलिस ने वरिष्ठ अधिकारियों को सूचना दी और वाहन की तलाश शुरू की। जांच के दौरान स्कॉर्पियो को पकड़कर थाना कोनी लाया गया। पूछताछ में चालक की पहचान अरविंद सैनी पिता राकेश सैनी, उम्र 31 वर्ष, निवासी कुदुदंड बिलासपुर के रूप में हुई। पुलिस पूछताछ में चालक ने वाहन से यातायात नियमों का उलंघन करना स्वीकार किया।

अभनपुर में संदिग्ध हालात में महिला की मौत छोटी बहन बेहोश मिली

रायपुर। जिले के अभनपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम मानिकचौरी में सुबह उस वक्त सनसनी फैल गई, जब एक घर के भीतर महिला का शव संदिग्ध परिस्थितियों में मिला। वहीं मृत महिला की छोटी बहन उसी कमरे में बेहोशी की हालत में खाट पर पड़ी मिली। घटना की जानकारी मिलते ही गांव में हड़कंप मच गया और बड़ी संख्या में ग्रामीण मौके पर जुट गए। जानकारी के अनुसार, ग्राम मानिकचौरी निवासी भोज बाई रात्रे (58 वर्ष) और मीरा बाई रात्रे (55 वर्ष) दोनों सगी बहनें थीं और गांव में रहकर जीवन-यापन कर रही थीं। उनके अन्य परिजन रायपुर में रहते हैं। बताया जा रहा है रात दोनों बहनों ने साथ में भोजन किया और उसके बाद सोने चली गईं। सुबह काफी देर तक घर से कोई हलचल नहीं होने पर आसपास के लोगों को संदेह हुआ। जब ग्रामीण घर के अंदर पहुंचे तो बड़ी बहन भोज बाई जमीन पर मृत अवस्था में मिली, जबकि छोटी बहन मीरा बाई खाट पर बेहोश पड़ी थी। यह दृश्य देखकर लोगों के होश उड़ गए और तत्काल पुलिस को सूचना दी गई। सूचना मिलते ही अभनपुर पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी। बेहोश महिला को उपचार के लिए अस्पताल भेजा गया, जहां उसकी हालत अब सामान्य बताई जा रही है। वहीं मृत महिला के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। पुलिस के अनुसार प्रारंभिक जांच में मृतका के शरीर पर किसी प्रकार के चोट या संघर्ष के निशान नहीं मिले हैं। फिलहाल मौत के कारणों का खुलासा पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही हो सकेगा। पुलिस सभी पहलुओं को ध्यान में रखते हुए मामले की जांच कर रही है।

भीषण गर्मी के बीच मौसम में बदलाव के संकेत

रायपुर। छग में नवतपा के बीच इन दिनों भीषण गर्मी से लोगों की आवाजाही प्रभावित हुई है। दोपहर में शहर की सड़कें वीरान होती है। आवश्यक कामकाज से ही लोग बाहर निकल रहे है। मौसम विभाग रायपुर से मिली जानकारी के अनुसार छग में नवतपा के बीच बदलाव के संकेत मिले है। अगले 24 घंटे में आंधी बारिश का अलर्ट जारी किया गया है।

साय ने बेमेतरा को दी 105 करोड़ रुपये से अधिक के विकास कार्यों की सौगात

स्वास्थ्य,बाल संरक्षण और आधारभूत अधोसंरचना को मिली नई मजबूती....

■ विकास का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना सरकार का संकल्प - मुख्यमंत्री श्री साय

रायपुर/ संवाददाता

मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने रविवार को अपने एक दिवसीय बेमेतरा प्रवास के दौरान जिले को 105 करोड़ 4 लाख 69 हजार रुपये के विकास कार्यों की बड़ी सौगात दी। विशेष बात यह रही कि अचानक आए अंधड़, तेज तूफान और बारिश के बावजूद विकास कार्यों का शुभारंभ नहीं रुका और मुख्यमंत्री ने जिला पंचायत सभाकक्ष में आयोजित कार्यक्रम के माध्यम से सभी कार्यों का लोकार्पण एवं भूमिपूजन संपन्न कराया। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने अपने उद्बोधन में कहा कि प्राकृतिक परिस्थितियां चाहे कैसी भी हों, जनता के विकास और जनकल्याण के प्रति सरकार की प्रतिबद्धता अटल है। उन्होंने कहा कि मौसम की प्रतिकूल परिस्थितियों के कारण कार्यक्रम स्थल में बदलाव करना पड़ा, लेकिन विकास कार्यों को प्रारंभ करने में किसी प्रकार की बाधा नहीं आने दी गई। उन्होंने कहा कि यह सरकार की दृढ़ इच्छाशक्ति और जनहित के प्रति प्रतिबद्ध सोच का परिचायक है। मुख्यमंत्री ने कहा कि विकास केवल निर्माण कार्यों तक सीमित नहीं है, बल्कि यह लोगों के जीवन में सुविधा, विश्वास और अवसरों का विस्तार है। सड़क, स्वास्थ्य, पेयजल, शिक्षा और सामाजिक सुरक्षा से जुड़े कार्य सीधे आम नागरिकों के जीवन स्तर को प्रभावित करते हैं और राज्य सरकार का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि योजनाओं का लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक सहजता से पहुंचे। उन्होंने कहा कि प्रत्येक गांव, प्रत्येक किसान, प्रत्येक महिला और प्रत्येक जरूरतमंद परिवार तक विकास की रोशनी पहुंचाना सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। मुख्यमंत्री श्री साय ने 78 करोड़ 1 लाख 33 हजार रुपये की लागत से बनने वाले 13 विकास कार्यों का भूमिपूजन किया। इनमें बेरला-कोदवा-देवरबीजा-कर्मु मार्ग का दो-लेन मजबूतीकरण, भेड़नी-सल्धा-सिंधोरी मार्ग, बहिंगा-तिवरैया-सिमगा पहुंच मार्ग, सोढ़-रेवे-देवरबीजा-अकोला-खाती-सौरी मार्ग, मुड़पार खुर्द-जमघट पहुंच मार्ग, मिशन वात्सल्य अंतर्गत बाल संप्रेषण गृह निर्माण, नगर सेना प्रशासकीय भवन निर्माण, गुदेली-कंडरका मार्ग सहित विभिन्न ग्रामों में सीसी रोड, नाली एवं सामुदायिक अधोसंरचना निर्माण कार्य शामिल हैं। मुख्यमंत्री ने 27 करोड़ 3 लाख 36 हजार रुपये की लागत से पूर्ण हुए 5 विकास कार्यों का लोकार्पण भी किया। इनमें नवनिर्मित हमर क्लिनिक, बोर खनन कार्य तथा विभिन्न सड़क निर्माण परियोजनाएं शामिल हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि स्वास्थ्य सुविधाओं का विस्तार राज्य सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में है और ग्रामीण क्षेत्रों में गुणवत्तापूर्ण चिकित्सा सेवाएं उपलब्ध कराने के लिए निरंतर स्वास्थ्य अधोसंरचना को मजबूत किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि हमर क्लिनिक जैसी सुविधाएं लोगों को उनके निकट बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगी।

431 किमी पदयात्रा कर सीएम हाउस पहुंचे परिवार ने की न्याय की मांग

रायपुर। संवाददाता

बलरामपुर जिला अस्पताल में बुखार के दौरान भर्ती की गई महिला की छत से गिरने से मौत मामले में परिवार ने न्याय की गुहार लगाई है। पीड़ित परिवार बलरामपुर से रायपुर 431 किलो मीटर पदयात्रा कर आज सीएम हाउस पहुंचे। यहां अपने साथ हुए घटनाक्रम को लेकर खुलकर बात की। बता दें कि पीड़ित परिवार मामले की जांच व आर्थिक सहायता की मांग को लेकर सीएम हाउस के बाहर बैठे है। बलरामपुर जिला अस्पताल में महिला की मौत का यह मामला 30 अप्रैल की देर रात का है। जिले के ग्राम सेदूर निवासी 58 वर्षीय महिला कौलेश्वरी को बुखार व उल्टी की शिकायत थी। 27 अप्रैल को परिजनों द्वारा उसे बलरामपुर जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया था। अस्पताल के महिला मेडिकल वार्ड में उसका इलाज चल रहा था। 30 अप्रैल की रात करीब 12 बजे वह अस्पताल की दूसरी मंजिल की छत पर पहुंच गई। करीब 10-15 मिनट तक वह छत पर ही टहलती रही। इसके बाद उसने अचानक बिल्डिंग से छलांग लगा दी। इससे महिला नीचे फर्श पर गिरी और गंभीर रूप से घायल हो गई। महिला को तत्काल अस्पताल के कर्मचारियों द्वारा भर्ती किया गया। उसे मेडिकल कॉलेज अस्पताल अंबिकापुर के लिए रेफर कर दिया। एंबुलेंस से अंबिकापुर लाते समय रास्ते में ही उसकी मौत हो गई। महिला ने किस कारण से आत्मघाती कदम उठाया, इसका पता फिलहाल नहीं चल सका है। इस घटना को लेकर परिजनों का कहना है कि यह आत्महत्या नहीं है, बल्कि उसे मारा गया है। वहीं मामले में जांच किए बिना ही केस बंद कर दिया गया। पुलिस व जिला प्रशासन से केस की जांच करने की गुहार लगाने के बाद परिवार ने सीएम तक अपनी बात पहुंचाने के लिए 16 मई से तिरंगा न्याय यात्रा निकाली। पूरा परिवार 431 किलो की दूरी तय कर कल 28 मई को सीएम हाउस पहुंचे। पीड़ित परिवार ने एक वीडियो भी जारी किया है।

डेयरी व्यवसाय हुआ सक्षम.... आर्थिक स्थिति में हुआ सुधार

■ कृत्रिम गर्भाधान करवाकर घनाराम यादव कर रहे रोजना लगभग 1 क्विंटल दूध उत्पादन

रायपुर। संवादाता

पारंपरिक पशु पालन कर दूध उत्पादन करने वाले घनाराम यादव आज शासन के कृत्रिम गर्भाधान कार्यक्रम के जरिए रोजाना लगभग 1 क्विंटल दूध का उत्पादन कर रहे हैं, जिससे न केवल उनका मुनाफा बढ़ा है बल्कि शहर में दूध की मांग की पूर्ति करने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। धनाराम यादव जिले के डगनिया क्षेत्र में निवारत हैं। उनके पास गाय एवं भैंस दोनों थीं, लेकिन उनकी नस्ल उन्नत नहीं थी, जिसके कारण दूध उत्पादन कम होता था जबकि उनके पालन-पोषण में खर्च उतना ही था। दूध विक्रय से आय कम होने के कारण उनके परिवार का जीवन संघर्षों से भर गया। इस दौरान पशुधन विकास विभाग के डॉक्टर और एवीएफओ उनके डेयरी आए और शासन के महत्वपूर्ण कार्यक्रम कृत्रिम गर्भाधान से नस्ल सुधार और इसके आर्थिक उन्नति के बारे में जानकारी दी एवं गाय- भैंस के गर्भाधान कराने की सलाह दी। शुरूआत में धनाराम यादव को इस पर विश्वास नहीं हुआ लेकिन अधिकारियों द्वारा समझाने और इसके लाभ बताने पर वे कृत्रिम गर्भाधान कराने के लिए तैयार हो गए एवं उच्च नस्ल वाले गाय एवं भैंस के वीर्य से कृत्रिम गर्भाधान कराना शुरू किया। इस तकनीक से प्राप्त उन्नत बछड़े और दुग्धोत्पादन में उन्हें उल्लेखनीय वृद्धि देखने को मिली। अब वे अपने सभी पशुओं में सुनियोजित अंतराल में कृत्रिम गर्भाधान कराने लगे।

अबूझमाड़ की महिलाओं को मिली आर्थिक मजबूती 13 स्व सहायता समूहों को 27 लाख रुपये की चक्रिय निधि

समितियों में समय पर मिल रहा है खाद-बीज

किसानों ने नैनो डीएपी खाद के उपयोग को बताया लाभकारी....

रायपुर/ संवाददाता

छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा खरीफ वर्ष 2026 की फसलों (धान, दलहन, तिलहन आदि) के लिए सेवा सहकारी समितियों और कृषि विभाग के माध्यम से किसानों को समय पर गुणवत्तापूर्ण खाद व प्रमाणित बीजों का वितरण किया जा रहा है। इस बार पारंपरिक खादों के साथ-साथ वैकल्पिक उर्वरकों, जैसे नैनो यूरिया और नैनो डीएपी के उपयोग को विशेष रूप से बढ़ावा दिया जा रहा है। इसके साथ ही, उर्वरकों की कालाबाजारी, जमाखोरी और किसी भी प्रकार की अनियमितता को रोकने के लिए

प्रशासन द्वारा लगातार कड़े कदम उठाए जा रहे हैं। बलरामपुर-रामानुजगंज जिले के विकासखंड बलरामपुर के ग्राम संतोषीनगर निवासी किसान श्री पवित्र सरकार ने सहकारी समिति श्बरदरश् की व्यवस्थाओं की सराहना की है। ढाई एकड़ कृषि भूमि के स्वामी श्री पवित्र सरकार ने बताया कि उन्होंने खरीफ सीजन की तैयारी के लिए समिति से यूरिया और नैनो डीएपी प्राप्त किया है। उन्होंने कहा कि नैनो डीएपी के उपयोग से फसलों को जरूरी पोषक तत्व प्रभावी रूप से मिलते हैं, जिससे पौधों की शुरुआती वृद्धि बहुत अच्छी होती है। कम मात्रा में इस्तेमाल होने के बावजूद इसका असर बेहतरीन रहता है, जिससे लागत कम होती है और ले जाने में भी सुविधा रहती है। उन्होंने आगे कहा कि समिति में खाद वितरण की प्रक्रिया बेहद सरल और सुव्यवस्थित थी, जिससे उन्हें किसी भी परेशानी का सामना नहीं करना पड़ा।

विशेष स्वच्छता अभियान के बीच नन्हे बालक आनंद कश्यप ने दिया स्वच्छता का संदेश

रायपुर। दंतेवाडा जिले में 15 मई से 15 जून तक विशेष स्वच्छता अभियान चलाया जा रहा है। अभियान के माध्यम से लोगों को स्वच्छता, कचरा प्रबंधन एवं साफ-सफाई के प्रति जागरूक किया जा रहा है। इसी कड़ी में फरसपाल रोड स्थित पुरनतराई गांव से एक प्रेरणादायक पहल सामने आई है, जहां एक नन्हे बालक आनंद कश्यप ने अपने छोटे से प्रयास से बड़ा संदेश दिया है। गांव में स्थित एक छोटी सी दुकान के बाहर कार्डबोर्ड के डिब्बे से बनाया गया एक अनोखा कूड़ेदान लोगों का ध्यान आकर्षित कर रहा था। उस पर बड़े सरल शब्दों में लिखा था, कचरा यहां डिब्बा में डालें। देखने में साधारण लगने वाला यह कूड़ेदान स्वच्छता के प्रति जागरूकता और जिम्मेदारी का प्रतीक बन गया है। जब दुकान संचालक से इस बारे में जानकारी ली गई तो उन्होंने बताया कि यह कूड़ेदान उनके बेटे आनंद कश्यप ने स्वयं बनाया है। आनंद की इस सोच और प्रयास ने सभी को प्रभावित किया। सीमित संसाधनों में तैयार किया गया यह छोटा सा प्रयास यह दर्शाता है कि यदि इरादे मजबूत हों तो समाज में सकारात्मक बदलाव लाया जा सकता है।

आयुष्मान योजना से जगनी बाई को मिला निःशुल्क उपचार का लाभ

रायपुर। आयुष्मान भारत योजना समाज के गरीब, जरूरतमंद एवं वरिष्ठ नागरिकों के लिए संजीवनी साबित हो रही है। योजना के माध्यम से अब दूरस्थ ग्रामीण क्षेत्रों में रहने वाले बुजुर्गों को भी बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं आसानी से उपलब्ध हो रही हैं। नारायणपुर जिले की निवासी जगनी बाई लाभान्वित हुई हैं, जिन्हें बढ़ती उम्र के कारण लंबे समय से स्वास्थ्य संबंधी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा था। जगनी बाई ने बताया कि उम्र बढ़ने के साथ उनकी तबीयत लगातार खराब रहने लगी थी। कमजोरी, शरीर में दर्द तथा अन्य स्वास्थ्य समस्याओं के कारण उन्हें अस्पताल जाकर इलाज कराने की आवश्यकता पड़ती थी, लेकिन परिवार की आर्थिक स्थिति कमजोर होने के कारण बेहतर उपचार कराना संभव नहीं हो पा रहा था। कई बार इलाज के खर्च की चिंता के कारण समय पर अस्पताल जाना भी मुश्किल हो जाता था। इसी दौरान उन्हें आयुष्मान भारत योजना की जानकारी मिली। योजना के अंतर्गत उनका आयुष्मान कार्ड बनाया गया, जिसके बाद उन्हें निःशुल्क उपचार की सुविधा प्राप्त हुई। कार्ड बनने के बाद जगनी बाई को अस्पताल में भर्ती होने, आवश्यक जांच कराने, डॉक्टरों से परामर्श लेने तथा दवाइयों सहित उपचार की सुविधा बिना किसी आर्थिक बोझ के मिली।

खरीफ सीजन के लिए खाद-बीज का पर्याप्त भंडारण

खाद वितरण में गड़बड़ी पर प्रशासन सख्त, 8 केंद्रों पर बैन

रायपुर/ संवाददाता

भारत सरकार और राज्य शासन के निर्देशानुसार छत्तीसगढ के कोरबा जिले में खरीफ वर्ष 2026 के लिए कृषकों को गुणवत्तायुक्त एवं पर्याप्त मात्रा में खाद और बीज की उपलब्धता सुनिश्चित की जा रही है। कृषि विभाग के उप संचालक श्री डी.पी.एस. कंवर ने स्पष्ट किया है कि जिले में खाद-बीज का पर्याप्त भंडारण है और किसानों को किसी भी तरह की कमी नहीं होने दी जाएगी। कलेक्टर कोरबा कुणाल दुदावत ने उर्वरकों के भंडारण और वितरण में किसी भी प्रकार की लापरवाही या अनियमितता पाए जाने पर सख्त रुख अपनाया है। उन्होंने दोषी विक्रेताओं के विरुद्ध उर्वरक नियंत्रण आदेश 1985 तथा आवश्यक वस्तु अधिनियम 1955 के तहत कठोर कानूनी व दंडात्मक कार्रवाई करने के निर्देश जारी किए हैं। नील हरित काई एवं हरी खाद वायुमंडलीय नत्रजन का स्थिरीकरण कर पौधों को नाइट्रोजन पोषक तत्व उपलब्ध कराती हैं तथा मिट्टी की भौतिक, रासायनिक एवं जैविक गुणवत्ता को बनाए रखते हुए उसकी उर्वरता शक्ति में वृद्धि करती हैं। कृषकों को हरी खाद के रूप में ढैंचा बीज 8 किलोग्राम प्रति एकड़ तथा मूंग बीज 4 किलोग्राम प्रति एकड़ की दर से वितरित किया जा रहा है। साथ ही जैव उर्वरक के रूप में नील हरित काई का उत्पादन कृषि विज्ञान केंद्र लखनपुर, कृषि महाविद्यालय कटघोरा, शासकीय उद्यान रोपणी पत्ताड़ी (कोरबा) एवं चिन्हांकित किसानों के खेतों में कराया जा रहा है। वैज्ञानिकों की अनुशंसा के आधार पर इस बार एकीकृत पोषक तत्व प्रबंधन को बढ़ावा दिया जा रहा है। रासायनिक खादों के साथ-साथ जैविक और हरी खाद के संतुलित उपयोग पर जोर है। सहकारी समितियों में पिछले वर्ष की

मांग के आधार पर 80 प्रतिशत यूरिया और 60 प्रतिशत डीएपी का भंडारण कराया जा रहा है। यूरिया की शेष 20 प्रतिशत मात्रा नैनो यूरिया/वैकल्पिक उर्वरकों और डीएपी की शेष 40 प्रतिशत मात्रा नैनो डीएपी/एनपीके के माध्यम से दी जाएगी। प्रशासन ने साफ किया है कि किसी भी किसान को नैनो उर्वरक लेने के लिए बाध्य नहीं किया जाएगा, यह पूरी तरह स्वैच्छिक होगा। कोरबा जिले की सहकारी समितियों में खाद की उपलब्धता की वर्तमान स्थिति इस प्रकार है। सहकारी क्षेत्र के लिए 12 हजार 700 मीट्रिक टन का लक्ष्य निर्धारित है। लक्ष्य के विरुद्ध 7 हजार 132.58 मीट्रिक टन (56.16 प्रतिशत) उर्वरक भंडारित किया जा चुका है। किसान अब तक 1 हजार 129.94 मीट्रिक टन खाद का उठाव कर चुके हैं, जबकि 6,002.64 मीट्रिक टन खाद अभी भी समितियों में शेष है। नैनो तरल उर्वरक का कोरबा जिले में कुल 11 हजार 886 लीटर (6 हजार 842 लीटर नैनो यूरिया और 5 हजार 44 लीटर नैनो डीएपी) का भंडारण किया गया था, जिसमें से 483.50 लीटर का वितरण हो चुका है और 11 हजार 402.50 लीटर स्टॉक में उपलब्ध है। इसके अलावा इच्छुक किसानों को हरी खाद के लिए ढैंचा बीज (8 किग्रा/एकड़) और मूंग बीज (4 किग्रा/एकड़) का वितरण भी किया जा रहा है।

संपादकीय

होर्मुज संकट के बीच बढ़ी ऊर्जा चिंता, विकल्पों की तलाश में भारत की नई रणनीति

होर्मुज जलमार्ग से वैश्विक जरूरत के बीस से पच्चीस प्रतिशत तेल और गैस की आपूर्ति होती है। भारत भी उन देशों में शामिल है, जिनकी खासी निर्भरता वहां से आने वाले ऊर्जा स्रोतों पर है।ईरान पर अमेरिका और इजराइल के साझा हमले के बाद समूचे मध्यपूर्व के इलाके में जैसे जटिल हालात पैदा हुए हैं, उसका स्वाभाविक असर वैश्विक पैमाने पर ऊर्जा की आपूर्ति पर पड़ा। हालांकि जब दोनों पक्षों के बीच चौदह दिनों के युद्धविराम की घोषणा हुई थी, तब उम्मीद जगी थी कि अब शायद ईरान होर्मुज जलमार्ग को भी खोल दे और कच्चे तेल तथा प्राकृतिक गैस की आपूर्ति बहाल हो। मगर उसके बाद ईरान और अमेरिका के बीच हुई शांति वार्ता नाकाम रही और इसी के साथ होर्मुज जलमार्ग की बहाली की उम्मीद एक बार फिर मंद पड़ गई।आज हालत यह है कि पश्चिम एशिया में जारी तनाव और आपूर्ति शृंखला बाधित होने का जिन देशों पर ज्यादा असर पड़ा है, वे अब ऊर्जा के वैकल्पिक स्रोतों पर विचार कर रहे हैं। गौरतलब है कि होर्मुज जलमार्ग बाधित होने के बाद तेल और गैस की व्यापक कमी के बीच प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को मंत्रिपरिषद की बैठक में कहा कि रसोई गैस के विकल्प के रूप में बायोगैस सहित अन्य वैकल्पिक ऊर्जा स्रोतों को हर हाल में बढ़ावा दिया जाए।दरअसल, होर्मुज जलमार्ग से वैश्विक जरूरत के बीस से पच्चीस प्रतिशत तेल और गैस की आपूर्ति होती है। भारत भी उन देशों में शामिल है, जिनकी खासी निर्भरता वहां से आने वाले ऊर्जा स्रोतों पर है। यही वजह है कि ईरान ने जब से होर्मुज जलमार्ग से जहाजों की आवाजाही पर रोक लगाई है और उसके बाद अमेरिका ने नाकाबंदी की, तब से देश घरेलू गैस और पेट्रोल-डीजल की व्यापक कमी का सामना कर रहा है। यों तो इस बीच सरकार ने रूस से तेल खरीद के रास्ते तैयार करने की कोशिश की, लेकिन अमेरिका के रुख की वजह से उसमें भी कई अड़चनें पेश आ रही हैं। ऐसे में फिलहाल सबसे बेहतर उपाय यही है कि दूसरे देशों पर निर्भरता को कम करने के लिए देश में ही वैकल्पिक ऊर्जा स्रोतों का ढांचा तैयार किया जाए। इस लिहाज से देखें तो देश में बायोगैस सहित अन्य ऊर्जा स्रोतों की जमीन मजबूत होती है, तो यह न केवल तात्कालिक स्तर पर समस्या का सामना करने के लिहाज से महत्त्वपूर्ण होगा, बल्कि यह दूरगामी स्तर पर देश के व्यापक हित में होगा।पश्चिम एशिया में एक ओर अमेरिका के रुख तो दूसरी ओर ईरान के जवाबी रवैये की वजह से न केवल भारत, बल्कि दुनिया के बहुत सारे देशों के सामने संकट धीरे-धीरे गहरा रहा है। शायद इसीलिए अंतरराष्ट्रीय ऊर्जा एजेंसी के कार्यकारी निदेशक ने दुनिया को यह चेतावनी दी है कि अगर होर्मुज जलमार्ग पूरी तरह और बिना किसी शर्त के जल्द नहीं खुला, तो दुनिया जल्दी ही 'रेड जोन' में प्रवेश कर सकती है, जहां तेल आपूर्ति सामान्य मांग को भी संभालने में पूरी तरह असमर्थ हो जाएगी।

आज असली परीक्षा इस देश को चलाने वाले शासकों की साख, नीयत और उनके इकबाल की है। जिस समाज में शिक्षा और न्याय केवल एक औपचारिकता बन जाएं, वहां देश का भविष्य केवल एक संयोग बनकर रह जाता है, कोई गौरवशाली नियति नहीं। देश में जब भी किसी परीक्षा का प्रश्नपत्र लीक होता है, तो जांच के आदेश के बाद 'मुख्य साजिशकर्ता की गिरफ्तारी' और 'दोबारा परीक्षा की तारीख' जैसी बातों के शोर-शराबे के पीछे एक ऐसा कड़वा सच छिप जाता है। नीट परीक्षा के इस अंतहीन तमाशे और बार-बार होने वाले प्रश्नपत्र लीक ने भारत में एक नए किस्म के पलायन को जन्म दे दिया है। अब तक देश का युवा डॉक्टर बनने के बाद विदेश जाता था।

पेपर लीक ने तोड़ा छात्रों का भरोसा, अब विदेश जा रहे मेधावी युवा

(मणिमाला शर्मा)

अब इस परीक्षा तंत्र से तंग आकर देश के मेधावी विद्यार्थी बारहवीं पास करते ही भारत छोड़ रहे हैं।

वे एक अनिश्चित और भ्रष्ट दलदल में अपनी उम्र के कीमती साल बर्बाद नहीं करना चाहते। नीट का प्रश्नपत्र लीक होना सिर्फ एक परीक्षा का रद्द होना नहीं है, बल्कि यह देश के उस भरोसे का टूटना है, जो एक विद्यार्थी अपनी व्यवस्था पर करता है। देश के भीतर चिकित्सा व्यवस्था के सुदृढ़ीकरण का दम भरने वाला शासन क्या इस कड़वे सच पर आत्ममंथन करने का साहस दिखाएगा कि उसने अपनी ही नई पीढ़ी को इस कदर बेगाना और विरक्त कर दिया है?

इस चौंकाने वाले पलायन, जनता के आक्रोश और व्यवस्था की गिरती साख को बचाने के लिए 'लोक परीक्षा (अनुचित साधन निवारण) अधिनियम, 2024' पूरे देश में लागू किया गया था। कागज पर यह कानून बेहद सख्त दिखाई देता है, लेकिन सत्ता के गलियारों में बैठे नीति-नियंताओं से यह पूछा जाना जरूरी है कि यह कानून लागू होने के बाद भी क्या परीक्षा माफिया और उन्हें राजनीतिक संरक्षण देने वालों में कोई वास्तविक खौफ पैदा हुआ है? क्या इस तथाकथित कड़े कानून के तहत अब तक किसी एक भी बड़े शिक्षा माफिया, सांठगांठ करने वाले शीर्ष अधिकारियों या प्रश्नपत्र बेचने वाले संगठित गिरोह के सरगना को ऐसी सजा मिली है, जो एक नजीर बन सके?

शिक्षा व्यवस्था में जवाबदेही का अभाव

सच यह है कि जब तक कानून केवल फाइलों की शोभा बढ़ाते हैं, तब तक यह पूरी कवायद केवल एक प्रशासनिक दिखावे और जनता के गुस्से को शांत करने वाला 'प्रायोजित प्रबंधन' ही साबित होती है। परीक्षा प्रणाली को सुरक्षित, आधुनिक और पारदर्शी बनाने के लिए सरकार ने भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन के पूर्व प्रमुख के. राधाकृष्णन की अध्यक्षता में एक उच्च स्तरीय समिति का गठन किया था, जिसने अपनी रिपोर्ट में 101 अत्यंत महत्वपूर्ण सिफारिशें की थीं। मगर विडंबना यह है कि उन सिफारिशों को ठंडे बस्ते के हवाले कर दिया गया। इस तरह की नीतिगत और प्रशासनिक विफलता की सबसे कारुणिक कीमत उस मध्यवर्गीय परिवार को चुकानी पड़ती है, जिसके जीवन का संघर्ष सत्ता के वातानुकूलित कमरों में बैठे हाकिमों को कभी नजर नहीं आता।

उस घर की दहलीज पर कदम रखकर देखा जा सकता है, जहां बेटे या बेटी के कमरे की मेज पर अभी भी आधी खुली हुई किताबें, कलम और कॉपियां हैं, लेकिन आंखों के आगे पसरे घने अंधेरे के कारण पढ़ाई रुक चुकी है। उस मां के भीतर की चीख को सुनना चाहिए, जिसने अपने गहने गिरवी रखकर कोचिंग की मोटी फीस भरी थी और उस पिता के आंसुओं का हिसाब लगाना चाहिए, जिसने अपनी पुश्तैनी जमीन का एक टुकड़ा सिर्फ इसलिए बेच दिया, ताकि उसका बच्चा समाज में सिर उठाकर कह सके कि वह 'डॉक्टर' बनने जा रहा है।

भारत का मेडिकल कोचिंग क्षेत्र स्कूलों को 'डमी' संस्थाओं में बदलकर एक समांतर, अनियंत्रित और शोषक व्यवस्था बन चुका है। ग्यारहवीं और बारहवीं की सामान्य, जीवंत स्कूली जिंदगी को खत्म करके हमने एक पूरी पीढ़ी के सामाजिक और मानसिक विकास की बलि चढ़ा दी है। हमने बच्चों को संवेदनशील इंसान बनाने के बजाय केवल एक 'बहुवैकल्पिक प्रश्नपत्र' को हल करने वाले और रैंक की अंधी दौड़ में दौड़ने वाले रोबोट में तब्दील कर दिया है। सबसे ज्यादा मार उन गरीब और ग्रामीण पृष्ठभूमि की मेधावी छात्राओं पर पड़ती है, जिनकी पढ़ाई रुकने का मतलब सिर्फ एक साल का नुकसान नहीं, बल्कि सामाजिक दबाव में उनकी शादी कर दिए जाने या उनके सपनों का हमेशा के लिए दफन हो जाना होता है।

अगर ऐसा ही चलता रहा, तो वे दिन दूर नहीं, जब इस पूरे संकट का सबसे भयावह, आत्मघाती और दूरगामी असर देश की भावी चिकित्सा व्यवस्था की गुणवत्ता और जन-स्वास्थ्य पर पड़ेगा। जो विद्यार्थी इस मानसिक आघात, व्यवस्था के प्रति उपजे गहरे आक्रोश, अवसाद और 'बिकाऊ तंत्र' के साए में चिकित्सा की पढ़ाई शुरू करेगा, वह भविष्य में मरीजों के प्रति अपना कैसा दृष्टिकोण रखेगा? जब एक पूरी पीढ़ी यह सीखकर बड़ी होगी कि रसूख, पैसा और पहुंच ही अंतिम सत्य हैं, तो उस डॉक्टर से एक 'सहानुभूतिपूर्ण और संवेदनशील मसीहा' बनने की उम्मीद करना ही बेमानी है।

जिसने खुद तंत्र के हाथों आर्थिक और मानसिक शोषण झेला हो, वह डॉक्टर बनने के बाद सबसे पहले अपनी उस पूंजी और उस प्रताड़ना का ब्याज वसूलने की कोशिश करेगा। यह चक्र देश के स्वास्थ्य ढांचे को पूरी तरह से संवेदनहीन, अनैतिक और व्यावसायिक बनाने की ओर धकेलेगा, जिसकी अंतिम परिणति गरीब मरीजों की मौत और बर्बादी में होगी। यह ढांचा अपने आप में गहरी क्षेत्रीय और आर्थिक असमानता पैदा करता है। अमीर और साधन-संपन्न परिवारों के बच्चे महंगे कोचिंग संस्थानों में पढ़कर मुकाम हासिल कर लेते हैं, जबकि ग्रामीण और गरीब पृष्ठभूमि का मेधावी विद्यार्थी शुरुआत से ही इस दौड़ में पिछड़ जाता है।

इसलिए समाधान भी अब सतही या तात्कालिक नहीं हो सकते। असली काम परीक्षा प्रणाली को तकनीकी रूप से अभेद्य बनाना है। एक ही परीक्षा पर देश की निर्भरता को कम करने के लिए साल में अनेक प्रयास और बारहवीं के अंकों के वैकल्पिक मूल्यांकन जैसे विकल्पों पर नीतिगत स्तर पर गंभीरता से विचार करना होगा। साथ ही, राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी को वर्तमान ढांचे से मुक्त कर संसद के अधीन एक स्वायत्त और पूरी तरह जवाबदेह संस्था बनाना होगा, जैसा कि देश के कई शिक्षाविद मांग कर रहे हैं। आज असली परीक्षा इस देश को चलाने वाले शासकों की साख, नीयत और उनके इकबाल की है। जिस समाज में शिक्षा और न्याय केवल एक औपचारिकता बन जाएं, वहां देश का भविष्य केवल एक संयोग बनकर रह जाता है, कोई गौरवशाली नियति नहीं। (यह लेखक के अपने विचार हैं)।

राजस्थान में चंदन की खेती किसानों और पर्यावरण के लिए नई उम्मीद

(अरुणा व्यास)

चंदन के पेड़ न केवल आर्थिक रूप से, बल्कि पर्यावरणीय दृष्टि से भी एक टिकाऊ विकल्प हैं। ग्रामीण रोजगार के अवसर इससे तेजी से बढ़ सकते हैं, बशर्ते कि सुनियोजित रूप से चंदन के पेड़ लगाने की दिशा में कार्य हो। राजस्थान के बांसवाड़ा में झांतलिया और उदयपुर के बांकी एवं सिरोही के जनापुर में चंदन वन विकसित करने तथा ऐसे ही दूसरे जिलों में भी संभावनाएं तलाशने की पहल महत्त्वपूर्ण है। राजस्थान के इन क्षेत्रों में चंदन वन विकसित करने का निर्णय लेते हुए यहां पर तीस हजार से अधिक पौधे लगाने और उनकी कड़ी सुरक्षा के लिए बाड़बंदी के भी निर्देश दिए गए हैं।

वैज्ञानिक तरीके से चंदन के पेड़ों का रोपण, अच्छी गुणवत्ता वाले पौधों का चयन, स्थानीय सुरक्षा तंत्र बनाने और बाड़बंदी के साथ सिंचाई के कारगर तरीके यदि अपनाए जाते हैं, तो यह किसानों की आर्थिक समृद्धि के साथ ही राजस्थान में पर्यावरण संरक्षण की दिशा में भी बड़ी पहल साबित होगी।

गौरतलब है कि चंदन के 90 प्रतिशत पेड़ इस समय कर्नाटक और तमिलनाडु में हैं। कर्नाटक के मैसूर और शिमोगा में चंदन के सर्वाधिक वृक्ष हैं। मगर पिछले कुछ समय के दौरान चंदन के पेड़ लगाने की संभावनाएं महाराष्ट्र, गुजरात, मध्यप्रदेश और केरल में भी तलाशी गई हैं और वहां चंदन के वन सफलतापूर्वक विकसित भी हुए हैं। वहीं पश्चिमी राजस्थान के कुछ क्षेत्रों में भी चंदन के पेड़ उगाने में सफलता मिली है।

चंदन के पेड़ न केवल आर्थिक रूप से, बल्कि पर्यावरणीय दृष्टि से भी एक टिकाऊ विकल्प हैं। ग्रामीण रोजगार के अवसर इससे तेजी से बढ़ सकते हैं, बशर्ते कि सुनियोजित रूप से चंदन के पेड़ लगाने की दिशा में कार्य हो। असल में चंदन के पेड़ वहीं लगते हैं जहां जलवायु उष्णकटिबंधीय हो और जहां लाल-रेतीली मिट्टी हो तथा उन्हें विकास के लिए नीम एवं अमलतास का सहारा मिले। चंदन के पेड़ अच्छी धूप, कम से मध्यम वर्षा और 15 से 30 डिग्री के बीच तापमान वाले स्थानों में सबसे अच्छी तरह बढ़ते हैं। इस दृष्टि से राजस्थान के बांसवाड़ा, बाड़मेर, उदयपुर और सिरोही जिलों में चंदन के पेड़ लगाने की अपार संभावनाएं हैं। यहां इन पेड़ों के लिए तापमान और जलवायु अनुकूल है। चूंकि सफेद चंदन गर्म और शुष्क जलवायु वाले क्षेत्रों में पनपता है, इस दृष्टि से पश्चिमी राजस्थान के कुछ इलाके चंदन की खेती के लिए सर्वथा उपयुक्त हैं। चंदन के पेड़ों के साथ दूसरे पेड़ों का सहारा जरूरी है। इस लिहाज से राजस्थान में नीम और करोंदा जैसे पेड़ काफी हैं।

उदयपुर में भी कई स्थानों पर चंदन के पेड़ हैं। उनके पनपने का वैज्ञानिक अध्ययन कर यदि दूसरे स्थानों पर भी इसकी संभावनाएं तलाशी जाती हैं और सही तकनीक से पेड़ उगाने की पहल होती है, तो भविष्य में बहुत अच्छे परिणाम आ सकते हैं। इसी के साथ राजस्थान में कृषि, अर्थव्यवस्था और पर्यावरण में सकारात्मक बदलाव आ सकते हैं। चंदन का एक पेड़ 12 से 15 वर्ष में बड़ा होता है। इससे आसानी से लाखों रुपए की वार्षिक आय प्राप्त की जा सकती है।

राजस्थान में चंदन के पेड़ लगाने की संभावनाएं तलाशना इस दृष्टि से भी महत्त्वपूर्ण है कि इससे यहां के शुष्क क्षेत्रों में मिट्टी की उर्वरता बढ़ाने के साथ रेगिस्तान के फैलाव को रोका जा सकता है। चंदन के पेड़ पर्यावरण के अनुकूल होते हैं। ये हवा को शुद्ध करते हैं। हालांकि यह कम पानी में उग सकता है, लेकिन प्रारंभिक वर्षों में गर्मी के मौसम में इसे 'ड्रिप सिंचाई' की आवश्यकता होती है। अलवर, भरतपुर, उदयपुर, बांसवाड़ा और सिरोही जैसे जिलों में चंदन की खेती की काफी अच्छी संभावनाएं हैं। सही वैज्ञानिक प्रबंधन और सुनियोजित रूप में इसे उगाने की दिशा में कार्य हो, तो राजस्थान के लिए चंदन की खेती भविष्य में वरदान साबित हो सकती है। बाड़मेर जिले में अमरूद, अनार, आंवला और नीम के पेड़ों की छाया में चंदन की खेती का कुछ स्तरों पर सफल प्रयास हुआ भी है। चंदन की खेती से जुड़े विशेषज्ञों के अनुसार चंदन के पेड़ों को लगभग 700 से 800 मिलीमीटर वर्षा की आवश्यकता होती है, जबकि राजस्थान के शुष्क क्षेत्रों में प्रायः 400 से 500 मिलीमीटर से कम वर्षा होती है। मगर इस वर्षा के साथ यदि सिंचाई की प्रभावी व्यवस्था की जाए, तो ग्रीष्म और शीत ऋतु में चंदन के पेड़ राजस्थान के कम वर्षा वाले क्षेत्रों में भी जीवित रह सकते हैं। चंदन अर्ध-जड़ परजीवी है। इसे पोषक तत्त्व प्राप्त करने के लिए मेजबान पौधों की आवश्यकता होती है। इनके बिना इसका विकास नहीं हो पाता। ये पौधे इसलिए भी जरूरी होते हैं कि इनसे चंदन का वृक्ष गर्म हवाओं और विपरीत जलवायु से बचा रहता है। इसके लिए नीम, अमलतास और दूसरे पौधे लगाए जा सकते हैं। रूप में उभर रही है। इस दृष्टि से राजस्थान के बाड़मेर, उदयपुर, सिरोही और बांसवाड़ा में इसकी खेती को बढ़ावा देने के लिए साझा प्रयासों से चंदन के पेड़ लगाने की पहल महत्त्वपूर्ण है। जलवायु परिवर्तन के कारण शुष्क क्षेत्रों में पारंपरिक खेती इस समय घाटे का सौदा हो रही है। ऐसे में चंदन की खेती राजस्थान जैसे क्षेत्र में पानी की कमी और अधिक तापमान की चुनौतियों का सामना करते हुए भी किसानों को बेहतर लाभ देने वाली एक हरित संपदा बन सकती है। (यह लेखक के अपने विचार हैं)।

प्रधानमंत्री के रूप में श्रीनरेंद्र मोदी के बारह वर्ष : बिना अवकाश लिये निरंतर कार्य करने का कीर्तिमान

आत्मशक्ति और आंतरिक ऊर्जा जागरण से ही संभव

रमेश शर्मा

प्रधानमंत्री के रूप में श्रीनरेंद्र मोदी अपने कार्यकाल के बारह वर्ष पूरे करने जा रहे हैं। उनका यह कार्यकाल कार्यशैली, नीति निर्णयों की विशिष्टता से ही नहीं कीर्तिमानों और नवाचारों से भरा है। ऐसे नवाचार जिनकी चर्चा वैश्विक स्तर पर हुई। बिना कोई अवकाश लिये निरन्तर सोलह से अठारह घंटे काम करने वाले संसार के अकेले राजनेता हैं उनकी यह विशेषता उन्हें एक विशिष्ट प्रज्ञा पुरुष की पंक्ति में प्रतिष्ठित करती है।

श्रीनरेंद्र मोदी इससे पहले गुजरात प्रांत के मुख्यमंत्री रहे। सत्ता प्रमुख रहते हुये इन दोनों कार्य दायित्व की कुल अवधि चौबीस वर्ष से अधिक हो रही है। उन्होंने इतनी लंबी अवधि तक सत्ता का नेतृत्व करने का भी कीर्तिमान बनाया है। उनके नाम यह कीर्तिमान 22 मार्च 2026 को अंकित हो गया। तब उन्होंने सत्ता प्रमुख के रूप में 8931 दिन पूरे किये थे। उनसे पहले सबसे अधिक सत्ता प्रमुख रहने का कीर्तिमान सिक्किम के पूर्व मुख्यमंत्री श्रीपवन कुमार चिमलिंग के नाम था। वे 8930 दिनों तक लगातार सत्ता प्रमुख रहे थे। जिसे मोदीजी ने पीछे छोड़ दिया है। और वे निरन्तर आगे बढ़ रहे हैं। भारत में सबसे अधिक दिन सत्ता का नेतृत्व करने के इस कीर्तिमान के साथ

श्रीनरेंद्र मोदी ने एक ऐसा कीर्तिमान स्थापित किया है जिसकी चर्चा पूरे विश्व में हो रही है। वे संसार के एकमात्र ऐसे राजनेता हैं जिन्होंने अपने पद दायित्व की इतनी लंबी अवधि में कोई अवकाश नहीं लिया। न उन्होंने गुजरात के मुख्यमंत्री रहते कोई अवकाश लिया था और न अब प्रधानमंत्री रहते हुये कोई अवकाश लिया। उनकी विदेश यात्राएँ भी भारत राष्ट्र के हितों के उद्देश्य पूर्ति केलिये हुई हैं। पिछले दिनों सूचना के अधिकार के अंतर्गत मांगी गई जानकारी के उत्तर में यह तथ्य सामने आया। जिसकी चर्चा संपूर्ण विश्व के मीडिया जगत में हुई। बिना कोई अवकाश लिये निरन्तर कार्य करने की उनकी क्षमता की एक और विशेषता है। वह है प्रतिदिन अधिकतम समय तक कार्य करने की। वे प्रतिदिन अधिक घंटों तक कार्य करने वाले विश्व के अकेले राजनेता हैं। सामाजिक, सांस्कृतिक, प्रशासनिक, अथवा सार्वजनिक कार्यों में वे प्रतिदिन सोलह से अठारह घंटे तक व्यस्त रहकर मोदीजी 24×7 सक्रिय रहने के लिए प्रसिद्ध हैं।

उनके पद दायित्व के इन दोनों कीर्तिमानों में उनके नवाचार भी अनूठे हैं। वे अपने साहस, क्षमता, दृढ़ता, दूरदृष्टि और भारत राष्ट्र के सांस्कृतिक मूल्यों की पुनर्प्रतिष्ठा केलिये भी जाने जाते हैं। वे अपने सिद्धांतों से कभी समझौता नहीं करते और न लक्ष्य से कभी विचलित होते हैं। उनका व्यक्तित्व असाधारण है इसलिये उनके कार्य और कार्यशैली भी असाधारण है। असाधारण कार्यों के लिये प्रकृति सदैव असाधारण व्यक्तित्व को ही निमित्त बनाती है। भारतीय वाङ्मय में वैदिक ऋषियों की दिनचर्या पढ़ने को मिलती है। ऋषियों के आठों प्रहर सतत सक्रियता में व्यतीत होते थे। पूरा जीवन साधना, अध्ययन, मनन, चिंतन, नूतन अनुसंधान और समाज निर्माण केलिये बौद्धिक प्रबोधनों में बीतता था। ऋषि परंपरा के अनुरूप ही लेखन प्रवचन का जो विशाल भंडार स्वामी दयानंद सरस्वती और स्वामी विवेकानंद का उपलब्ध है वह भी अद्वितीय है। इन सबका चिंतन और कार्य असाधारण हैं। यह जिज्ञासा होना स्वाभाविक हो कि सीमित आयु सीमा में यह कैसे संभव होता है। असाधारण कार्य करने वाले व्यक्तित्व भी असाधारण होते हैं। जिन्हें प्रकृति विशिष्ठ कार्यों का निमित्त बनाती है।

ऋषि परंपरा से लेकर स्वामी विवेकानंद इस असाधारण कार्यशैली की झलक भारत के प्रधानमंत्री श्रीनरेंद्र मोदी की कार्यशैली और कार्यक्षमता में मिलती है। मोदीजी की दिनचर्या, संकल्पशीलता, ध्येयनिष्ठा, दूरदर्शी चिंतन, सत्य पर अडिगता और निरन्तरता असाधारण है। उन्होंने कुछ ऐसे नवाचार किये, कीर्तिमान बनाये जिसकी कल्पना किसी को नहीं थी। बालपन से लेकर वर्तमान काल तक श्रीनरेंद्र मोदी के कार्य और कार्यशैली दोनों विशिष्ट रहे। वे जहाँ भी रहे, उनके हाथ में जो काम रहा वहाँ उन्होंने एक नये इतिहास की रचना की है। उनकी कार्यशैली की तीन बड़ी विशेषताएँ हैं पहली वे संकल्प सुनिश्चित कर अपनी यात्रा आरंभ करते हैं। दूसरी यह कि वे किसी भी आलोचना और राजनैतिक हमले से विचलित नहीं होते। और तीसरी सामने आई चुनौती को स्वीकार करते हैं। गुजरात के मुख्यमंत्री पद दायित्व से लेकर भारत के प्रधानमंत्री के रूप में उनकी कार्यशैली में ये तीनों विशिष्टताएँ बहुत स्पष्ट रहीं हैं। श्रीनरेंद्र मोदी के व्यक्तित्व की एक विशेषता यह भी है कि वे अपने ऊपर फेके गये पत्थरों की चुनौती स्वीकार करते हैं और उन्हीं से अपनी सुरक्षा दीवार पर भी बनाते हैं। मोदीजी ने दिसम्बर 2022 में गुजरात के मुख्यमंत्री के रूप में पद दायित्व संभाला था। तब से आज तक उन पर जितने राजनैतिक हमले हुये उतने किसी राजनेता पर नहीं। ऐसे हमले केवल भारत में ही नहीं हुये अपितु दुनियाँ के कयी देशों में उनके विरुद्ध योजनापूर्वक वातावरण बनाया गया। इस आलोचना के दबाव में ही एक बार अमेरिका ने उनका बीजा निरस्त कर दिया था। उन दिनों मोदीजी गुजरात के मुख्यमंत्री थे। उन्होंने अमेरिका की इस पर कार्यवाही पर कोई प्रतिक्रिया नहीं दी लेकिन इसे एक चुनौती के रूप में स्वीकारा और जब वे प्रधानमंत्री बने, अमेरिका के आमंत्रण पर अमेरिका गये तो उनके सम्मान में व्हाइट हॉउस में 'डिनर' का आयोजन किया गया। अमेरिका के इतिहास में यह व्हाइट ह्यउस का सबसे भव्य डिनर था। इसकी सबसे बड़ी विशेषता यह थी कि यह पूर्ण शाकाहारी था, मांस मदिरा तो दूर अण्डे तक नहीं थे।

मोदीजी ने सामाजिक, राजनैतिक, सांस्कृतिक और प्रशासनिक निर्णयों के नवाचार में भी कुछऐसे कीर्तिमान बनाये हैं जिन्हें तोड़ना आने वाले किसी राजनेता के लिये संभव नहीं लगता। उन्होंने वर्ष 2014 में संसद की सीढ़ियों को प्रणाम करके अपना संसदीय जीवन आरंभ किया था। स्वतंत्रता के इतिहास में सांसद की सीढ़ियों को प्रणाम करके संसद में प्रवेश करने वाले वे पहले राजनेता हैं। मोदीजी देश के पहले ऐसे प्रधानमंत्री हैं जिनका जन्म स्वतंत्र भारत में हुआ। उनसे पहले भारत के सभी प्रधानमंत्रियों का जन्म स्वतंत्रता के पूर्व हुआ था। वे देश के पहले ऐसे प्रधानमंत्री हैं जिन्होंने पद दायित्व संभालने से पहले भारत के अधिकांश जिला केन्द्रों की यात्रा कर ली थी। इसीलिये उनके निर्णयों भारत की विविधता, विशेषता और व्यापकता की झलक रहती है। मोदीजी देश के पहले ऐसे गैर कांग्रेसी प्रधानमंत्री हैं जिनके नेतृत्व में लगातार तीन बार बहुमत मिला और सरकार बनी। उनके प्रधानमंत्रित्व कार्यकाल में कुछ ऐसे निर्णय भी हुये जिनकी किसी को कल्पना नहीं, ये कार्य एक प्रकार से किसी स्वप्न के आकार लेने जैसे हैं इनमें कश्मीर से धारा 370 की समाप्ति, राम जन्मस्थान अयोध्या में रामजी की प्राण प्रतिष्ठा होना, पाकिस्तान के विरुद्ध सर्जिकल स्ट्राइक, आपरेशन सिंदूर जिसमें पाकिस्तान में घुसकर आतंकवादी ढेर किये, कोरोना महामारी में स्वदेशी वैक्सीन का निर्माण, निशुल्क टीकाकरण, स्वदेशी रक्षा उत्पादन में आत्मनिर्भरता, डिजीटल इंफ्रास्ट्रक्चर, पड़ौसी देशों से धार्मिक आधार पर प्रताड़ित नागरिकों को भारत में शरण देने का कानून बनाना, किसान सम्मान निधि, उज्जवला योजना, जनधन योजना, स्वदेशी उत्पाद को प्राथमिकता, महिला, युवा किसान और गरीब कल्याण की योजनाओं के साथ बिना किसी भेदभाव के 'सबका साथ सबका विकास' का संकल्प लेकर भारत की अर्थ व्यवस्था का उन्नयन। वे इसी राह पर आगे बढ़ रहे हैं। मोदीजी की दृढ़ता का इतना बड़ा उदाहरण विश्व में कहीं मिलेगा कि अमेरिकी टैरिफ धमकी के बाद भी भारत अपनी नीतियों पर अडिग रहा और अमेरिका को झुकना पड़ा। मोदीजी जो कदम उठाते हैं दूरदृष्टि के साथ उठाते हैं। नारी सम्मान की दिशा में महिला आरक्षण विधेयक पर विचार केलिये भले अप्रैल 2026 में संसद का विशेष सत्र बुलाया गया लेकिन इसका लक्ष्य उन्होंने बहुत पहले सुनिश्चित कर लिया था। संसद के नये भवन निर्माण का आकार इसे ध्यान रखकर ही तैयार किया गया था। इस भवन की नींव 2020 में रखी गई थी। मोदीजी ने अपने सार्वजनिक जीवन की यात्रा भारत राष्ट्र के परम् वैभव का स्वप्न संजोकर आरंभ की थी। वे इसे कभी नहीं भूले। भारत को परम् वैभव के स्थान पर प्रतिष्ठित करने केलिये उन्होंने वर्ष 2047 का लक्ष्य निर्धारित किया है। इस दिशा भारत अभी विश्व की चौथी अर्थ शक्ति के स्थान पर पहुँचा है और तीसरे क्रम पर आने के समीप है। आशा की जा रही है कि वर्ष 2035 तक भारत विश्व की प्रथम अर्थ शक्ति बनेगा और वर्ष 2047 तक विश्व का सर्वश्रेष्ठ राष्ट्र।

मरघट भूमि पर कब्जे की शिकायत सही मिली, प्रशासन ने कराया सीमांकन

तहसीलदार ने 10 दिन में अतिक्रमण हटाने के दिए निर्देश, गोंडवाना समाज ने जताया आभार

कोण्डागांव। पूर्वजों के सार्वजनिक श्मशान घाट (मरघट) की भूमि पर अतिक्रमण और फ्लाई ऐश प्लांट से जुड़े मामले में प्रशासन ने कार्रवाई शुरू कर दी है। शनिवार को तहसीलदार माकड़ी के निर्देश पर राजस्व एवं पुलिस अमले की मौजूदगी में विवादित भूमि का सीमांकन कराया गया। सीमांकन के दौरान शिकायतकर्ताओं द्वारा लगाए गए आरोप सही पाए गए। जांच में सार्वजनिक मरघट भूमि पर अतिक्रमण की पुष्टि होने के बाद तहसीलदार ने मौके पर ही अनावेदक को 10 दिनों के भीतर कब्जा हटाने के निर्देश दिए। गौरतलब है कि छत्तीसगढ़ सर्व आदिवासी समाज जिला गोंडवाना समाज ने

25 मई को एसडीएम कोण्डागांव एवं तहसीलदार माकड़ी को ज्ञापन सौंपकर मां संतोषी फ्यूल्स एचपी पेट्रोल पंप के पीछे स्थित पूर्वजों के सार्वजनिक मरघट पर अतिक्रमण की शिकायत की थी। समाज का आरोप था कि वर्षों पुराने दफन स्थल और पूर्वजों के मठों पर मिट्टी डालकर ईंट निर्माण मशीन स्थापित कर दी गई है, जिससे अंतिम संस्कार और दफन प्रक्रिया प्रभावित हो रही है। समाज की महिला प्रकोष्ठ ब्लॉक अध्यक्ष रुक्मणी नेताम ने प्रशासन की कार्रवाई पर संतोष व्यक्त करते हुए कहा कि शिकायत के बाद सीमांकन कराया गया है। अब उम्मीद है कि निर्धारित समय-सीमा के भीतर अतिक्रमण भी हटा दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि यदि कब्जा नहीं हटाया गया तो समाज आगे वैधानिक कार्रवाई की मांग करेगा। गोंडवाना समाज के जिला अध्यक्ष पनकुराम ने कहा कि यह केवल भूमि का नहीं, बल्कि समाज की आस्था, परंपरा और पूर्वजों से जुड़े पवित्र स्थल का मामला है। समाज लंबे समय से मरघट भूमि को कब्जामुक्त कराने की मांग कर रहा था। सीमांकन के बाद अब अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई का इंतजार है। सीमांकन के दौरान गायता संतराम पोयाम, माटी पुजारी गुड़राम पोयाम सहित बड़ी संख्या में सामाजिकजन उपस्थित रहे।

कलेक्टर विश्वदीप ने सेवानिवृत्त दो प्रधान पाठकों को दी आत्मीय विदाई

बीजापुर। सेवानिवृत्त हुए प्रधान पाठक संजय कुमार कोटे एवं कावटी गोपाल को जिला कार्यालय में कलेक्टर विश्वदीप ने आत्मीय विदाई दी। इस अवसर पर कलेक्टर विश्वदीन ने दोनो प्रधान पाठकों की दीर्घकालीन एवं कुशलतापूर्ण सेवाकाल की सराहना करते हुए उनके आगामी जीवन के लिए उत्तम स्वास्थ्य, सुख-समृद्धि एवं दीर्घायु जीवन की कामना की। उन्होंने सेवानिवृत्त प्रधान पाठकों को पेंशन प्रमाण पत्र भी भेंट किया। कार्यक्रम में जिला कोषालय अधिकारी महावीर प्रसाद टंडन जिला शिक्षा अधिकारी लखनलाल धनेलिया सहित अन्य अधिकारी गण मौजूद थे।

भविष्य के शिल्पकारों की परीक्षा शुरू डीएलएड परीक्षार्थियों में उत्साह

दंतेवाड़ा। छत्तीसगढ़ माध्यमिक शिक्षा मंडल द्वारा आयोजित डीएलएड (डिप्लोमा इन एलीमेंट्री एजुकेशन) परीक्षा जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान (डाइट) दंतेवाड़ा में प्रारंभ हो गई है। यह परीक्षा 28 मई से 12 जून 2026 तक आयोजित की जा रही है, जिसमें कुल 181 नियमित छात्र अध्यापक शामिल हो रहे हैं। वहीं 29 मई से द्वितीय वर्ष की परीक्षा भी शुरू हो गई है। परीक्षा की निष्पक्षता एवं सुचारू संचालन सुनिश्चित करने के लिए जिला प्रशासन और माध्यमिक शिक्षा मंडल द्वारा विशेष व्यवस्थाएं की गई हैं। जिला कलेक्टर के निर्देशानुसार उड़नदस्ता दल का गठन किया गया है तथा प्रश्नपत्रों के सुरक्षित परिवहन के लिए परिवहन अधिकारी की नियुक्ति की गई है। पहली बार प्रश्नपत्र पेटियों पर 'वन टाइम लॉक' टैग की व्यवस्था लागू की गई है। इसके तहत प्रश्नपत्रों को स्ट्रांग रूम से परीक्षा केंद्र तक सुरक्षित पहुंचाने के बाद निर्धारित समय पर टैग काटकर ही प्रश्नपत्र निकाले जा रहे हैं। केंद्राध्यक्ष संदीप सामंत ने बताया कि डीएलएड प्रशिक्षण के दौरान छात्राध्यापक विभिन्न चयनित अभ्यास शालाओं में शाला अनुभव कार्यक्रम के अंतर्गत अध्यापन की बारीकियां सीखते हैं तथा शिक्षण कौशल विकसित करते हैं। इसके अलावा संस्थान में कला शिक्षा, कार्य शिक्षा एवं अन्य प्रायोगिक गतिविधियों के माध्यम से भी उन्हें प्रशिक्षित किया जाता है। प्रशिक्षण के उपरांत लिखित परीक्षा आयोजित की जाती है। उन्होंने बताया कि परीक्षा में प्रथम वर्ष के 96 तथा द्वितीय वर्ष के 85 नियमित छात्र अध्यापक शामिल हो रहे हैं। इसके अतिरिक्त 12 पूरक परीक्षार्थी भी परीक्षा दे रहे हैं। परीक्षा केंद्र में शांतिपूर्ण एवं अनुशासित वातावरण में परीक्षा संपन्न हो रही है। परीक्षार्थियों ने प्रश्नपत्रों को समझ एवं विश्लेषण आधारित बताया। द्वितीय वर्ष की छात्राध्यापिका मेघारानी ने कहा कि प्रश्न तार्किक सोच और विषय की गहन समझ को परखने वाले थे। वहीं छात्राध्यापक कृति गुप्ता, भूपेंद्र कौशिक, मोनेश चंद्राकर, उषा सिन्हा, कृतिका मंडावी और पुरुषोत्तम कोर्राम ने बताया कि आर्थिक एवं सामाजिक विषमता को समाप्त करने में शिक्षा की भूमिका तथा शिक्षकीय कार्य के लिए योग्यता एवं प्रशिक्षण की आवश्यकता जैसे विश्लेषणात्मक प्रश्न भावी शिक्षकों में चिंतनशील दृष्टिकोण विकसित करने में सहायक हैं। परीक्षा संचालन के दौरान प्राचार्य शैलेश कुमार सिंह, वरिष्ठ व्याख्याता पी.एल. साहू एवं संतोष कुमार मिश्र द्वारा सतत निरीक्षण किया जा रहा है। वहीं कार्यालयीन कर्मचारी मुकेश साहू, जे.के. बघेल, गोपाल, ईश्वर तथा सहायक केंद्राध्यक्ष राजीव कुमार मिश्रा परीक्षा व्यवस्था में सक्रिय सहयोग प्रदान कर रहे हैं। उड़नदस्ता दल की सदस्य कोकिला ठाकुर ने भी परीक्षा केंद्र का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। डीएलएड परीक्षा के माध्यम से भविष्य के शिक्षकों की शैक्षणिक क्षमता और प्रशिक्षण का मूल्यांकन किया जा रहा है।

लिहागांव लेम्प्स से 154 बोरी शासकीय खाद चोरी का खुलासा, ओडिशा के तीन आरोपी गिरफ्तार

कोण्डागांव। विश्रामपुरी पुलिस ने आदिम जाति सेवा सहकारी समिति मर्यादित लिहागांव (लेम्प्स) के खाद गोदाम से शासकीय उर्वरक खाद चोरी के मामले का खुलासा करते हुए ओडिशा के तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से चोरी की गई 154 बोरी खाद भी बरामद कर ली है। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार 21 मई को आदिम जाति सेवा सहकारी समिति मर्यादित लिहागांव के प्रबंधक अनुप कुमार निषाद ने थाना विश्रामपुरी में रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि 17 मई की रात से 18 मई की सुबह के बीच अज्ञात चोरों ने खाद गोदाम के शटर का ताला तोड़कर अंदर रखी 95 बोरी डीएपी एवं 61 बोरी यूरिया खाद चोरी कर ली। चोरी गई खाद की कुल कीमत 1 लाख 44 हजार 506 रुपए 50 पैसे आंकी गई थी। शिकायत पर पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू की। पुलिस अधीक्षक पंकज चंद्रा के निर्देशन, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक कपिल चंद्रा के मार्गदर्शन तथा पुलिस अनुविभागीय अधिकारी अरुण नेताम के पर्यवेक्षण में थाना प्रभारी

शंकरलाल ध्रुव के नेतृत्व में टीम गठित कर आरोपियों की तलाश शुरू की गई। जांच के दौरान पुलिस को सूचना मिली कि ओडिशा के नवरंगपुर जिले के ग्राम किबेकोंगा में कुछ लोगों के पास बड़ी मात्रा में संदिग्ध खाद रखी हुई है। सूचना के आधार पर पुलिस टीम ने ग्राम किबेकोंगा पहुंचकर प्रेमलाल गोंड़ (25 वर्ष), संतु गोंड़ (22 वर्ष) और प्रेमलाल गोंड़ (23 वर्ष) को हिरासत में लेकर पूछताछ की। पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि उन्होंने रात के समय खाद गोदाम के शटर में लगे ताले को लोहे के धारदार कटर से काटा और शटर खोलकर गोदाम में प्रवेश किया। इसके बाद पिकअप वाहन क्रमांक ओडी-24-के-4191 में दो बार खाद लोड कर 95 बोरी डीएपी और 61 बोरी यूरिया खाद चोरी कर ओडिशा ले गए थे। आरोपियों की निशानदेही पर पुलिस ने चोरी की गई कुल 154 बोरी शासकीय उर्वरक खाद बरामद कर ली। मामले में पर्याप्त साक्ष्य मिलने के बाद पुलिस ने तीनों आरोपियों को 30 मई को गिरफ्तार कर वैधानिक कार्रवाई की। पूरी कार्रवाई में थाना प्रभारी निरीक्षक शंकरलाल ध्रुव, उपनिरीक्षक अभिराम मेश्राम, प्रधान आरक्षक देवार्चन सिदार, प्रधान आरक्षक कमलेश्वर जुर्री, आरक्षक जागेश मंडावी, तुलाराम नेताम, गौतम मरकाम, महिला आरक्षक ललीता मरकाम तथा सुमन नेताम की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

सहयोग चौपाल से सुलझा मिरमिंडा का विवाद दो गुटों में बंटे ग्रामीणों में बनी सहमति

कोण्डागांव। पुलिस अधीक्षक पंकज चंद्रा की पहल पर शुरू किए गए सहयोग चौपाल के माध्यम से ग्राम मिरमिंडा में लंबे समय से चल रहे सामाजिक विवाद का निराकरण किया गया। गांव में दो पक्षों के बीच मतभेद के कारण स्थिति संवेदनशील बनी हुई थी, जिसे पुलिस और प्रशासन की संयुक्त पहल से सुलझाया गया। पुलिस के अनुसार सहयोग चौपाल अभियान के तहत ग्रामीणों की छोटी-छोटी समस्याओं और विवादों का गांव स्तर पर ही निराकरण किया जा रहा है। इस पहल का उद्देश्य प्रशासन और आमजन के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करना तथा लोगों को विभागीय कार्यालयों के चक्कर लगाने से राहत दिलाना है। अभियान के तहत सीमांकन विवाद, आपसी मनमुटाव, मुआवजा संबंधी मामले, छोटे विवाद और विधिक परामर्श जैसे विषयों पर समाधान किया जा रहा है। इसी क्रम में ग्राम मिरमिंडा में गांडा समाज के लोगों ने आवेदन देकर आरोप लगाया था कि गांव के अन्य लोगों द्वारा उन्हें सामाजिक रूप से बहिष्कृत किया जा रहा है तथा उनके घरों में आना-जाना बंद कर दिया गया है। मामले की

गंभीरता को देखते हुए गांव में सहयोग चौपाल का आयोजन किया गया। थाना प्रभारी माकड़ी ज्ञानेंद्र सिंह चौहान और तहसीलदार माकड़ी अंकुर रात्रे के नेतृत्व में आयोजित चौपाल में दोनों पक्षों को आमंत्रित कर उनकी बात सुनी गई। अधिकारियों ने आपसी भाईचारा, सामाजिक समरसता और सहभागिता के साथ मिल-जुलकर रहने की समझाइश दी। चर्चा के बाद दोनों पक्षों ने आपसी सहमति से विवाद समाप्त करने पर सहमति जताई, जिसके बाद पंचनामा तैयार किया गया। पुलिस का कहना है कि सहयोग चौपाल अभियान जिलेभर में लगातार जारी रहेगा और जनसहयोग से लोगों की समस्याओं एवं विवादों का त्वरित निराकरण करने का प्रयास किया जाएगा।

कोत्तापल्ली व्यपवर्तन योजना हेतु भूमि अधिग्रहण पर 4 जून को जनसुनवाई

बीजापुर। भूमि अर्जन, पुनर्वासन एवं पुनर्व्यवस्थापन में उचित प्रतिकार तथा पारदर्शिता का अधिकार अधिनियम, 2013 के तहत भोपालपटनम तहसील के ग्राम कोत्तापल्ली में प्रस्तावित भूमि अधिग्रहण के संबंध में सामाजिक प्रभाव आकलन अध्ययन हेतु जनसुनवाई का आयोजन 4 जून 2026 को प्रातः 11 बजे ग्राम कोत्तापल्ली में किया जाएगा। अधिसूचना के अनुसार कोमटपल्ली (कोक्कमपल्ली) व्यपवर्तन योजना के अंतर्गत मुख्य नहर, माइनर एवं सब माइनर नहर से प्रभावित किसानों की भूमि अर्जित की जानी है। इसके लिए ग्राम कोत्तापल्ली में कुल 2.317 हेक्टेयर भूमि का अधिग्रहण प्रस्तावित है। परियोजना से प्रत्यक्ष रूप से 30 परिवार प्रभावित होंगे, जबकि अप्रत्यक्ष रूप से प्रभावित परिवारों की संख्या शून्य बताई गई है। परियोजना की अनुमानित लागत 774.57 लाख रुपये है तथा सामाजिक प्रभावों की प्रतिपूर्ति के लिए 5 लाख रुपये का प्रावधान किया गया है। योजना पूर्ण होने पर ग्राम कोत्तापल्ली, उरकपल्ले, कोगुपल्ली एवं पामगल क्षेत्र में लगभग 300 हेक्टेयर भूमि को सिंचाई सुविधा उपलब्ध होगी। कलेक्टर एवं जिला भूमि अर्जन अधिकारी ने संबंधित व्यक्तियों, संस्थाओं एवं ग्रामीणों से अपील की है कि भूमि अधिग्रहण के संबंध में यदि कोई सुझाव या जानकारी देना चाहते हैं तो निर्धारित तिथि, समय एवं स्थान पर आयोजित जनसुनवाई में उपस्थित होकर अपने विचार प्रस्तुत करें।

इमली प्रोसेसिंग केंद्र पहुँचीं महिला आयोग सदस्य दीपिका सोरी

सुकमा। जिला मुख्यालय के कुम्हारास स्थित इमली प्रोसेसिंग केंद्र में उस समय उत्साह का माहौल देखने को मिला, जब राज्य महिला आयोग की सदस्य दीपिका सोरी ने शनिवार को वहाँ का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने यूनिट का बारीकी से जायजा लिया और वहाँ काम कर रही 30 से अधिक स्व सहायता समूह की महिलाओं से सीधे संवाद किया। सोरी ने महिलाओं का हौसला बढ़ाते हुए उन्हें केंद्र और राज्य सरकार द्वारा चलाई जा रही विभिन्न जनकल्याणकारी और स्वरोजगार योजनाओं की विस्तृत जानकारी दी, ताकि वे इन योजनाओं का अधिक से अधिक लाभ उठा सकें। निरीक्षण के दौरान महिलाओं ने आयोग सदस्य सोरी से अपने अनुभवों को साझा करते हुए बताया कि यह इमली प्रसंस्करण यूनिट उनके जीवन में एक बड़ा संबल बनकर उभरी है। यहाँ काम करने से उन्हें हर महीने एक निश्चित और सम्मानजनक आर्थिक सहायता राशि मिल रही है, जिसने उन्हें आर्थिक रूप से सशक्त बना दिया है। कभी दूसरों पर निर्भर रहने वाली ये महिलाएं आज खुद के पैरों पर खड़ी हैं और अपने परिवार के पालन-पोषण में बराबरी का योगदान दे रही हैं। इस अवसर पर महिला आयोग सदस्य दीपिका

सोरी ने कहा कि इमली प्रसंस्करण यूनिट से जुड़कर महिलाओं के जीवन में सकारात्मक परिवर्तन आया है। अब वे न सिर्फ आत्मनिर्भर हो रही हैं, बल्कि समाज में सम्मान के साथ जीवनयापन भी कर रही हैं। इस दौरान स्वावलंबन की राह पर आगे बढ़ रहीं इन महिलाओं ने देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के प्रति विशेष रूप से आभार व्यक्त किया। महिलाओं ने खुशी जाहिर करते हुए कहा कि दोनों सरकारों के दूरदर्शी प्रयासों और रोजगारपरक नीतियों के कारण ही आज बस्तर की ग्रामीण महिलाओं को घर के पास ही आजीविका मिल रही है, जिससे वे सच्चे मायनों में आत्मनिर्भर और सशक्त हो रही हैं।

बांस सुधार कार्य में मजदूरी भुगतान लंबित, 5 माह से श्रमिकों की रोजी-रोटी पर संकट

ग्रमजदूरी भुगतान नहीं होने से परेशान ग्रामीण

कोंटा। परिक्षेत्र गोलापल्ली के रायगुड़ा बीट अंतर्गत सीमावर्ती क्षेत्र में प्राकृतिक बांस भिर्रों के संरक्षण एवं संवर्धन के लिए बांस सुधार कार्य कराया गया था। इस योजना का उद्देश्य स्थानीय ग्रामीणों को रोजगार उपलब्ध कराना तथा पुराने और घने बांस झुरमुटों की सफाई कर नए बांस के विकास को बढ़ावा देना था। कार्य के तहत सूखी, कटी-फटी एवं अनुपयोगी बांस के टहनियों को हटाने के साथ-साथ बांस भिर्रों के चारों ओर मिट्टी की खुदाई एवं नई मिट्टी चढ़ाने का कार्य किया गया।

रायगुड़ा बीट के बीट गार्ड उत्तम हलधर के पैर में गंभीर चोट लगने के कारण उक्त कार्य का संचालन सोमालगुड़ा के बीट गार्ड किच्चे महेश की निगरानी में कराया गया। मजदूरी भुगतान के संबंध में जानकारी लेने के लिए मेट प्रतिदिन फोन संपर्क करने की प्रयास करते हैं, लेकिन उन्होंने फोन उठाना तक उचित नहीं समझते। बताया जा रहा है कि यह कार्य तत्कालीन रेंजर के कार्यकाल में कराया गया था। वर्तमान में पदस्थ रेंजर मिनेंद्र सिंह को भी मेट द्वारा मामले की जानकारी दी गई है। इस संबंध में रेंजर मिनेंद्र सिंह ने कहा कि मैं अभी नया हूं मुझे इसकी बारे जानकारी नहीं है, भुगतान मामले को लेकर नवीन रेंजर गंभीर नहीं है यह उनके रवैये से पता चलता है।

कार्य लगभग 25 दिनों तक चला, जिसमें स्थानीय ग्रामीणों के साथ-साथ बाहरी मजदूरों को भी रोजगार दिया गया। मजदूरों को प्रतिदिन 500 रुपये मजदूरी देने का आश्वासन दिया गया था। जानकारी के अनुसार कुल 683 मजदूरी, जिनमें 315 मजदूरी स्थानीय ग्रामीणों तथा 368 मजदूरी बाहरी मजदूरों द्वारा की गई। पंचायत मुंडागढ़ के ग्राम कोलेंग निवासी मजदूर मनीराम नाग का कहना है कि उन्हें 500 रुपए प्रतिदिन की दर से मजदूरी का भुगतान किया गया है, लेकिन अब स्थानीय ग्रामीणों को 500 रुपए के बजाय 400 रुपये प्रतिदिन देने की चर्चा चल रही है। इसे लेकर ग्रामीणों में नाराजगी और असमंजस की स्थिति बनी हुई है। ग्रामीणों का कहना है कि जब कार्य शुरू कराया गया था, तब सभी मजदूरों को 500 रुपये प्रतिदिन मजदूरी देने का आश्वासन दिया गया था, इसलिए भुगतान भी उसी दर से किया जाना चाहिए।

मेट सुन्नम मंगा का कहना है कि वे लगातार जिम्मेदार अधिकारियों से मजदूरों की लंबित मजदूरी भुगतान के संबंध में पूछ रहे हैं। अधिकारियों द्वारा हर बार भुगतान कराने का आश्वासन दिया जाता है, लेकिन अब तक कोई ठोस पहल नहीं हुई है। उन्होंने कहा कि मजदूरों के भुगतान को लेकर कोई भी गंभीर नजर नहीं आ रहा है। दूसरी ओर मजदूरी नहीं मिलने से ग्रामीण लगातार उनसे जवाब मांग रहे हैं और भुगतान के लिए दबाव बना रहे हैं, जिससे उन्हें भी कठिन परिस्थितियों का सामना करना पड़ रहा है।

ग्रामीणों का आरोप है कि कार्य समाप्त हुए लगभग पांच माह बीत चुके हैं, लेकिन आज तक स्थानीय श्रमिकों को मजदूरी राशि का भुगतान नहीं किया गया है। मजदूरों की निगरानी के लिए नियुक्त मेट को जिम्मेदार द्वारा नगद भुगतान कराने का आश्वासन दिया गया था, लेकिन अभी तक भुगतान ना करने से नाराज ग्रामीण लगातार मेट पर ही दबाव बना रहे हैं और अपनी मजदूरी की मांग कर रहे हैं। आखिर कब तक हमारी मजदूरी भुगतान होगी। सरकार द्वारा संचालित रोजगारमूलक योजनाओं का उद्देश्य ग्रामीणों को स्थानीय स्तर पर रोजगार उपलब्ध कराकर मजदूरी के लिए बाहर पलायन को रोकना तथा उनकी रोजी-रोटी सुनिश्चित करना है। बांस सुधार कार्य भी इसी उद्देश्य के तहत कराया गया था, ताकि क्षेत्र के लोगों को अपने गांव के आसपास ही रोजगार मिल सके।इस कार्य में बड़ी संख्या में बाहरी मजदूरों को लगाए जाने तथा उन्हें नगद भुगतान किए जाने की चर्चा कई सवाल खड़े कर रही है। ग्रामीणों का कहना है कि अधिकांश शासकीय योजनाओं में मजदूरी का भुगतान सीधे बैंक खातों के माध्यम से किया जाता है, ऐसे में बाहरी मजदूरों को नगद भुगतान कैसे किया गया, यह जांच का विषय है। वहीं जब योजना का मूल उद्देश्य स्थानीय लोगों को रोजगार उपलब्ध कराना था, तो बाहरी जिले के मजदूरों को बड़ी संख्या में कार्य पर क्यों लगाया गया और स्थानीय श्रमिकों की मजदूरी अब तक लंबित क्यों है, इसे लेकर भी ग्रामीणों में नाराजगी है तथा पूरे मामले की निष्पक्ष जांच की मांग उठने लगी है।

संक्षिप्त समाचार

पर्यावरण संरक्षण के साथ ही साथ जल संरक्षण पर भी विशेष ध्यान, बिलासपुर मंडल की अभिनव पहल

बिलासपुर। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के बिलासपुर मंडल द्वारा विश्व पर्यावरण दिवस अभियान-2026 (15 मई से 5 जून 2026) के अंतर्गत पर्यावरण संरक्षण, स्वच्छता एवं सतत विकास को प्रोत्साहित करने हेतु विविध जन-जागरूकता कार्यक्रमों का आयोजन निरंतर किया जा रहा है। इसी क्रम में 31 मई एवं 01 जून 2026 को जल संरक्षण एवं वर्षा जल संचयन विषयक विशेष अभियान संचालित किया गया। मंडल के सभी विभागों के समन्वित प्रयासों से रेलवे स्टेशनों, रेलवे कॉलोनियों, कार्यालयों, विद्यालयों तथा अन्य रेलवे परिसरों में जल संरक्षण के महत्व को रेखांकित करते हुए व्यापक जागरूकता गतिविधियाँ आयोजित की गईं। अभियान के दौरान पोस्टर, बैनर, जनघोषणाओं तथा प्रत्यक्ष संवाद के माध्यम से यात्रियों, कर्मचारियों एवं आमजनों को जल के संरक्षण, उसके विवेकपूर्ण उपयोग तथा जल अपव्यय रोकने के उपायों के प्रति जागरूक किया गया। मंडल के रेलवे विद्यालयों में विद्यार्थियों को जल संकट की बढ़ती चुनौतियों, भू-जल स्तर में गिरावट तथा वर्षा जल संचयन के विषय में जानकारी देकर विद्यार्थियों को दैनिक जीवन में जल बचत के सरल एवं प्रभावी उपाय अपनाने के लिए प्रेरित किया गया 7 अभियान के अंतर्गत रेलवे परिसरों में स्थापित वर्षा जल संचयन संरचनाओं रिचार्ज पिट, रूफटॉप हार्वेस्टिंग सिस्टम एवं जल भंडारण सुविधाओं का निरीक्षण भी किया गया। निरीक्षण के दौरान इन संरचनाओं की कार्यशीलता, रखरखाव एवं परिचालन व्यवस्था की समीक्षा कर उनकी प्रभावी उपयोगिता सुनिश्चित की गई। इसके साथ ही यात्रियों को उपलब्ध कराए जा रहे पानी की शुद्धता भी जाँची गई ।

पांच साल तक पुलिस को देता रहा चकमा, हत्या की साजिश में हथियार सप्लाई करने वाला आरोपी ओडिशा से गिरफ्तार

बिलासपुर। हत्या की साजिश रचने वाले गिरोह को हथियार उपलब्ध कराने के आरोप में वर्षों से फरार चल रहे आरोपी को आखिरकार पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। करीब पांच साल तक गिरफ्तारी से बचता रहा आरोपी ओडिशा में छिपकर रह रहा था, जहां से पुलिस ने उसे दबोच लिया। पुलिस के अनुसार मामला वर्ष 2021 का है, जब सरकंडा क्षेत्र में गश्त के दौरान मिली सूचना के आधार पर पुलिस ने कुछ युवकों को गंभीर अपराध की योजना बनाते हुए पकड़ा था। पूछताछ में खुलासा हुआ था कि पुरानी रंजिश के चलते एक व्यक्ति की हत्या की साजिश रची जा रही थी। जांच में सामने आया कि वारदात को अंजाम देने के लिए आरोपियों ने अवैध हथियारों की व्यवस्था भी कर ली थी। पुलिस ने कार्रवाई के दौरान देशी कट्टा और कारतूस बरामद किए थे। मामले में शामिल अन्य आरोपियों को उसी समय गिरफ्तार कर लिया गया था, लेकिन हथियार उपलब्ध कराने वाला आरोपी कुंदन सागर उर्फ कुंदन शा फरार हो गया था। लंबे समय तक उसकी तलाश जारी रही। कई राज्यों में संभावित ठिकानों पर दबिश देने के बावजूद पुलिस को सफलता नहीं मिल रही थी। हाल ही में मिली गोपनीय सूचना के आधार पर पुलिस टीम ने ओडिशा के सुंदरगढ़ जिले के राजगंगपुर क्षेत्र में छापा मारा और आरोपी को गिरफ्तार कर लिया।

निगम के 6 वार्डों में होंगे 01 करोड़ 08 लाख रू. के नये विकास कार्य

कोरबा । नगर पालिक निगम कोरबा के सर्वमंगला नगर जोनांतर्गत वार्ड क्र. 61, 64 तथा दर्री जोनांतर्गत वार्ड क्र. 52, 53, 54 एवं 58 में 01 करोड़ 08 लाख रूपये के नये विकास कार्य कराये जायेंगे, प्रदेश के उद्योग, वाणिज्य, श्रम, आबकारी व सार्वजनिक उपक्रम मंत्री श्री लखनलाल देवांगन के मुख्य आतिथ्य तथा महापौर श्रीमती संजूदेवी राजपूत की अध्यक्षता में आयोजित पृथक-पृथक भूमिपूजन कार्यक्रमों के दौरान इन सभी विकास कार्यों का भूमिपूजन उनके करकमलों से किया गया। नगर पालिक निगम कोरबा द्वारा सर्वमंगलानगर जोनांतर्गत वार्ड क्र. 61 बरमपुर बीच बस्ती ट्रांसफार्मर के पास से नदी तक 20 लाख रूपये की लागत से नाली एवं कलवर्ट का निर्माण कार्य, वार्ड क्र. 61 बरमपुर में चैतु मंझवार के खेत के पास से नदी तक 20 लाख रूपये की लागत से नाली एवं कलवर्ट निर्माण तथा वार्ड क्र. 64 इमलीछापर स्थित रामनगर कंचन कंवर के घर से राजेश सोनवानी घर होते हुये नदी तक 11 लाख 50 हजार रूपये की लागत से सी.सी. रोड का निर्माण कार्य कराया जाना हैं।

गनियारी जिला स्तरीय समाधान शिविर में जल संरक्षण, जैविक खेती और नशामुक्ति का दिया गया संदेश

सुशासन तिहार से शासन और जनता के बीच विश्वास का संबंध हुआ मजबूत

बिलासपुर। सुशासन तिहार के तहत आज तखतपुर विकासखंड के ग्राम गनियारी में जिला स्तरीय समाधान शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में क्षेत्रीय विधायक श्री धर्मजीत सिंह मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। इस अवसर पर जनपद पंचायत अध्यक्ष श्रीमती माधवी वस्त्रकार, जिला पंचायत सभापति श्रीमती भारती माली, कलेक्टर श्री संजय अग्रवाल, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक श्री रजनेश सिंह, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत श्री संदीप अग्रवाल, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्रीमती मधुलिका सिंह, एसडीएम श्री नितिन तिवारी, श्री संतोष कौशिक सहित जनप्रतिनिधिगण, अधिकारी-कर्मचारी एवं बड़ी संख्या में ग्रामीणजन उपस्थित थे। आज शिविर में कुल 683 आवेदन प्राप्त हुए। मुख्य अतिथि विधायक श्री धर्मजीत सिंह ने अपने संबोधन में कहा कि सुशासन तिहार शासन की संवेदनशीलता, पारदर्शिता और जवाबदेही का प्रतीक बनकर उभरा है। इस अभियान के माध्यम से शासन स्वयं गांव-गांव पहुंचकर लोगों की समस्याएं सुन रहा है और उनका त्वरित निराकरण सुनिश्चित कर रहा है। उन्होंने कहा कि शासन और जनता के बीच संवाद जितना मजबूत होगा, विकास की गति उतनी ही तेज होगी। सुशासन तिहार ने शासन और जनता के बीच विश्वास का संबंध और अधिक मजबूत किया है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में प्रदेश सरकार आमजन की समस्याओं के समाधान और योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने ग्रामीणों से शासन की योजनाओं का अधिकाधिक लाभ लेने, बच्चों की शिक्षा पर विशेष ध्यान देने तथा गांव के विकास कार्यों में सक्रिय सहभागिता निभाने का आह्वान किया। जनपद पंचायत अध्यक्ष श्रीमती माधवी वस्त्रकार ने कहा कि सुशासन तिहार ग्रामीणों को शासन से सीधे जोड़ने का प्रभावी माध्यम बना है। इससे लोगों की समस्याओं का समाधान स्थानीय स्तर पर हो रहा है और शासन की योजनाओं का लाभ पात्र हितग्राहियों तक पहुंच रहा है। उन्होंने ग्रामीणों से विकास कार्यों में सहभागिता निभाने की अपील की। जिला पंचायत सदस्य श्रीमती भारती माली ने कहा कि शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ समाज के प्रत्येक वर्ग तक पहुंचाने के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि गांवों के विकास में जनभागीदारी की महत्वपूर्ण भूमिका है। ग्रामीणों के सहयोग से ही विकास कार्यों को स्थायित्व मिलता है। उन्होंने महिलाओं, युवाओं और किसानों से शासन की योजनाओं का लाभ लेकर आत्मनिर्भर बनने तथा अपने गांव को स्वच्छ, समृद्ध और विकसित बनाने में योगदान देने का आह्वान किया। कलेक्टर श्री संजय अग्रवाल ने अपने संबोधन में जल संरक्षण और पर्यावरण संरक्षण को वर्तमान समय की सबसे बड़ी आवश्यकता बताते हुए कहा कि पानी की प्रत्येक बूंद को बचाने के लिए सामूहिक प्रयास जरूरी हैं। उन्होंने कहा कि गनियारी में इंजेक्शन वेल निर्मित किया जा रहा है, जो भू-जल संवर्धन की दिशा में एक अभिनव पहल है। उन्होंने ग्रामीणों से श्रमदान के माध्यम से सोखता गड्ढे बनाने और वर्षा जल संरक्षण के लिए आगे आने की अपील की। कलेक्टर ने किसानों से रासायनिक उर्वरकों के स्थान पर जैविक खाद के उपयोग को बढ़ावा देने तथा नैनो यूरिया एवं नैनो डीएपी के इस्तेमाल को अपनाने का आग्रह किया।

मोर गांव, मोर तरिया अभियान से संवर रहे गांव, जल संरक्षण को मिल रही नई ताकत

बिलासपुर। शासन की सर्वोच्च प्राथमिकता वाले जल संरक्षण एवं संवर्धन कार्यों के तहत जिले में मोर गांव, मोर तरिया अभियान को तेजी से अमलीजामा पहनाया जा रहा है। इसी कड़ी में जनपद पंचायत मस्तूरी की ग्राम पंचायत बोहारडीह में नवीन तरिया निर्माण कार्य प्रगति पर है। कार्य को मानसून पूर्व पूर्ण करने के लिए विशेष कार्ययोजना के अनुसार तेजी से निर्माण कराया जा रहा ताकि वर्षा जल का अधिकतम संचयन सुनिश्चित किया जा सके। जिले में मोर गांव, मोर तरिया योजना के अंतर्गत 38 नवीन तरिया निर्माण कार्यों को स्वीकृति प्रदान की गई है। सभी स्वीकृत कार्यों में तेजी से काम कराया जा रहा है, जिससे आने वाले वर्षाकाल में जल संरक्षण की मजबूत व्यवस्था विकसित हो सके। इन तरियों के निर्माण से भू-जल स्तर को बढ़ावा मिलेगा, सिंचाई और पशुओं के लिए जल उपलब्धता सुनिश्चित होगी तथा ग्रामीण क्षेत्रों में जल संकट की समस्या के समाधान में मदद मिलेगी। निर्माण कार्यों में बड़ी संख्या में ग्रामीण श्रमिकों को रोजगार उपलब्ध कराया जा रहा है। इससे एक ओर गांवों में स्थायी परिसंपत्तियों का निर्माण हो रहा है, वहीं दूसरी ओर श्रमिकों को स्थानीय स्तर पर रोजगार प्राप्त होने से उनकी आर्थिक स्थिति भी सुदृढ़ हो रही है। प्रशासन द्वारा कार्यों की सतत मॉनिटरिंग की जा रही है ताकि सभी निर्माण कार्य गुणवत्ता के साथ समय-सीमा में पूर्ण हो सकें। कलेक्टर श्री संजय अग्रवाल के मार्गदर्शन में जिले में जल संरक्षण को जनआंदोलन का स्वरूप देने के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। मोर गांव, मोर तरिया के माध्यम से गांवों में जल संरचनाओं का विस्तार करते हुए जल सुरक्षा की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाए जा रहे हैं, जो आने वाले वर्षों में ग्रामीण विकास और पर्यावरण संरक्षण की मजबूत नींव साबित होंगे।

बिना टिकट एवं अनियमित यात्रा पर बिलासपुर मंडल का सख्त पहरा

बिलासपुर। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के बिलासपुर मंडल द्वारा यात्रियों को सुरक्षित, सुव्यवस्थित एवं बेहतर रेल यात्रा सुविधा उपलब्ध कराने तथा बिना टिकट एवं अनियमित यात्रा पर प्रभावी नियंत्रण स्थापित करने के उद्देश्य से विशेष नाका टिकट चेकिंग अभियान निरंतर चलाया जा रहा है। इसी क्रम में दिनाँक 31 मई 2026 को बिलासपुर स्टेशन पर वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक श्री अनुराग कुमार सिंह के मार्गदर्शन एवं सहायक वाणिज्य प्रबंधक श्री डी.एस. चौहान के नेतृत्व में विशेष नाका टिकट चेकिंग अभियान चलाया गया। जिसमें वाणिज्य निरीक्षक, मुख्य टिकट निरीक्षक टीटीई एवं आरपीएफ स्टाफ भी शामिल थे। स्टेशन के विभिन्न प्रवेश एवं निकास द्वारों, प्लेटफार्मों तथा ट्रेनों में व्यापक स्तर पर जांच की गई, जिससे बिना टिकट अथवा अनियमित रूप से यात्रा करने वाले यात्रियों की प्रभावी पहचान सुनिश्चित हो सके। अभियान के दौरान बिलासपुर स्टेशन तथा यहां से होकर गुजरने वाली 20 ट्रेनों में सघन टिकट जांच की गई 7 जांच के दौरान कुल 539 मामलों में कुल 3 लाख 63 हजार 15 रुपये का जुर्माना वसूला गया। जिसमें बिना टिकट यात्रा के 376 मामलों में 2 लाख 80 हजार 220 रुपये, अनियमित टिकट के154 मामलों से 81 हजार 895 रुपये एवं बिना बुक किए गए लगेज के 09 मामलों से 900 रुपये जुर्माने की वसूली किया गया । अभियान के दौरान यात्रियों को स्वच्छता एवं जन-जागरूकता संबंधी संदेश भी दिए गए। उन्हें स्टेशन परिसर एवं ट्रेनों में स्वच्छता बनाए रखने, गंदगी न फैलाने, उचित टिकट लेकर यात्रा करने, बिना बुक सामान लेकर यात्रा न करने तथा रेलवे के नियमों एवं निर्देशों का पालन करने के लिए प्रेरित किया गया।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव के निर्देशों पर सख्ती किसानों के हित में खाद की कालाबाजारी पर प्रहार किया

- अवैध भंडारण पर कृषि विभाग की बड़ी कार्रवाई, 368 बोरी उर्वरक जब्त
- बिना अनुमति गोदाम में रखा गया उर्वरक सीलबंद, नोटिस जारी

बिलासपुर। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के निर्देशानुसार किसानों को खाद-बीज की सुचारु उपलब्धता सुनिश्चित करने तथा कालाबाजारी, जमाखोरी एवं अनियमितताओं पर प्रभावी नियंत्रण के लिए जिले में लगातार सख्त कार्रवाई की जा रही है। मुख्यमंत्री ने स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि किसानों को किसी भी प्रकार की परेशानी न हो और कृषि आदानों की उपलब्धता में बाधा उत्पन्न करने वाले तत्वों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई की जाए। इसी क्रम में कलेक्टर संजय अग्रवाल के निर्देश पर उप संचालक कृषि पी.डी. हथेश्वर के मार्गदर्शन में कृषि विभाग की उड़नदस्ता टीम द्वारा जिलेभर में सघन निरीक्षण अभियान चलाया जा रहा है। जिले में अब तक 91 से अधिक निजी एवं सहकारी उर्वरक विक्रय केंद्रों का औचक निरीक्षण किया जा चुका है। निरीक्षण अभियान के दौरान ग्राम सेंदरी में उर्वरक के अवैध भंडारण की सूचना प्राप्त होने पर कृषि विभाग ने तत्काल संज्ञान लेते हुए छापामार कार्रवाई की। विकासखंड बिल्हा के ग्राम सेंदरी में कृषि विभाग की संयुक्त टीम ने मेसर्स बंसल फर्टिलाइजर के सेंदरी एवं लोफंदी स्थित प्रतिष्ठान तथा गोदामों का निरीक्षण किया। जांच के दौरान 368 बोरी उर्वरक ऐसे स्थान पर भंडारित पाया गया, जो संस्था के लाइसेंस में दर्ज अधिकृत गोदामों में शामिल नहीं था। संस्था द्वारा बिना वैधानिक अनुमति के अतिरिक्त किराये के स्थल पर उर्वरक का भंडारण किया जाना पाया गया। अधिकारियों द्वारा मौके पर दस्तावेजों एवं लाइसेंस संबंधी अभिलेखों की जांच की गई, किंतु संतोषजनक जवाब प्रस्तुत नहीं किए जाने पर संबंधित उर्वरक को अवैध भंडारण मानते हुए जब्त कर सीलबंद कर दिया गया। जब्त उर्वरक को संबंधित संस्था की अभिरक्षा में सुपुर्द किया गया है। प्रारंभिक जांच में उर्वरक (नियंत्रण) आदेश, 1985 की धारा-7 के उल्लंघन का मामला पाए जाने पर उर्वरक निरीक्षक एवं प्रभारी वरिष्ठ कृषि विकास अधिकारी श्री आर.एस. गौतम द्वारा संबंधित संस्था को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया है।

नक्सलवाद के विरुद्ध निर्णायक सफलता मोदी सरकार की मजबूत इच्छाशक्ति का परिणाम: अग्रवाल

बिलासपुर। वरिष्ठ भाजपा नेता एवं विधायक अमर अग्रवाल ने नक्सलमुक्त छत्तीसगढ़ : एक नई शुरुआत विषय पर आयोजित फेसबुक लाइव संवाद में कहा कि छत्तीसगढ़, विशेषकर बस्तर क्षेत्र, लंबे समय तक नक्सली हिंसा से प्रभावित रहा, लेकिन आज सुरक्षा, विकास और जनविश्वास के बल पर परिस्थितियां तेजी से बदल रही हैं। अमर अग्रवाल ने कहा कि केंद्रीय गृह मंत्री श्री अमित शाह ने संसद में स्पष्ट कहा है कि बस्तर में नक्सलवाद लगभग समाप्त हो चुका है और क्षेत्र अब विकास की नई दिशा में आगे बढ़ रहा है। उन्होंने यह भी कहा कि देश को नक्सलवाद से मुक्त करने के लिए केंद्र सरकार ने निर्णायक रणनीति के साथ कार्य किया है और नक्सली संगठनों के शीर्ष ढांचे को गंभीर क्षति पहुंची है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार ने नक्सलवाद को केवल कानून-व्यवस्था की समस्या मानकर नहीं, बल्कि विकास और विश्वास के दृष्टिकोण से भी समाधान करने का कार्य किया। सड़क, बिजली, मोबाइल नेटवर्क, शिक्षा, स्वास्थ्य और रोजगार जैसी सुविधाओं को दूरस्थ क्षेत्रों तक पहुंचाने के कारण आज बस्तर में सकारात्मक बदलाव दिखाई दे रहा है। अमर अग्रवाल ने कहा कि एक समय था जब नक्सलियों ने बस्तर में भय और हिंसा का वातावरण बना दिया था। विकास कार्य बाधित होते थे, आम नागरिक असुरक्षित महसूस करते थे और युवाओं का भविष्य अंधकारमय होता जा रहा था। लेकिन भाजपा सरकार की स्पष्ट नीति, सुरक्षा बलों के पराक्रम और स्थानीय जनता के सहयोग से आज हालात पूरी तरह बदल रहे हैं। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार द्वारा चलाए गए अभियानों, नए सुरक्षा कैंपों की स्थापना, स्थानीय युवाओं की भागीदारी, आत्मसमर्पण एवं पुनर्वास नीति तथा आधुनिक सुरक्षा रणनीतियों ने नक्सली नेटवर्क को कमजोर किया है। बड़ी संख्या में नक्सलियों ने आत्मसमर्पण कर मुख्यधारा का रास्ता अपनाया है। अमर अग्रवाल ने कहा कि भाजपा सरकार ने हमेशा आदिवासी समाज के विकास, सम्मान और अधिकारों को प्राथमिकता दी है। आज बस्तर में विकास कार्यों की जो गति दिखाई दे रही है, वह इसी प्रतिबद्धता का परिणाम है। उन्होंने सुरक्षा बलों, छत्तीसगढ़ पुलिस, डीआरजी, एसटीएफ, बस्तर फाइटर्स तथा स्थानीय नागरिकों के योगदान की सराहना करते हुए कहा कि उनके साहस, समर्पण और बलिदान के कारण ही छत्तीसगढ़ नक्सलमुक्ति की दिशा में ऐतिहासिक सफलता प्राप्त कर रहा है। अमर अग्रवाल ने विश्वास व्यक्त किया कि आने वाले समय में बस्तर शांति, विकास और समृद्धि का नया प्रतीक बनेगा तथा छत्तीसगढ़ पूरे देश के सामने सुशासन और विकास का उदाहरण प्रस्तुत करेगा।

'मन की बात' में गूंजी मल्हार की ऐतिहासिक धरोहर प्रधानमंत्री ने किया दुर्लभ ताम्र-पट्टिकाओं का उल्लेख

- मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने कहा-यह छत्तीसगढ़ की सांस्कृतिक चेतना और गौरवशाली इतिहास का राष्ट्रीय सम्मान

बिलासपुर। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने आज प्रसारित अपने लोकप्रिय कार्यक्रम 'मन की बात' में बिलासपुर जिले के ऐतिहासिक नगर मल्हार में ज्ञान भारतम् अभियान के तहत प्राप्त दुर्लभ ताम्र-पट्टिकाओं का उल्लेख कर छत्तीसगढ़ की समृद्ध ऐतिहासिक विरासत को राष्ट्रीय मंच पर नई पहचान दिलाई। प्रधानमंत्री द्वारा इस महत्वपूर्ण खोज का उल्लेख किए जाने पर मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए इसे प्रदेश के लिए गौरव का विषय बताया है। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि लगभग 1400 से 1500 वर्ष पुरानी मानी जा रही ये ताम्र-पट्टिकाएं पांडुवंशी शासनकाल, विशेषकर महर्षि बालार्जुन के कालखंड से संबंधित महत्वपूर्ण ऐतिहासिक साक्ष्य हैं। प्राचीन ब्राह्मी लिपि और पाली भाषा में अंकित ये अभिलेख तत्कालीन शासन व्यवस्था, सामाजिक जीवन, धार्मिक परंपराओं और सांस्कृतिक मूल्यों की अमूल्य जानकारी प्रदान करते हैं। उन्होंने कहा कि यह खोज छत्तीसगढ़ की गौरवशाली ऐतिहासिक परंपरा का सशक्त प्रमाण है। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार प्रदेश की ऐतिहासिक, सांस्कृतिक एवं पुरातात्विक धरोहरों के संरक्षण, संवर्धन और शोध कार्यों को बढ़ावा देने के लिए प्रतिबद्ध है। मल्हार में प्राप्त यह धरोहर केवल एक पुरातात्विक उपलब्धि नहीं, बल्कि हमारी सांस्कृतिक स्मृति और ऐतिहासिक चेतना को समृद्ध करने वाला महत्वपूर्ण अध्याय है। इससे आने वाली पीढ़ियों को अपने गौरवशाली अतीत को जानने और समझने का अवसर मिलेगा। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री द्वारा राष्ट्रीय मंच से ऐसी उपलब्धियों का उल्लेख किए जाने से विरासत संरक्षण के प्रति समाज में जागरूकता बढ़ती है तथा ऐतिहासिक धरोहरों के प्रति सम्मान की भावना और मजबूत होती है। आज का 'मन की बात' कार्यक्रम इस बात का प्रमाण है कि नया भारत अपनी संस्कृति, विरासत, प्रतिभा, खेल और नवाचार सभी क्षेत्रों को समान महत्व देते हुए आगे बढ़ रहा है। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि मल्हार की ऐतिहासिक धरोहर भारत के गौरवशाली अतीत की कहानी दुनिया के सामने रख रही है। यह छत्तीसगढ़ के लिए उपलब्धि है, जो पूरे प्रदेश में आत्मगौरव, प्रेरणा और नई ऊर्जा का संचार करने वाली है। कलेक्टर श्री संजय अग्रवाल ने कहा कि प्रधानमंत्री द्वारा 'मन की बात' में मल्हार की ऐतिहासिक खोज का उल्लेख किया जाना बिलासपुर जिले के लिए अत्यंत गौरव और सम्मान का विषय है। उन्होंने कहा कि ज्ञान भारतम् अभियान के माध्यम से जिले में ऐतिहासिक पांडुलिपियों, अभिलेखों और पुरातात्विक धरोहरों के संरक्षण एवं दस्तावेजीकरण का कार्य लगातार किया जा रहा है। मल्हार में प्राप्त ताम्र-पट्टिकाएं न केवल क्षेत्र के प्राचीन इतिहास को नई रोशनी में प्रस्तुत करेंगी।

जून 2026 में पड़ रहे हैं ये बड़े व्रत-त्योहार

जून 2026 का महीना आध्यात्मिक ऊर्जा और भक्ति से भरपूर रहने वाला है। यह महीना बेहद खास है। पंचांग के अनुसार, इस बार का महीना धार्मिक दृष्टिकोण से बेहद शुभ फलदायी माना जा रहा है। महीने की शुरुआत से ही कई महत्वपूर्ण व्रत आ रहे हैं, जो न केवल मन की शांति देंगे बल्कि जीवन में सकारात्मक बदलाव भी लाएंगे।आइए जानते हैं इस महीने के प्रमुख व्रत और उनके सही मुहूर्त। देखें पूरे महीने के धार्मिक आयोजनों का विस्तृत कैलेंडर।

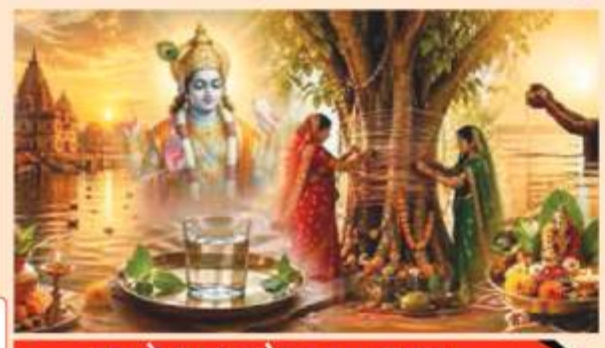

जून के प्रमुख त्योहार इस प्रकार :-

3 जून 2026 विभुवन संकष्टी.
7 जून 2026 अधिक भानु सप्तमी.
8 जून 2026 अधिक कालाष्टमी, अधिक मासिक कृष्ण जन्माष्टमी.
11 जून 2026 परम एकादशी.
12 जून 2026 परम एकादशी पारण, अधिक कृष्ण रामलक्ष्मण द्वादशी, शुक्र प्रदोष व्रत.
13 जून 2026 मासिक कार्तिगाई, अधिक मासिक शिवरात्रि.
14 जून 2026 रोहिणी व्रत, अधिक दर्श अमावस्या.
15 जून 2026 ज्येष्ठ अधिक मास समाप्त, मिथुन संक्रान्ति, ज्येष्ठ अधिक अमावस्या.
18 जून 2026 प्रद्युम्न चतुर्थी.
19 जून 2026 स्कन्द षष्ठी.
20 जून 2026 जमाई षष्ठी.
21 जून 2026 भानु सप्तमी.
22 जून 2026 धूमावती जयन्ती, मासिक दुर्गाष्टमी.
23 जून 2026 महेश नवमी.
25 जून 2026 गायत्री जयन्ती, निर्जला एकादशी.
26 जून 2026 निर्जला एकादशी पारण, रामलक्ष्मण द्वादशी.
27 जून 2026 शनि त्रयोदशी, शनि प्रदोष व्रत.
29 जून 2026 वट पूर्णिमा व्रत, कबीरदास जयन्ती, बटुक भैरवी जयन्ती, ज्येष्ठ पूर्णिमा व्रत.
30 जून 2026 आषाढ़ प्रारम्भ.

पीपल पेड़ की पूजा और कुछ विशेष उपाय

शनिवार का दिन न्याय और कर्म के देवता शनिदेव को समर्पित है। इस दिन पीपल पेड़ की पूजा और कुछ विशेष उपाय करने से शनि देव प्रसन्न होते हैं और जीवन की कई परेशानियां दूर हो जाती हैं। मान्यता है कि शनिवार को पीपल का स्पर्श और पूजा करने से सभी कार्य सिद्ध होते हैं और ग्रहों से उत्पन्न कष्ट भी कम होते हैं।

शनिवार को पीपल पूजा का महत्व

पीपल को शनि देव का प्रिय वृक्ष माना जाता है। शनिवार के दिन पीपल की पूजा करने से शनि का अशुभ प्रभाव कम होता है और सकारात्मक ऊर्जा बढ़ती है। जो लोग शनि की साढ़ेसाती या ढैय्या से गुजर रहे हैं, उनके लिए यह दिन विशेष रूप से फलदायी होता है। पीपल के पेड़ के नीचे बैठकर या स्पर्श करके किए गए उपाय शनि देव को प्रसन्न करते हैं और जीवन में स्थिरता, धन और शांति लाते हैं।

धन प्राप्ति के लिए पीपल का उपाय

शनिवार को पीपल के पेड़ से 11 बिना कटे या फटे पत्ते तोड़कर उनकी माला बनाएं। इसे शनि मंदिर में शनिदेव को अर्पित करें। फिर पेड़ की सात परिक्रमा करें और कच्चे सूत को सात बार पेड़ पर लपेट दें। इसके बाद 'ॐ शं शनैश्चराय नमः' मंत्र का 108 बार जाप करें। इस उपाय से शनि के अशुभ प्रभाव में कमी आती है और धन प्राप्ति के नए मार्ग खुलते हैं।

बाधाओं से मुक्ति के लिए उपाय

शनिवार को पीपल के पेड़ को दोनों हाथों से स्पर्श करें और लगातार 108 बार 'ॐ नमः शिवाय' मंत्र का जाप करें। चूंकि भगवान शिव शनिदेव के गुरु हैं, इसलिए यह उपाय बहुत प्रभावी माना जाता है। इससे शनि के साथ अन्य ग्रहों के दोष भी शांत होते हैं और जीवन की बाधाएं दूर होती हैं।

कष्ट निवारण का उपाय

शनिवार की शाम स्वच्छ वस्त्र पहनकर पीपल की जड़ में जल और दूध अर्पित करें। फिर सरसों के तेल का दीपक जलाएं और हनुमान चालीसा का पाठ करें। पेड़ की पांच परिक्रमा करें। इस उपाय से शनि की दशा का प्रभाव कम होता है और हनुमान जी व शनिदेव दोनों की कृपा प्राप्त होती है। पुरानी समस्याएं और कष्ट धीरे-धीरे दूर होने लगते हैं।

उन्नति और वैवाहिक सुख के लिए उपाय

शनिवार को पीपल के पेड़ के पास काले तिल अर्पित करें और जड़ में दूध, गुड़ मिलाकर जल चढ़ाएं। पांच प्रकार की मिठाइयां अर्पित करें। फिर 11 परिक्रमा करें और अपनी समस्याएं मन ही मन शनि देव को बताएं। इस उपाय से वैवाहिक जीवन सुखमय होता है और नौकरी-व्यापार में उन्नति के योग बनते हैं।

कपूर और नींबू से घर को बनाएं फ्रेश

क्या आपके घर में भी कभी-कभी अजीब सी स्मेल आने लगती है। यह समस्या अक्सर किचन, बाथरूम या बंद कमरों में ज्यादा होती है। कई बार सफाई के बाद भी यह बदबू बनी रहती है और माहौल भारी लगने लगता है। ऐसे में लोग तुरंत एयर फ्रेशनर का सहारा लेते हैं, लेकिन हर बार केमिकल्स का इस्तेमाल सही नहीं होता। अगर आप आसान और नैचुरल उपाय ढूंढ रहे हैं, तो यह घरेलू तरीका आपके काम आ सकता है।

क्यों खास है यह घरेलू एयर फ्रेशनर?

कपूर में एंटीबैक्टीरियल गुण होते हैं, जो हवा में मौजूद बदबू पैदा करने वाले बैक्टीरिया को खत्म करने में मदद करते हैं। वहीं नींबू की ताजगी भरी खुशबू घर को तुरंत फ्रेश बना देती है। दोनों का कॉम्बिनेशन नेचुरल और हेल्दी होता है।

किन चीजों की होगी जरूरत?

कपूर के 4-5 टुकड़े, 1 ताजा नींबू, एक छोटा कटोरा या बाउल, थोड़ा सा पानी।

कैसे बनाएं एयर फ्रेशनर?

सबसे पहले नींबू को दो हिस्सों में काट लें।
अब एक कटोरे में थोड़ा पानी डालें और उसमें कपूर के टुकड़े डाल दें। इसके बाद नींबू के टुकड़े भी उसी कटोरे में रख दें। अब इस कटोरे को कमरे के किसी कोने में रख दें। कुछ ही देर में कमरे में नींबू और कपूर की खुशबू फैलने लगेगी।

कहां-कहां कर सकते हैं इस्तेमाल?

आप इसे लिविंग रूम, किचन, बाथरूम या बेडरूम में रख सकते हैं। यह खासतौर पर बंद कमरों और नमी वाली जगहों के लिए बहुत फायदेमंद है।

क्यों ट्राई करें यह तरीका?

यह एयर फ्रेशनर पूरी तरह नेचुरल है और इसमें कोई हानिकारक केमिकल नहीं होता। इससे न सिर्फ घर की बदबू दूर होती है, बल्कि माहौल भी ताजा और पॉजिटिव महसूस होता है। अगर आप आसान और सस्ता तरीका ढूंढ रहे हैं, तो यह उपाय जरूर अपनाएं।

इन बातों का रखें ध्यान

हर 2-3 दिन में नींबू बदल लें ताकि खुशबू बनी रहे।
अगर कपूर खत्म हो जाए तो नए टुकड़े डालें।
इसे बच्चों और पालतू जानवरों की पहुंच से दूर रखें।

कढ़ी बनाने के कमाल के टिप्स

गरमा-गरम कढ़ी-चावल खाने को मिल जाएं तो मजा आ जाता है। कढ़ी का हल्का खट्टा और तीखा स्वाद भला किसे पसंद नहीं आता। कढ़ी बनाने की रेसिपी हर घर में अलग होती है, इसलिए आज हम आपके साथ रेसिपी शेयर नहीं कर रहे। बल्कि कढ़ी का घोल बनाने का तरीका बता रहे हैं, जो परफेक्ट कढ़ी के लिए सबसे जरूरी होता है। अक्सर घर में कढ़ी बनाते हुए यहीं गलती होगी है, जिस वजह से या तो ये ज्यादा पतली बन जाती है या इसमें गुठलियां पड़ जाती है। बेसन, दही और पानी का अनुपात क्या रखा जाए, कढ़ी को फटने से कैसे बचाया जाए; ये कुछ छोटी-छोटी बातें हैं जो परफेक्ट कढ़ी बनाने के लिए बहुत जरूरी हैं। तो चलिए फटाफट से ये टिप्स नोट कर लीजिए, हर बार बिल्कुल हलवाई स्टाइल कढ़ी बनेगी।

कढ़ी का परफेक्ट घोल कैसे बनाएं?

कढ़ी बनाते हुए सबसे पहला स्टेप होता है इसका बैटर बनाना। बैटर में दही, बेसन और पानी को आपस में मिक्स किया जाता है और फिर इसकी कढ़ी बनती है। यहां सबसे जरूरी है इन सभी चीजों को सही अनुपात में मिलाना। तो फटाफट नोट कर लीजिए। अगर आप 1 कप दही ले रही है, तो उसमें 3 चम्मच बेसन और ढाई कप पानी इस्तेमाल करें। इन्हें एक व्हिस्कर की मदद से अच्छी तरह फेंट लें, या फिर फटाफट काम निपटाना है तो एक बार मिक्सर में भी चला सकती हैं।

कढ़ी में दही क्यों फट जाती है?

कई बार कढ़ी बनाते हुए दही बिल्कुल फट जाती है, जिससे ये दिखने में भी खराब लगती है और खाने में भी टेस्ट अच्छा नहीं लगता। ऐसा तब होता है, जब आप दही और बेसन को अच्छी तरह नहीं फेंटती। इसलिए इन्हें अच्छे से फेंटे, फिर लगातार चलाते हुए कढ़ी को पका लें। जब कढ़ी में उबाल आ जाए, इसके बाद ही नमक एड करें।

कढ़ी छौंकने के लिए कौन-कौन से मसाले मिलाएं

बिल्कुल हलवाई जैसी टेस्टी कढ़ी बनानी है तो कौन-कौन से मसाले डलेंगे, ये भी एक कॉमन सवाल है। तो फटाफट नोट कर लीजिए। एक कढ़ाही में सरसों का तेल गर्म करें, उसमें जीरा, कद्दूकस किया हुआ अदरक और मेथी दाना डालकर भून लें। फिर उसमें साबुत हरी मिर्च डालें और बिल्कुल हल्का सा भून लें। अब कढ़ी का बैटर एड करें, उसमें हल्दी पाउडर और लाल मिर्च पाउडर भी मिलाएं। इसे तेज फ्लेम पर तब तक पकाएं, जब तक इसमें उबाल नहीं आ जाता। उबाल होने के बाद स्वादानुसार नमक एड करें।

आज का राशिफल

मेष राशि - आपके लिए उतार-चढ़ाव से भरा रहेगा, क्योंकि चंद्रमा आपकी राशि के आठवें भाव में शाम तक रहेंगे, इसके बाद नौवें भाव में जाएंगे। कार्यक्षेत्र में कल आपको अत्यधिक सावधानी बरतने की जरूरत है। अचानक आए बदलावों से मन विचलित हो सकता है। व्यापार में कोई भी बड़ा निवेश दोपहर बाद ही करें। प्रेम संबंधों में थोड़ा तनाव दिख रहा है, साथी की भावनाओं का सम्मान करें और विवादों से दूर रहें।

वृषभ राशि - चंद्रमा आपकी राशि के सातवें भाव में शाम तक रहेंगे, इसके बाद आठवें भाव में जाएंगे। नौकरी में सहकर्मियों का पूरा सहयोग मिलेगा। बिजनेस में नए अनुबंध हो सकते हैं, जिससे भविष्य में बड़ा मुनाफा होगा। जीवनसाथी के साथ रिश्ते और मजबूत होंगे। शाम के समय साथ में अच्छा वक्त बिताने का मौका मिलेगा। कल स्वास्थ्य सामान्य तौर पर अच्छा रहेगा, लेकिन मानसिक थकान से बचने के लिए शाम को थोड़ा आराम जरूर करें।

मिथुन राशि - आपके लिए प्रतिस्पर्धा और सजगता का रहेगा, क्योंकि चंद्रमा आपकी राशि के छठे भाव में शाम तक रहेंगे, इसके बाद सातवें भाव में जाएंगे। नौकरीपेशा जातकों को कार्यस्थल पर विरोधियों से सावधान रहना होगा। आपकी मेहनत का फल मिलेगा। व्यापार में अटके हुए काम गति पकड़ेंगे। लव लाइफ : लव लाइफ में किसी पुरानी बात को लेकर बहस हो सकती है, शांत रहना बेहतर होगा।

कर्क राशि - कल का दिन आपके लिए रचनात्मकता और खुशियां लेकर आएगा, क्योंकि चंद्रमा आपकी राशि के पांचवें भाव में शाम तक रहेंगे, इसके बाद छठे भाव में जाएंगे। नौकरी में प्रमोशन या नई जिम्मेदारी मिलने के योग हैं। बिजनेस में आपकी बुद्धिमानी से कोई बड़ी डील फाइनल हो सकती है। प्रेम जीवन में रोमांस बढ़ेगा। साथी के साथ दिल की बातें साझा करने के लिए बेहतरीन दिन है। सेहत अच्छी रहेगी।

सिंह राशि - आपके लिए सुख-सुविधाओं और थोड़ा मानसिक तनाव का रहेगा, क्योंकि चंद्रमा आपकी राशि के चौथे भाव में शाम तक रहेंगे, इसके बाद पांचवें भाव में जाएंगे। कार्यक्षेत्र में काम का बोझ अधिक रहेगा, जिससे आप खुद को थका हुआ महसूस करेंगे। व्यापार में धन लाभ के योग हैं, लेकिन खर्चों पर नियंत्रण रखें।

कन्या राशि - आपके लिए पराक्रम और उत्साह से भरा रहेगा, क्योंकि चंद्रमा आपकी राशि के तीसरे भाव में शाम तक रहेंगे, इसके बाद चौथे भाव में जाएंगे। नौकरी में आपके काम की तारीफ होगी और सीनियर्स का सहयोग मिलेगा। बिजनेस के सिलसिले में की गई यात्राएं बेहद लाभदायक साबित होंगी। लव लाइफ : प्रेम संबंधों में मधुरता रहेगी।

तुला राशि - आर्थिक लाभ और वाणी पर नियंत्रण रखने का रहेगा, क्योंकि चंद्रमा आपकी राशि के दूसरे भाव में शाम तक रहेंगे, इसके बाद तीसरे भाव में जाएंगे। नौकरी में पैतृक संपत्ति या पुराने निवेश से लाभ हो सकता है। बिजनेस में धन का आगमन अच्छा रहेगा, लेकिन लेन-देन में सावधानी रखें। परिवार और पार्टनर के बीच संतुलन बनाकर चलना होगा।

वृश्चिक राशि - मानसिक शांति और नई शुरुआत का रहेगा, क्योंकि चंद्रमा आपकी राशि के लग्न यानी प्रथम भाव में शाम तक रहेंगे, इसके बाद दूसरे भाव में जाएंगे। कार्यक्षेत्र में आपका प्रभाव बढ़ेगा। नए विचारों से बिजनेस को आगे बढ़ाने में मदद मिलेगी। अटका हुआ पैसा वापस मिल सकता है। पार्टनर के प्रति आपका आकर्षण बढ़ेगा। आपसी रिश्ते में नयापन और भरोसा महसूस करेंगे। सेहत में सुधार होगा।

धनु राशि - अधिक खर्च और थोड़ा संभलकर चलने का रहेगा, क्योंकि चंद्रमा आपकी राशि के बारहवें भाव में शाम तक रहेंगे, इसके बाद प्रथम भाव में जाएंगे। नौकरी में ट्रांसफर या विदेश से जुड़े काम बन सकते हैं। बिजनेस में निवेश करते समय बजट का ध्यान रखें, अन्यथा नुकसान हो सकता है। पार्टनर से दूरी या किसी बात पर गलतफहमी हो सकती है। बातचीत से मसले सुलझाएं। आंखों में दर्द या अनिद्रा की समस्या परेशान कर सकती है।

मकर राशि - आपके लिए शानदार सफलता और लाभ लेकर आएगा, क्योंकि चंद्रमा आपकी राशि के ग्यारहवें भाव में शाम तक रहेंगे, इसके बाद बारहवें भाव में जाएंगे। नौकरी में आय के नए स्रोत बनेंगे और उच्च अधिकारियों से सहयोग मिलेगा। व्यापार में मनमुताबिक मुनाफा होने से आर्थिक स्थिति मजबूत होगी। लव लाइफ के लिए दिन बेहतरीन है।

कुंभ राशि - आपके लिए मान-सम्मान और करियर में उन्नति का रहेगा, क्योंकि चंद्रमा आपकी राशि के दसवें भाव में शाम तक रहेंगे, इसके बाद ग्यारहवें भाव में जाएंगे। नौकरीपेशा लोगों को बड़ी उपलब्धि मिल सकती है। बिजनेस में नई रणनीतियां कामयाब होंगी, जिससे बाजार में आपकी साख बढ़ेगी। साथी के साथ तालमेल बहुत अच्छा रहेगा।

मीन राशि - भाग्य का साथ और धार्मिक कार्यों में रुचि का रहेगा, क्योंकि चंद्रमा आपकी राशि के नौवें भाव में शाम तक रहेंगे, इसके बाद दसवें भाव में जाएंगे। करियर में किस्मत का पूरा साथ मिलेगा, रुकी हुई योजनाएं दोबारा शुरू होंगी। बिजनेस में बड़ा आर्थिक लाभ होने की पूरी संभावना है। पार्टनर के साथ धार्मिक यात्रा पर जा सकते हैं, जिससे आपसी प्रेम और आदर की भावना बढ़ेगी। सेहत अच्छी बनी रहेगी।

गर्मियों में खाना पैक करते समय रखें इन बातों का ध्यान

गर्मी का मौसम आते ही सबसे बड़ी टेंशन यही होती है कि सुबह बनाया गया खाना दोपहर तक खराब न हो जाए। खासकर ऑफिस या स्कूल के टिफिन में रखा खाना कई बार बदबू देने लगता है या स्वाद बिगाड़ जाता है। कई बार ऐसा भी होता है कि बाहर का टेम्परेचर ज्यादा होने की वजह से खाना जल्दी खट्टा पड़ जाता है या उसकी क्वालिटी गिरने लगती है। ऐसे में सिर्फ अच्छा खाना बनाना ही काफी नहीं होता, उसे सही तरीके से पैक करना भी उतना ही जरूरी है। अगर कुछ आसान बातों का ध्यान रखा जाए, तो तेज गर्मी में भी टिफिन का खाना फ्रेश और खाने लायक बना रह सकता है।

नमी कम, तो खाना ज्यादा देर तक ठीक

गर्मी में वही खाना ज्यादा देर तक टिकता है जिसमें पानी या ग्रेवी कम हो। सूखी सब्जी, पराठा, वपाती रोल या हल्का पुलाव जैसे ऑप्शन ज्यादा सेफ रहते हैं। ज्यादा रसेदार या क्रीमी डिश जल्दी खराब हो सकती हैं, इसलिए टिफिन में इन्हें रखने से बचना बेहतर होता है।

भाप बंद हुई, तो खराबी शुरू

टिफिन पैक करते समय ये बेसिक बात समझ लें कि गरम-गरम खाना सीधे डिब्बे में बंद कर देना सबसे बड़ी गलती मानी जाती है। इससे अंदर भाप जमा हो जाती है और वही खाना जल्दी खराब होने की वजह बनती है। बेहतर है कि खाना थोड़ा ठंडा होने दें और फिर टिफिन में रखें।

सही डिब्बा चुनना भी जरूरी

खाना देर तक अच्छा रहे इसके लिए सही टिफिन होना भी बहुत जरूरी है। स्टील के डिब्बे प्लास्टिक के मुकाबले ज्यादा सुरक्षित और भरोसेमंद माने जाते हैं। ये खाने को लंबे समय तक ठीक रखते हैं और गर्मी में रिएक्शन का खतरा भी कम रहता है।

कटे फल और दही सोच-समझकर रखें

गर्मी में कटे हुए फल, दही या ज्यादा जल्दी खराब होने वाली चीजें जल्दी बिगड़ सकती हैं। अगर रखना ही है, तो अलग डिब्बे में और कम समय के लिए रखें।
लंबे समय के लिए ये ऑप्शन ठीक नहीं माने जाते। अगर सुबह की भागदौड़ में समय कम रहता है, तो कुछ चीजें रात में ही तैयार की जा सकती हैं। जैसे ड्राई स्नैक्स या कुछ बेसिक तैयारी पहले कर लें, इससे सुबह जल्दबाजी भी नहीं होगी और टिफिन भी बेहतर तरीके से पैक हो पाएगा। गर्मी में टिफिन खराब होना आम बात है, लेकिन थोड़ी समझदारी से इसे आसानी से रोका जा सकता है। सही खाना चुनना, सही कंटेनर इस्तेमाल करना और पैकिंग का तरीका सुधारना, यही तीन चीजें आपके लंच को लंबे समय तक फ्रेश रख सकती हैं।

महिलाओं के बेस्ट हेयरकट्स और टिप्स

गर्मियों में लंबे और भारी बाल पसीना, चिपचिपाहट और हेयर फॉल बढ़ा हैं। ऐसे में सही हेयरकट न सिर्फ आपको कूल महसूस कराता है, बल्कि स्टाइल भी बनाए रखता है। अगर आप भी सोच रही है कि गर्मियों में बाल कैसे कटवाएं, तो ये टिप्स आपके काम आएंगे गर्मियां आती नहीं कि लड़कियों के लिए आपने बालों को संभालना बेहद मुश्किल हो जाता है। जैसे-जैसे तापमान बढ़ता है, वैसे-वैसे लंबे और भारी बाल चिपचिपे होने लगते हैं, बार-बार उलझने लगते हैं। क्या आप भी इन्हीं दिक्कतों का सामना कर रही हैं? अगर हां, तो ये स्टोरी आपके लिए ही है। आज हम आपके साथ 2 ऐसी समर हेयरकट के बारे में बताने वाले हैं, जो न केवल बालों को मैनेज करना आसान बनाएंगे, बल्कि आपको एक फ्रेश और स्टाइलिश लुक भी देने में मददगार साबित हो सकते हैं।

गर्मियों में छोटे बाल क्यों ज्यादा बेहतर होते हैं?

गर्मी में बाल गर्दन पर नहीं चिपकते। जल्दी सूख जाते हैं, इसलिए बार-बार पसीने से खराब नहीं होते। पतले बालों में वॉल्यूम दिखता है।

गर्मियों के लिए महिलाओं के बेस्ट हेयरकट

बॉब कट : बॉब कट गर्मियों में लड़कियों के लिए सबसे बेस्ट हेयरकट माना जाता है। अगर आप छोटे बालों के साथ स्टाइलिश लगना चाहते हैं, तो यह आपके लिए बेस्ट ऑप्शन है।

क्यों अपनाएं?

गर्मी में एकदम हल्का महसूस होता है। पसीना कम लगता है और बालों में चिपचिपापन नहीं होता। चेहरे का लुक ज्यादा जवान और फ्रेश दिखता है।

किस फेस शेप पर कौन-सा हेयरकट सूट करता है?

हर फेस शेप पर एक-सा हेयरकट अच्छा नहीं लगता। सही कट चुनने से न सिर्फ लुक बेहतर दिखता है, बल्कि गर्मियों में कम पसीना और आसान स्टाइलिंग भी मिलती है। अगर आपका चेहरा गोल है, तो ऐसे हेयरकट चुनें जो फेस को थोड़ा लंबा दिखाएं।
बेस्ट ऑप्शन : लॉन्ग लेयर्स, साइड पार्टीशन, लॉब कट। बहुत ज्यादा छोटे और गोल कट से चेहरा और चौड़ा लग सकता है। ओवल फेस शेप वाली महिलाएं सबसे ज्यादा lucky मानी जाती हैं।
बेस्ट ऑप्शन : बॉब कट, पिक्सी कट, शोल्डर लेंथ लेयर्ड कट। आप गर्मियों में short haircut ट्राय कर सकती हैं, बिना ज्यादा सोचे। लंबे फेस शेप में बैलेंस लाने के लिए ऐसे हेयरकट बेहतर होते हैं जो चौड़ाई दें।
बेस्ट ऑप्शन : शोल्डर लेंथ कट, वेवी स्टाइल, फ्रंट बैंग्स। बहुत लंबे और एकदम straight बाल चेहरे को और लंबा दिखा सकते हैं।

लड़कियों के लिए कौन सा कट सबसे अच्छा है?

शोल्डर लेंथ लेयर्स : गर्मियों के लिए शोल्डर लेंथ लेयर्स एक शानदार विकल्प है। यह कट न तो बहुत छोटा होता है और न बहुत लंबा होता है। लेयर्स की वजह से बालों में वॉल्यूम आता है और चेहरा ज्यादा शार्प दिखता है।

पैरों पर सैंडल के निशान हटाने के उपाय

गर्मियों में अक्सर लोग खुले फुटवियर और सैंडल पहनना पसंद करते हैं। लेकिन तेज धूप और धूल-मिट्टी की वजह से पैरों पर सैंडल के निशान और टैनिंग दिखने लगती है। कई बार पैरों की स्किन इतनी डार्क नजर आने लगती है कि लोग इसे छिपाने के लिए बंद जूते पहनने लगते हैं। अगर आपके पैरों पर भी सैंडल के जिद्दी निशान पड़ गए हैं, तो कुछ आसान घरेलू चीजों से बना DIY पैक आपकी मदद कर सकता है ब्यूटी एक्सपर्ट्स मानते हैं कि घर में मौजूद कुछ नेचुरल चीजें स्किन को साफ करने, डेड स्किन हटाने और टैनिंग कम करने में मदद कर सकती हैं। खास बात यह है कि इस पैक को बनाने में ज्यादा समय या पैसे भी खर्च नहीं करने पड़ते।

टैनिंग हटाने के लिए क्या चाहिए?

इस आसान पैक को बनाने के लिए आपको चाहिए :
2 चम्मच बेसन, 1 चम्मच दही, चुटकीभर हल्दी

इन तीनों चीजों को अच्छी तरह मिलाकर स्मूद पेस्ट तैयार कर लें।

कैसे करें इस्तेमाल?

सबसे पहले पैरों को साफ पानी से धो लें ताकि धूल और गंदगी हट जाए। अब तैयार पेस्ट को पैरों पर उन जगहों पर लगाएं जहां सैंडल के निशान ज्यादा दिखाई दे रहे हों। करीब 15 से 20 मिनट तक इसे सूखने दें। जब पैक सूख जाए तो हल्के हाथों से रगड़ते हुए पानी से धो लें। इससे स्किन पर जमा डेड स्किन हटने में मदद मिल सकती है। बाद में पैरों पर मॉइस्चराइजर जरूर लगाएं ताकि स्किन ड्राय न हो।

क्यों असरदार माना जाता है ये पैक?

बेसन को नेचुरल एक्सफोलिएटर माना जाता है जो स्किन की सफाई करने में मदद करता है। दही में मौजूद लैक्टिक एसिड स्किन को सॉफ्ट बनाता है और टैनिंग को हल्का करने में सहायक माना जाता है। वहीं हल्दी स्किन को चमकदार दिखाने और दाग-धब्बों को कम करने में मदद कर सकती है।

चेहरे की खोई नमी लौटाने के टिप्स

गर्मियों में तेज धूप, पसीना और धूल की वजह से चेहरा कई बार बेजान और थका हुआ दिखने लगता है। ऐसे में लोग ऐसे घरेलू उपाय ढूंढते हैं जो स्किन को फ्रेश और हाइड्रेटेड महसूस करा सकें। स्ट्रॉबेरी और शहद से बना फेस पैक इन्हीं आसान घरेलू उपायों में से एक माना जाता है। स्ट्रॉबेरी में मौजूद नेचुरल एसिड स्किन को ताजगी देने में मदद कर सकते हैं, वहीं शहद चेहरे की नमी बनाए रखने में सहायक माना जाता है। यही वजह है कि यह फेस पैक गर्मियों में काफी पसंद किया जाता है।

फेस पैक बनाने के लिए क्या चाहिए :

2 ताजी स्ट्रॉबेरी, 1 छोटा चम्मच शहद, 1 छोटा चम्मच दही

कैसे बनाएं फेस पैक?

सबसे पहले स्ट्रॉबेरी को अच्छे से मैश कर लें। अब इसमें शहद और दही मिलाकर स्मूद पेस्ट तैयार करें। अगर पेस्ट ज्यादा गाढ़ा लगे तो इसमें कुछ बूंदें गुलाब जल की भी मिला सकते हैं।

कैसे करें इस्तेमाल?

चेहरे को साफ पानी से धोकर सुखा लें। अब इस फेस पैक को पूरे चेहरे और गर्दन पर हल्के हाथों से लगाएं। इसे करीब 15 मिनट तक लगा रहने दें। इसके बाद ठंडे पानी से चेहरा धो लें।

क्या हैं फायदे?

स्किन को फ्रेश और सॉफ्ट महसूस कराने में मदद मिलती है। चेहरे की ड्राईनेस कम करने में सहायक माना जाता है। स्किन पर हल्का नेचुरल ग्लो दिखता है।

इन बातों का रखें ध्यान

अगर आपकी स्किन बहुत ज्यादा सेंसिटिव है तो पहले पैच टेस्ट जरूर करें। चेहरे पर जलन या खुजली महसूस हो तो तुरंत धो लें। हफ्ते में 1 से 2 बार इसका इस्तेमाल किया जा सकता है।

200 से अधिक आवेदन प्राप्त, जनसमस्याओं के त्वरित निराकरण पर दिया गया जोर

सुशासन तिहार का अंतिम शिविर सोमनी में संपन्न, विधायक डोमनलाल कोर्सेवाड़ा व महापौर निर्मल कोसरे रहे मौजूद

भिलाई-चरौदा। छत्तीसगढ़ शासन के नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग तथा जिला प्रशासन दुर्ग के निर्देशानुसार नगर पालिक निगम भिलाई-चरौदा क्षेत्र में आयोजित सुशासन तिहार 2026 के अंतर्गत अंतिम समाधान शिविर का आयोजन सोमनी सामुदायिक भवन में किया गया। शिविर में बड़ी संख्या में नागरिकों ने अपनी विभिन्न मांगों एवं समस्याओं से संबंधित आवेदन प्रस्तुत किए। निगम क्षेत्र में आयोजित चार चरणों वाले सुशासन शिविरों की श्रृंखला के तहत यह अंतिम शिविर था। इससे पूर्व पहला शिविर उमदा वार्ड क्रमांक-06 स्थित सामुदायिक भवन में, दूसरा शिविर मंगल भवन भिलाई-3 में तथा तीसरा शिविर सामुदायिक भवन चरौदा में आयोजित किया गया था। अंतिम शिविर में निगम क्षेत्र के वार्ड क्रमांक 30 से 40 तक के नागरिकों ने सहभागिता की। शिविर में क्षेत्रीय विधायक राजमंहत डोमनलाल कोर्सेवाड़ा ने पहुंचकर विभिन्न विभागों द्वारा लगाए गए स्टॉलों एवं सेवा काउंटरों का निरीक्षण किया तथा आमजन से सीधे संवाद कर उनकी समस्याएं सुनीं। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि जनहित से जुड़े कार्यों का समयबद्ध एवं प्रभावी निराकरण सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने शिविर में प्राप्त आवेदनों के निराकरण हेतु सभी विभागों को गंभीरता और संवेदनशीलता के साथ कार्य करने के निर्देश दिए। इस अवसर पर नगर निगम भिलाई-चरौदा के महापौर निर्मल कोसरे ने कहा कि सुशासन तिहार का मूल उद्देश्य शासन और जनता के बीच की दूरी को कम करते हुए समस्याओं का त्वरित समाधान सुनिश्चित करना है। उन्होंने अधिकारियों एवं कर्मचारियों से प्राप्त आवेदनों पर आवश्यक कार्रवाई करने तथा निर्धारित समय-सीमा में निराकरण सुनिश्चित करने का आग्रह किया। महापौर ने भीषण गर्मी के बीच अपने दायित्वों का निर्वहन कर रहे अधिकारियों एवं कर्मचारियों की सराहना करते हुए उन्हें बधाई दी। शिविर में पद्मश्री सम्मानित छत्तीसगढ़ की लोक गायिका उषा बारले की विशेष उपस्थिति भी रही। उन्होंने अपने मधुर लोकगीतों की प्रस्तुति देकर उपस्थित नागरिकों का ध्यान आकर्षित किया और कार्यक्रम में सांस्कृतिक रंग घोले। कार्यक्रम में निगम आयुक्त डी.एस. राजपूत, कार्यपालन अभियंता रवि सिन्हा, नेता प्रतिपक्ष रामखिलावन वर्मा, वरिष्ठ भाजपा नेता राधेश्याम वर्मा, पार्षद तुषांत वर्मा सहित निगम के विभिन्न विभागों के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। निगम जनसंपर्क विभाग से प्राप्त जानकारी के अनुसार समाचार लिखे जाने तक सोमनी में आयोजित अंतिम सुशासन शिविर में 200 से अधिक आवेदन प्राप्त हो चुके थे। इनमें विभिन्न विभागों से संबंधित जनसमस्याएं, मूलभूत सुविधाओं की मांग तथा नागरिक सेवाओं से जुड़े आवेदन प्रमुख रूप से शामिल रहे।मुख्य बिंदु- सोमनी में आयोजित हुआ सुशासन तिहार का अंतिम शिविर।विधायक डोमनलाल कोर्सेवाड़ा एवं महापौर निर्मल कोसरे ने किया निरीक्षण। 200 से अधिक आवेदन प्राप्त।अधिकारियों को त्वरित निराकरण के निर्देश। पद्मश्री लोक गायिका उषा बारले की विशेष उपस्थिति। निगम क्षेत्र में चार चरणों में संपन्न हुआ सुशासन तिहार अभियान।

जल जनित मौसमी बीमारियों से बचाव व रोकथाम के लिए जनजागरूकता अभियान

दुर्ग। जल जनित मौसमी बीमारियों से बचाव व रोकथाम के संबंध में कार्यालय नगर पालिका निगम भिलाई में अन्तर्विभागीय बैठक आयोजित की गई। बैठक में नगर निगम भिलाई के आयुक्त राजीव पांडे की उपस्थिति में स्वास्थ विभाग से जिला सर्विलांस अधिकारी डॉ. सीबीएस बंजारे द्वारा जल जनित मौसमी बीमारियों के बारे में बताया गया। जिला मलेरिया अधिकारी डॉ. रश्मि ग्लैड द्वारा राष्ट्रीय वैक्टर जनित रोग डेंगू मलेरिया से बचाव व नियंत्रण के संबंध में बताया गया। बैठक में नगर पालिक निगम भिलाई के स्वास्थ अधिकारी जावेद अली, वरिष्ठ स्वाच्छत निरीक्षक केके सिंह, जिला महामारी विशेषज्ञ रितिका सोनवानी, सर्विलांस इंस्पेक्टर विवेक कपरे, वीबीडीटीएस लकी दूबे, समस्त जोन आयुक्त, बीएसपी प्रतिनिधि आदि उपस्थति रहे। सीएमएचओ डॉ. मनोज दानी से प्राप्त जानकारी अनुसार निगम क्षेत्र अंतर्गत आगामी वर्षा ऋतु के पूर्व जल जनित रोग (मौसमी बीमारियों) के रोकथाम बचाव हेतु प्रारंभिक तैयारियों पर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक में आयुक्त द्वारा निर्देशित किया गया है कि वर्षा ऋतु के आगमन के पूर्व बड़े या चौड़े नालियों का चिन्हांकन कर सफाई का कार्य किया जाये।

विगत वर्षों में डायरिया/ पीलिया से प्रभावित क्षेत्रों को विभिन्न पेयजल स्रोतों का जोन स्तर पर एवं पेयजल कार्य विभाग द्वारा जांच हेतु नमुना लिया जाएगा। स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों द्वारा ज्ञात कराया गया कि नगर निगम कर्मचारी एवं जिला मलेरियां विभाग के सर्विलेंस कार्यकर्ताओं द्वारा समुदाय में जनजागरूकता लाने जैसे मच्छर लार्वा प्रजनन स्त्रोत कूलर, टंकी, ड्रम आदि का पानी सप्ताह में एक बार खाली किया जाये।

भिलाई इस्पात संयंत्र के श्रमिकों ने लंबित मांगों को लेकर किया धरना-प्रदर्शन, प्रबंधन से त्वरित समाधान की मांग

भिलाई। भारतीय इस्पात मजदूर महासंघ एवं भिलाई इस्पात मजदूर संघ के संयुक्त तत्वावधान में आज दिनांक 01 जून 2026 को प्रातः 8:00 बजे भिलाई इस्पात संयंत्र के कर्मचारियों एवं श्रमिकों की विभिन्न लंबित समस्याओं और मांगों के समर्थन में धरना-प्रदर्शन कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में कर्मचारियों, श्रमिकों, प्रतिनिधियों एवं संघ पदाधिकारियों ने भाग लेकर अपनी एकजुटता का परिचय दिया।

धरना-प्रदर्शन के माध्यम से संविदा श्रमिकों की 40ज्ञ कटौती पर रोक लगाने, लंबित वेतन समझौते का शीघ्र क्रियान्वयन, एरियर्स भुगतान, आवास, चिकित्सा, इंसेंटिव, ठेका श्रमिकों के हितों की रक्षा तथा कर्मचारियों एवं श्रमिकों की अन्य महत्वपूर्ण मांगों के समाधान की मांग प्रबंधन के समक्ष रखी गई। कार्यक्रम में प्रमुख रूप से श्री रविशंकर सिंह, श्री सुदीप सेन गुप्ता, श्री अनिल कुमार सिंह, श्री अमित कुमार सिंह, श्री अरविंद सिंह, श्री संजय प्रताप सिंह, श्री हरिशंकर, श्री सुरेंद्र चौहान, शारदा गुप्ता, श्री विनोद उपाध्याय, श्री अनिल गजभिए, श्री दीनानाथ, श्री चंद्रकांत पटेल, श्री कैलाश सिंह, श्री अशोक कुमार, श्री प्रकाश अग्रवाल, श्री पूरनलाल, श्री आर. के. सोनी, श्री राजेंद्र ठाकुर, श्री राजेश पांडे, श्री अशोक कुमार यादव, श्री दीपक मिश्रा, श्री रमेश पांडे, श्री अरुण चंद्राकर, श्री अशोक सोनी, श्री नितिन दीक्षित, श्री रमेश कुहिकर, श्री रवि चौधरी, श्री संतोष मिश्रा, श्री अनूप शाह, श्री देवेंद्र चंद्राकर, श्री मोहंती, श्री डी. एन. तिवारी, श्रीमती उमा सिंह, श्री लोकनाथ, श्री उमेश सिंह, श्री के. के. सिंह, श्री राकेश उपाध्याय, श्री अजय धुर्वे, श्री आनंद तथा श्री एम. रूद्र मूर्ति सहित अनेक कार्यकारिणी सदस्य, प्रतिनिधि कर्मचारी एवं श्रमिक उपस्थित रहे।

वक्ताओं ने कहा कि कर्मचारियों एवं श्रमिकों की जायज मांगों का शीघ्र समाधान किया जाना चाहिए तथा श्रमिक हितों से जुड़े किसी भी निर्णय में श्रमिक संगठनों से संवाद स्थापित किया जाना आवश्यक है। उन्होंने श्रमिकों की रोजगार सुरक्षा, सामाजिक सुरक्षा तथा सम्मानजनक कार्य परिस्थितियों को सुनिश्चित करने की आवश्यकता पर बल दिया। यह जानकारी संगठन की ओर से जारी की गई।

पीएम आवास योजनाः लॉटरी से 10 हितग्राहियों को मिला अपने घर का सपना, निष्पक्ष प्रक्रिया से आवास आवंटन, महापौर ने सौंपे अलॉटमेंट

किराये पर देने पर होगी कार्रवाई, केवल पात्र हितग्राही ही रहेंगे आवास में

दुर्ग। नगर पालिक निगम दुर्ग द्वारा प्रधानमंत्री आवास योजना अंतर्गत शहर के विभिन्न क्षेत्रों में निर्मित आवासों का आवंटन पारदर्शी लॉटरी प्रक्रिया के माध्यम से लगातार किया जा रहा है। नगर निगम क्षेत्र के सरस्वती नगर, मां कर्मा बोरसी एवं गोकुल नगर में एएचपी घटक के तहत निर्मित आकर्षक एवं किफायती आवास शहरवासियों के लिए बेहतर आवासीय विकल्प बनकर उभर रहे हैं, जिसके चलते हितग्राहियों द्वारा लगातार आवेदन किए जा रहे हैं। निगम प्रशासन द्वारा प्रत्येक माह प्राप्त आवेदनों के आधार पर लॉटरी के माध्यम से निष्पक्ष तरीके से आवासों का आवंटन किया जा रहा है। इसी क्रम में गोकुल नगर में 1, सरस्वती नगर में 5 एवं मां कर्मा बोरसी में 4 आवासों हेतु कुल 10 आवेदन प्राप्त हुए, जिनका लॉटरी के माध्यम से आवंटन किया गया। महापौर अलका बाघमार ने एमआईसी सदस्य देव नारायण चंद्राकर, शशि साहू, रंजीता पाटिल एवं सहायक अभियंता संजय ठाकुर की उपस्थिति में लॉटरी प्रक्रिया सम्पन्न कर हितग्राहियों को आवास आवंटित किए। महापौर के हाथों हितग्राहियों को आवंटन पत्र भी प्रदान किए गए। लॉटरी प्रक्रिया में प्रत्येक हितग्राही ने स्वयं पर्ची निकालकर अपने आवास का चयन किया, जिससे पूरी प्रक्रिया की निष्पक्षता एवं पारदर्शिता स्पष्ट रूप से परिलक्षित हुई। निगम प्रशासन ने जानकारी दी कि सम्पूर्ण राशि जमा करने के पश्चात हितग्राहियों को आधिपत्य पत्र प्रदान किया जाएगा। इस अवसर पर महापौर अलका बाघमार ने स्पष्ट निर्देश देते हुए कहा कि प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत आवंटित मकानों में केवल पात्र हितग्राही ही निवास करेंगे।

यदि कोई हितग्राही आवास को किराये पर देता पाया गया, तो नगर निगम द्वारा सख्त कार्रवाई करते हुए आवंटन निरस्त कर दिया जाएगा। कार्यक्रम के दौरान दीपक संचेती सीएलटीसी, रामदास साहू सहायक ग्रेड-03 सहित निगम के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

कोहका में घर के भीतर मिला व्यक्ति का शव, चीन से इंदरजीत सिंह 'छोटू' ने संभाली मदद की कमान

परिजनों ने आने से किया इनकार, सर्व समाज कल्याण समिति करेगी अंतिम संस्कार

भिलाई। कोहका हाउसिंग बोर्ड क्षेत्र में एक हृदयविदारक घटना सामने आई है, जहां एक व्यक्ति का शव उसके घर के भीतर कई दिनों तक पड़ा रहा। बदबू फैलने के बाद मोहल्लेवासियों को घटना की जानकारी हुई, जिसके बाद सामाजिक संगठन और पुलिस प्रशासन ने मामले में तत्परता दिखाई। प्राप्त जानकारी के अनुसार, कोहका हाउसिंग बोर्ड निवासी अरुण सारंकर का निधन लगभग दो से तीन दिन पूर्व हो चुका था। घर से दुर्गंध आने पर आसपास के लोगों को संदेह हुआ और जानकारी सामने आई। बताया गया कि मृतक की पत्नी एवं पुत्री पहले ही उन्हें छोड़कर जा चुकी थीं। संपर्क किए जाने पर परिजनों ने मौके पर आने से भी इनकार कर दिया। मोहल्ले की एक महिला द्वारा इस संबंध में सर्व समाज कल्याण समिति भिलाई के अध्यक्ष इंदरजीत सिंह 'छोटू' को व्हाट्सएप के माध्यम से सूचना दी गई। उस समय इंदरजीत सिंह अपने व्यावसायिक दौरे पर चीन में मौजूद थे। सूचना मिलते ही उन्होंने अपनी टीम को तत्काल आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए। समिति की टीम ने स्मृति नगर थाना पुलिस के सहयोग से मृतक के शव को घर से बाहर निकालकर पोस्टमार्टम के लिए चंदूलाल चंद्राकर मेडिकल कॉलेज भेजा। जानकारी के अनुसार पोस्टमार्टम की प्रक्रिया 1 जून 2026 को संपन्न की जाएगी। सर्व समाज कल्याण समिति भिलाई ने बताया कि यदि कोई परिजन आगे नहीं आता है, तो पोस्टमार्टम के बाद दुर्ग पुलिस के सहयोग से मृतक का सम्मानपूर्वक अंतिम संस्कार कराया जाएगा। समिति का कहना है कि मानव सेवा ही उनका प्रमुख उद्देश्य है और जरूरतमंदों की सहायता के लिए संगठन हमेशा तत्पर रहता है। इस घटना ने एक बार फिर समाज में अकेले रह रहे लोगों की स्थिति और सामाजिक संवेदनशीलता के महत्व को उजागर किया है। स्थानीय नागरिकों ने भी समिति और पुलिस की तत्परता की सराहना की है।

मुख्य बिंदु-कोहका हाउसिंग बोर्ड में घर के भीतर मिला व्यक्ति का शव। मृतक की पहचान अरुण सारंकर के रूप में हुई। परिजनों ने मौके पर आने से किया इनकार। चीन में मौजूद इंदरजीत सिंह 'छोटू' ने टीम को दिए निर्देश। स्मृति नगर थाना पुलिस के सहयोग से शव पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया। सर्व समाज कल्याण समिति करेगी सम्मानपूर्वक अंतिम संस्कार।

एस आर हॉस्पिटल द्वारा मुख्यमन्त्री कौशल विकास योजना पाठ्यक्रम के विद्यार्थियों को सर्टीफिकेट वितरण किया गया

दुर्ग। एस.आर हॉस्पिटल एंड रिसर्च सेन्टर चिखली दुर्ग द्वारा संचालित मुख्यमंत्री कौशल विकास योजना पाठ्यक्रम के वर्ष 2025-26 बैच के जनरल ड्यूटी असिस्टेंट कोर्स के उत्तीर्ण विद्यार्थियों को सर्टिफिकेट प्रदान किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि डॉ के.के.जैन वरिष्ठ चिकित्सक (जनरल फिजीशियन) एवं विशेष अतिथि न्यु प्रेस क्लब ऑफ भिलाई के अध्यक्ष अनिल गुप्ता उपस्थित रहे।वहीं अन्य अतिथि वरिष्ठ पत्रकार रमेश गुप्ता वरिष्ठ पत्रकार डॉ कमल किशोर शर्मा एवं समाजसेवी विष्णु पाठक ने भी कार्यक्रम में शिरकत की। कार्यक्रम की शुरुआत मां सरस्वती की पूजा अर्चना व दीप प्रज्वलन के साथ की गई। इसके पश्चात अतिथियों का स्वागत एवं सम्मान संस्था के चेयरमेन द्वारा किया गया। इस गरिमामय आयोजन में संस्था के चेयरमेन संजय तिवारी ने सर्वप्रथम विद्यार्थीओ को बधाई दी व संस्था के बारे में जानकारी दी कि संस्था का मुख्य उद्देश्य प्रदेशवासियों को स्वास्थ्य लाभ पहुंचाना एवं क्षेत्रवासियों को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करना साथ ही विद्यार्थीयो को चिकित्सा के क्षेत्र में बेहतर शिक्षा प्रदान करना है - उन्होंने बताया कि एस.आर हॉस्पिटल एंड रिसर्च सेन्टर चिखली दुर्ग में डी.फार्मेसी कोंस एवं पैरामेडिकल टेक्नीशियन कोर्स व शासन द्वारा मान्यता प्राप्त मुख्यमन्त्री कौशल विकास योजना के पाठ्यक्रम का संचालन किया जाता है।उन्होंने बताया कि एस.आर ग्रुप के द्वारा सैकड़ों विद्यार्थियों को पाठ्यक्रम पूर्ण करने के पश्चात रोजगार भी प्रदान किया गया है। अतिथि उद्बोधन में डॉ के.के.जैन ने कहा कि कौशल विकास योजना आधारित प्रशिक्षण के समय की मांग है एवं विशेष अतिथि अनिल गुप्ता ने कहा कि युवाओं को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में एस.आर हॉस्पिटल एंड रिसर्च सेन्टर द्वारा किए जा रहे प्रयास अत्यन्त ही सराहनीय है उन्होंने यह भी कहा कि एस.आर हॉस्पिटल द्वारा कौशल विकास योजना के अन्तर्गत विद्यार्थियों को दिया गया प्रशिक्षण विद्यार्थियों के लिए मिल का पत्थर साबित हो होगा।

हितग्राही भरत निषाद को आजीविका संवर्धन के लिए मिली 1 लाख की वित्तीय सहायता

सुशासन तिहार से मिला ग्रामीण आजीविका को संवर्धन

दुर्ग। सुशासन शिविरों के माध्यम से शासकीय जन कल्याणकारी योजनाओं का सीधा लाभ अंतिम छोर के पात्र व्यक्तियों तक लगातार पहुंचाया जा रहा है। ये शिविर ग्रामीण क्षेत्रों में आर्थिक सशक्तिकरण और आजीविका संवर्धन का प्रभावी माध्यम सिद्ध हो रहे हैं। इसी कड़ी में, जनपद पंचायत धमधा के ग्राम मलपुरी कला निवासी भरत निषाद के जीवन में सकारात्मक बदलाव आया है। निषाद लंबे समय से मत्स्य पालन व्यवसाय से जुड़े हैं और अपने परिवार का भरण-पोषण कर रहे हैं। वे अपने इस पैतृक व्यवसाय के विस्तार एवं सुदृढ़ीकरण के लिए विगत कुछ समय से वित्तीय सहायता की आवश्यकता महसूस कर रहे थे। जब वे विगत दिन मलपुरी कला गांव में आयोजित सुशासन तिहार शिविर में पहुंचे तब विभाग द्वारा उनकी मांग एवं पात्रता का परीक्षण कर त्वरित कार्यवाही की गई। इसके फलस्वरूप, मत्स्य पालन विभाग द्वारा योजना के अंतर्गत उन्हें आजीविका संवर्धन हेतु 1 लाख की वित्तीय सहायता राशि का चेक प्रदान किया गया। चेक प्राप्त होने पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए हितग्राही भरत निषाद ने बताया कि इस आजीविका अनुदान राशि से वे मत्स्य पालन हेतु आवश्यक संसाधनों का विस्तार करेंगे। उन्होंने कहा कि यह वित्तीय सहयोग उनके व्यवसाय को सुदृढ़ करने के साथ-साथ परिवार के आर्थिक स्तर को ऊपर बनाने और बच्चों की शिक्षा-दीक्षा में अत्यंत सहायक सिद्ध होगा।

हितग्राही ने इस त्वरित एवं पारदर्शी प्रक्रिया के लिए मुख्यमंत्री विष्णु देव साय एवं जिला प्रशासन के प्रति आभार प्रकट किया। निषाद की यह कहानी इस तथ्य का प्रत्यक्ष प्रमाण है कि जिला प्रशासन के ये सुशासन शिविर धरातल पर लक्षित समूहों को आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनाने में निरंतर सफल हो रहे हैं।

पत्रकारिता महज खबरों की व्यापार नहीं, यह जन जन के अधिकारों की आवाज है: डॉ.भारव्दाज

शिवरीनारायण। आज से 200 साल पहले भारत की प्रथम हिंदी समाचार पत्र उदंत मार्तंड 30 मई 1826 दिन मंगलवार को प्रकाशित हुई थी। इस समाचार पत्र के संपादक और प्रकाशक पंडित जुगल किशोर शुक्ल थे। बड़े गर्व और सौभाग्य की बात है कि आज 42000 से अधिक पंजीकृत हिंदी समाचार पत्र भारत में प्रकाशित है। हिंदी पत्रकारिता दिवस पर मेरी चंद पंक्तियां आप सभी को सादर समर्पित है। आप सभी को हिन्दी पत्रकारिता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं डॉ. गुलाब चंद भारद्वाज'विद्यासागर'संवाद स्थापित करने जुगल किशोर जी आज, समाचार एक पत्र निकाला उदंत मार्तंड खास। मतलब जिसका उगता सूरज अंधकार मिटाने, सेतु बनाने लोगों के बीच यारों संवाद बढ़ाने। कलम जब सच की मशाल बन जाती है,तो अंधेरों की हर दीवारें स्वतः ढह जाती है।पत्रकारिता महज खबरों का व्यापार नहीं,यह जन-जन के अधिकारों की आवाज़ है। लोकतंत्र का चौथा स्तंभ है पत्रकारिता,जनहित और जनजागरण इसकी है वास्तविकता।कलम बिके न सत्ता से, न झुके किसी के प्रभाव से,जनमन की पीड़ा लिख सके, वही है इसका भाव।सच की लौ को आँधियों में भी जलाए रखना,कलम को जनहित की दिशा में ही चलाए रखना।सच की खातिर जो लिखे, न डरे किसी का दबाव। पत्रकारिता सार्थक वही, जो रखे जन-हित का भाव।जो समय की धड़कनों को शब्द देता है, वही समाचार पत्र समाज का दर्पण बनता है। बीके कभी न पैसों के बल, न सत्ता की रखैल,जिंदा रखे जो लोकतंत्र को स्तंभ चौथा मेल।।

स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक संजय तिवारी द्वारा असमा पब्लिशर्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, ग्रास मेमोरियल सेंटर के बाजू, जयस्तंभ चौक, रायपुर (छ.ग.)-492001 से मुद्रित करवाकर व गदा चौक, फरीद नगर रोड स्वर्गीय तुलाराम मेमोरियल स्कूल के पास सुपेला भिलाई, जिला- दुर्ग (छ.ग.) पिन कोड-490023 से प्रकाशित। संपादक : संजय तिवारी, मो. 9200000214 (समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार), समस्त विवादों का निपटारा न्यायलीन क्षेत्र दुर्ग होगा। डाक पंजीयन क्रमांक- सीजी/दुर्ग/लोकतंत्र प्रहरी/2026-28, Email : loktantraprahrinews@gmail.com